शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

www.lagatar.in

शनिवार 16 मार्च 2024 फाल्गुन शुक्ल पक्ष 06, संवत 2080 पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ X वर्ष : 1, अंक : 328

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	35.6	23.7
जमशेदपुर	35.5	20.2
डालटनगंज	35.5	16.7

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा अंतर्गत
पश्चिमी सिंहभूम जिला के हाटगम्हरिया एवं बंदगांव में

डिग्री महाविद्यालय

तथा अन्य योजनाओं का

शिलान्यास, उद्घाटन एवं परिसंपत्ति वितरण समारोह

मुख्य अतिथि

श्री चम्पाई सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

दिनांक : 16 मार्च 2024
समय : पूर्वाह्न 10:00 बजे
स्थान : टाटा कॉलेज ग्राउंड, चाईबासा

विशिष्ट अतिथि

श्री अर्जुन मुंडा
माननीय मंत्री, जनजातीय कार्य एवं कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

श्री आलमगीर आलम
माननीय मंत्री, संसदीय कार्य, ग्रामीण विकास, ग्रामीण कार्य, एवं पंचायती राज विभाग, झारखण्ड

श्री सत्यानंद भोक्ता
माननीय मंत्री, श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास तथा उद्योग विभाग, झारखण्ड

श्री दीपक बिरुवा
माननीय मंत्री, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण और परिवहन विभाग, झारखण्ड

श्रीमती गीता कोड़ा
माननीय सांसद, सिंहभूम लोकसभा

गरिमामयी उपस्थिति

श्रीमती जोबा माझी
माननीय विधायक, मनोहरपुर

श्री निरल पुरती
माननीय विधायक, मझगांव

श्री दशरथ गागराई
माननीय विधायक, खरसावां

श्री सुखराम उरांव
माननीय विधायक, चक्रधरपुर

श्री सोनाराम सिंकु
माननीय विधायक, जगन्नाथपुर

सुश्री लक्ष्मी सुरेन
माननीय जिला परिषद अध्यक्षा चाईबासा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

ब्रीफ खबरें

जनवरी से ही मिलेगा 4% महंगाई भत्ता

रांची। राज्य सरकार के करीब 3 लाख कर्मियों को पहली जनवरी 2024 से 4% महंगाई भत्ता मिलेगा. कैबिनेट के निर्णय के बाद शुक्रवार को वित्त विभाग ने इसे लेकर संकल्प जारी कर दिया है. मालूम हो कि पिछली कैबिनेट की बैठक में महंगाई दर 46% से बढ़ाकर सरकार ने 50% कर दिया है. इसको लेकर वित्त विभाग ने संकल्प जारी कर दिया है.

तीन जेई को अन्य प्रशाखा का अतिरिक्त जिम्मा मिला

रांची। ऊर्जा विभाग में कार्यरत तीन जूनियर इंजीनियरों को अपने कार्यों के अतिरिक्त प्रशाखा की जिम्मा दिया गया है. ऊर्जा विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार प्रेमचंद तिग्गा विद्युत कार्य प्रशाखा रिम्स-तीन के साथ-साथ अब रिम्स एक और रिम्स दो प्रशाखा, फनींद्र सिंह कांके प्रशाखा को डालटनगंज प्रशाखा और अभिषेक कुमार चाईबासा प्रशाखा को जमशेदपुर प्रशाखा की अतिरिक्त जवाबदेही सौंपी गई है.

इजहार के खिलाफ ईडी ने दायर की पीसी

रांची। लिंकेज का 86568 टन कोयला मंडी में बेच कर करोड़ों रुपये की अवैध कमाई करने के आरोपी हजारीबाग के चर्चित कोयला कारोबारी इजहार अंसारी कि खिलाफ ईडी ने प्रॉसिक्यूशन कम्प्लेन (पीसी) दाखिल कर दी है. अपनी पीसी में एजेंसी ने कोर्ट को यह जानकारी दी है कि इजहार कैसे कोयले के कारोबार में संलिप्तता था और अवैध कोयले के कारोबार से अकूत संपत्ति अर्जित की. ईडी की पीसी पर अब कोर्ट संज्ञान ले सकता है. कोल लिंकेज से जुड़े मामले को लेकर ईडी ने 16 जनवरी को इजहार अंसारी के ठिकानों पर छापेमारी की थी. छापेमारी के बाद ईडी ने उसे गिरफ्तार कर लिया था.

बर्खास्त इंजीनियर को सुप्रीम कोर्ट से बेल

रांची। मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपी बर्खास्त इंजीनियर राम विनोद सिन्हा को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है. न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस ऑगस्टिन जॉर्ज की खंडपीठ ने राम विनोद सिन्हा की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए उन्हें कुछ शर्तों के साथ जमानत दे दी है. राम विनोद सिन्हा की ओर से झारखंड हाईकोर्ट के अधिवक्ता पांडेय नीरज रॉय और अधिवक्ता रचिता राय ने बहस की. भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों से घिरे बर्खास्त जूनियर इंजीनियर राम विनोद सिन्हा पर खूंटी में लगभग 17 मामले दर्ज हैं. जिसकी जांच एसीबी कर रही है. ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग और आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के साथ-साथ कई गड़बड़ियां करने के आरोपी बर्खास्त इंजीनियर राम विनोद प्रसाद सिन्हा को 18 जून 2020 में कोलकाता से गिरफ्तार किया था. बर्खास्त इंजीनियर राम विनोद सिन्हा पर खूंटी जिला परिषद के मनरेगा योजना से जुड़े 18 करोड़ 76 लाख रुपए के फर्जीवाड़ा का आरोप है.

मामला एनटीपीसी की कोल माइंस से सड़क मार्ग से कोयला परिवहन का

सीएस का कड़ा रुख : मांगी रिपोर्ट, पीसीसीएफ नहीं भेज रहे थे जवाब

प्रमुख संवाददाता। रांची

हजारीबाग की एनटीपीसी की कोल माइंस अक्सर सुर्खियों में रहती है. नियमों को ताक पर रख कर किए गए कोयले के खनन के मामले में केंद्र सरकार इसपर करोड़ों का जुर्माना भी लगा चुकी है. वहीं सड़क मार्ग से कोयला परिवहन को लेकर झारखंड विधानसभा में विधायक लोबिन हेम्ब्रम ने सवाल पूछे थे, जिसका गलत जवाब भेजे जाने के मामले में सरकार से शिकायत की गई थी. हजारीबाग डीएफओ सबा आलम अंसारी पर विधानसभा में झूठी रिपोर्ट भेजने का आरोप लगा था. इसको लेकर वन विभाग के प्रधान सचिव की तरफ से दो बार जांच रिपोर्ट मांगी गयी, लेकिन पीसीसीएफ ने सरकार को जवाब नहीं भेजा.

विस में गलत रिपोर्ट देने पर पीसीसीएफ की भूमिका को लेकर सरकार से की थी शिकायत

विधानसभा में गलत रिपोर्ट के मामले में मंटू सोनी ने पीसीसीएफ के खिलाफ आरोपी से सांठगांठ कर डीएफओ सबा आलम अंसारी बचाने के लिए सरकार को रिपोर्ट नहीं भेजे जाने की शिकायत झारखंड सरकार के मुख्य सचिव से की थी. इसके बाद मुख्य सचिव ने कड़ा रुख अपनाया. मुख्य सचिव के निर्देश के आलोक में वन विभाग के प्रधान सचिव ने पीसीसीएफ से अविलंब मंतव्य के साथ जांच प्रतिवेदन मांगा है. इसके पूर्व सचिव स्तर से पीसीसीएफ से एक महीने के अंदर रिपोर्ट मांगी गयी थी. इसके बाद सरकार के अवर सचिव प्रभाकर ओझा ने पुन: पीसीसीएफ को पत्र लिख कर अविलंब रिपोर्ट देने को कहा. इसके पूर्व सरकार के अवर सचिव मृत्युंजय कुमार द्वारा पीसीसीएफ लिखे पत्र में यह भी कहा गया था कि डीएफओ सबा आलम अंसारी के क्षेत्राधिकार से भिन्न किसी वरीय पदाधिकारी से जांच करवा कर रिपोर्ट भेजी जाए.

लोबिन के सवाल पर सरकार ने हजारीबाग पश्चिमी वन प्रमंडल को पत्र लिखा था

विधायक लोबिन हेम्ब्रम के सवाल के जवाब को लेकर झारखंड सरकार ने हज़ारीबाग पश्चिमी वन प्रमंडल को पत्र लिखा था. झारखंड सरकार विधानसभा में एनटीपीसी के मुख्य महाप्रबन्धक पंकरी बरवाडीह एनटीपीसी लिमिटेड के पत्रांक 23, 10 फरवरी 2023 के हवाले से जवाब दिया गया कि भूमि अधिग्रहण एवं स्थानीय विधि व्यवस्था के चलते कन्वेयर बेल्ट पूर्ण रूप से कार्यरत नहीं हो पाया है (यह नहीं लिखा है कि कन्वेयर बेल्ट का स्ट्रक्चर पूर्ण रूप से नहीं बना है). इसलिए वन मंत्रालय के दिल्ली कार्यालय द्वारा 27/29 अक्टूबर 2020 को जारी नोटिफिकेशन के आलोक में सड़क मार्ग से कोयला परिवहन किया जा रहा है. उपरोक्त परिप्रेक्ष्य में सड़क मार्ग से कोयला परिवहन के लिए ट्रांजिट परमिट निर्गत किया जा रहा है.

फिर सबा आलम ने सरकार को भेजी रिपोर्ट को खुद किया खारिज

पश्चिमी वन प्रमंडल पदाधिकारी सबा आलम अंसारी ने फरवरी महीने में एनटीपीसी से पूछकर विधानसभा में सरकार को जवाब देने के तीन महीने बाद उसी जवाब को लेकर एनटीपीसी से स्पष्टीकरण पूछा था. जवाब में एनटीपीसी द्वारा भारत सरकार के वन मंत्रालय के दिल्ली कार्यालय द्वारा दिनांक 27/29 अक्टूबर 2020 को जारी नोटिफिकेशन के तहत ट्रांसपोर्टेशन किए जाने की जानकारी दी, जिसे डीएफओ ने एक सप्ताह बाद उसे मानने से इनकार करते हुए उसे गलत बताया था.

विभागीय संरचना, बजट व योजनाओं से रू-ब-रू हुए सचिव, कहा-

समर्पण से काम कर लोगों को सुविधाएं मुहैया कराएं

क्या-क्या निर्देश

- हटिया डैम के आसपास की जमीन उपलब्ध करायी जाए
- आवास बोर्ड उपलब्ध आवासों के संबंध में रिपोर्ट तैयार करे

संवाददाता। रांची

नगर विकास एवं आवास विभाग के सचिव चंद्रशेखर ने विभाग से संबद्ध सभी प्रभाग अधिकारियों को समर्पण की भावना से काम करने का निर्देश दिया है. उन्होंने कहा कि परिश्रम से काम करने से ही योजनाएं धरातल पर उतरेंगी और नागरिकों को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हो पाएंगी. अधिकारी यह सुनिश्चित कर लें कि आम लोगों को हर हाल में सुविधाएं उपलब्ध करानी है. प्रोजेक्ट भवन सभागार में शुक्रवार को विभागीय समीक्षा एवं परिचयात्मक बैठक में सचिव ने ये निर्देश दिए. पीपीटी के माध्यम से नगर विकास एवं आवास विभाग की ओर से सभी प्रभागों की प्रशासनिक संरचना के बारे में जानकारी दी गयी.

नगर विकास एवं आवास विभाग की बैठक में विभाग के सचिव चंद्रशेखर, रांची के नगर आयुक्त अमित कुमार व अपर सचिव मनोहर मरांडी.

स्मार्ट सिटी कैंपस में पौधरोपण करने का निर्देश

सचिव ने रांची स्मार्ट सिटी के अधिकारी राकेश नंदकुलियार को निर्देश दिया कि स्मार्ट सिटी परिसर में भरपूर पौधरोपण कराया जाये. जो पौधे विकसित नहीं हो पाये हैं, उनके स्थान पर नए पौधे लगाए जाएं. बैठक में सचिव के अलावा रांची के नगर आयुक्त अमित कुमार, निदेशक नगरीय प्रशासन सत्येंद्र कुमार, अपर मुख्य सचिव मनोहर मरांडी, जुडको के पीडीटी गोपाल जी, पीडी एडमिन अरविंद कुमार मिश्र, पीडी फाइनांस अमित कुमार सहित कई अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे.

सचिव ने सूडा की नमस्ते योजना की जानकारी ली

सचिव ने सूडा द्वारा संचलित नमस्ते योजना के बारे में जानकारी चाही. उन्हें बताया गया कि सीवर से संबंधित जो श्रमिक मैनुअली काम करते हैं, उनकी जगह पर मशीन से सुरक्षात्मक उपाय करते हुए कार्य करने की प्रणाली को ही नमस्ते योजना कहा गया है. सचिव ने झारखंड राज्य आवास बोर्ड के प्रतिनिधि को उपलब्ध आवासों एवं भविष्य की योजनाओं के संबंध में रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश दिया. उन्होंने ग्रेटर रांची प्राधिकार के प्रतिनिधि को राज्यस्तरीय प्रबंध मुख्यालय बनाने के लिए धुर्वा डैम के आसपास जमीन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया, ताकि एनडीआरएफ के जवान जलाशय में प्रशिक्षण भी प्राप्त कर सकें.

मौके पर राज्य शहरी विकास प्राधिकार, नगरीय प्रशासन निदेशालय, झारखंड अरबन इंफ्रस्ट्रक्चर डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड, झारखंड खनिज क्षेत्रीय विकास प्राधिकार, ग्रेटर रांची डेवलपमेंट अथॉरिटी, रांची स्मार्ट सिटी और रांची क्षेत्रीय विकास प्राधिकार के बारे में बताया गया.

राजभवन के समक्ष धरने पर बैठे छात्रों ने दी चेतावनी

सीजीएल परीक्षा की तिथि घोषित हो, नहीं तो सीएम आवास घेरेंगे

जेएसएससी सीजीएल

- राजभवन के पास धरने पर बैठे हैं परीक्षा के अभ्यर्थी
- 18 मार्च को सीएम आवास घेरेंगे राज्यभर के अभ्यर्थी

संवाददाता। रांची

जेएसएससी सीजीएल परीक्षा कैंसिल हुए कई दिन बीत गये, लेकिन परीक्षा की नई तारीख तय नहीं हुई है. प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों को भविष्य की चिंता सता रही है. छात्र राजभवन के समक्ष धरना पर बैठे हैं और जेएसएससी सीजीएल री एग्जामिनेशन-फेयर एग्जामिनेशन के नारे बुलंद कर रहे हैं. जेपीएससी की तैयारी कर रहे छात्र सत्यनारायण शुक्ला का कहना है कि जब उनलोगों ने तैयारी शुरू की थी, तब 24 साल के थे और अब 34 साल के हो गये, लेकिन अब तक एक बार भी सही तरीके से न तो परीक्षा ली गयी और न ही युवाओं को नौकरी देने की दिशा में कोई पहल की गयी. आचार संहिता से पहले जेएसएससी सीजीएल परीक्षा तिथि की घोषणा करे, नहीं तो छात्र 18 मार्च को मुख्यमंत्री आवास का घेराव करेंगे.

2015 से ही पेंडिंग है परीक्षा, बढ़ता जा रहा छात्रों का गुस्सा : सरकार के प्रति छात्रों का गुस्सा बढ़ता जा रहा है. छात्रों का कहना है कि ये परीक्षा 2015 से ही पेंडिंग है. 28 जनवरी 2024 को जब ये परीक्षा हुई थी, तो ठीक अगले दिन ही पेपर लीक का मामला सामने आया और परीक्षा रद्द कर दी गयी. इसके बाद अब तक सरकार ने इस परीक्षा के लिए दोबारा कोई नोटिफिकेशन जारी नहीं किया है, जिससे छात्रों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है. छात्रों का कहना है कि जेएसएससी जल्द परीक्षा के लिए दोबारा तिथि तय करें और फेयर एग्जाम लें. एक छात्र ने कहा कि परीक्षा के इंतजार में हम बैठे हैं, ऐसा लग रहा है कि मानो हमारा समय सिर्फ बर्बाद किया जा रहा है.

छात्रों ने कहा कि जेएसएससी और जेपीएससी दोनों ही झारखंड सरकार की संस्थाए हैं. जब जेपीएससी परीक्षा का नोटफिकेशन एक महीने में जारी हो सकता है, तो जेएसएससी का क्यों नहीं ? साथ ही बाहरी-भीतरी को लेकर सरकार पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि 24 साल में आज तक सरकार झारखंड के छात्र और बाहरी लोगों के बीच बैरिकेडिंग नहीं कर पायी है. छात्रों का गुस्सा न सिर्फ झारखंड सरकार बल्कि विपक्ष पर भी है.

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में निलंबित हैं आईएएस सिंघल

जेल में ही बीतेगी पूजा सिंघल की होली, बेल पर अब अप्रैल में सुनवाई

संवाददाता। रांची/दिल्ली

मनी लॉन्ड्रिंग की आरोपी निलंबित आईएएस पूजा सिंघल की जमानत अर्जी पर सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को सुनवाई हुई. सुनवाई के दौरान अदालत ने यह पूछा कि पूजा सिंघल कितने दिनों से न्यायिक हिरासत में हैं. अदालत ने इस बिंदु पर जवाब मांगते हुए अगली सुनवाई के लिए 29 अप्रैल की तिथि निर्धारित की है. इसके साथ ही यह तय हो गया है कि पूजा सिंघल की होली जेल में ही

बीतेगी. सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस ऑगस्टिन जॉर्ज की खंडपीठ में पूजा सिंघल की बेल पर सुनवाई हुई. पूजा सिंघल की ओर से वरीय अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा ने बहस की, वहीं ईडी की ओर से एएसजी (असिस्टेंट सॉलिसिटर जनरल) एस वी राजू ने बहस की. पिछले वर्ष 12 अप्रैल को मनी लॉन्ड्रिंग की आरोपी निलंबित आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल ने रांची ईडी की विशेष कोर्ट में सरेंडर किया था. तब से वह बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार में न्यायिक हिरासत में हैं. झारखंड के खूंटी में हुए मनरेगा घोटाला मामले में ईडी ने पूजा सिंघल को 11 मई 2022 को गिरफ्तार किया था. उनके पति अभिषेक झा को सुप्रीम कोर्ट से अग्रिम बेल मिल चुकी है.

जेपीएससी परीक्षा : 834 केंद्रों पर 3.50 लाख अभ्यर्थी शामिल होंगे

रांची। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) 11वीं सिविल सेवा परीक्षा (पीटी) 17 मार्च को राज्य के सभी 24 जिले के 834 परीक्षा केंद्रों पर होगी. 11वीं जेपीएससी पीटी में लगभग 3.50 लाख अभ्यर्थी बैठेंगे. जेपीएससी ने अभ्यर्थियों की परीक्षा को ध्यान में रखते हुए उनके गृह जिले के नजदीकी जिले में परीक्षा केंद्र बनाया गया. 11वीं जेपीएससी प्रतियोगिता परीक्षा सिविल सेवा के 343 पदों के लिए हो रही है. आवेदन 1 फरवरी से 29 फरवरी तक भरे गये थे. तकनीकी गड़बड़ी के कारण जेपीएससी ने तीन दिन का समय बढ़ाया था.

न्यूनतम वेतन में संशोधन की मांग

संवाददाता। रांची

खास बातें

- परामर्शदातृ पर्षद की बैठक में कई मुद्दों पर सहमति बनी थी
- सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियंस ने दी बधाई

सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियंस (सीटू) की झारखंड राज्य कमेटी ने विभिन्न श्रेणियों के श्रमिकों की न्यूनतम मजदूरी को संशोधित करने में समय पर पहल के लिए राज्य श्रम और रोजगार विभाग को धन्यवाद दिया है. सीटू के झारखंड राज्य महासचिव विश्वजीत देव ने बताया कि 11 अक्टूबर 2023 को हुई झारखंड न्यूनतम मजदूरी परामर्शदात्री पर्षद की बैठक में इंटक, एटक, सीटू, एक्टू और बीएमएस जैसी पांच केंद्रीय ट्रेड यूनियनों की ओर से एक संयुक्त सुझाव पत्र प्रस्तुत किया गया था.

उक्त पत्र में वेतन आयोग द्वारा अपनाई गई मानक प्रक्रिया, सर्वोच्च न्यायालय के फैसले, अंतरराष्ट्रीय श्रम सम्मेलन की सिफारिशों के साथ-साथ झारखंड राज्य में न्यूनतम मजदूरी दरों की मौजूदा कम दरों और कानूनी कारणों से न्यूनतम वेतन में वरिष्ठता वेटेज वापस होने के कारण, न्यूनतम मजदूरी दर में 28 फीसदी-44 फीसदी बढ़ोतरी का प्रस्ताव किया गया था और फिर से श्रम विभाग द्वारा श्रमाधान पोर्टल पर दिए गए ड्राफ्ट पर एक मार्च-2023 को नए प्रस्ताव दिए गए थे.

उन्होंने यह भी कहा कि हालांकि श्रम विभाग द्वारा अधिसूचित रोजगार की 90 अनुसूचित श्रेणियों के लिए संशोधित मजदूरी, केंद्रीय ट्रेड यूनियनों द्वारा दिए गए सुझाव से कम है, फिर भी वे श्रमिकों और उद्योग के पारस्परिक हित को ध्यान में रखते हुए संशोधित मजदूरी स्वीकार कर रहे हैं और उम्मीद करते हैं कि पूरे राज्य में इसे सख्ती से लागू किया जाएगा.

झारखंड कौशल प्रतियोगिता संपन्न, नेशनल स्किल में जाएंगे 14 विजयी प्रतिभागी

राज्यभर से 237 प्रतिभागी 14 ट्रेड में हुए शामिल

संवाददाता। रांची

झारखंड कौशल विकास मिशन सोसाइटी के तत्वावधान में झारखंड कौशल प्रतियोगिता का शुक्रवार को पुरस्कार वितरण सह समापन समारोह का आयोजन हुआ. रांची के रेडिसन ब्लू में आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि श्रम, नियोजन कौशल विकास विभाग के सचिव मुकेश कुमार ने सभी विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया. 11 मार्च 2024 से राजधानी के पांच संस्थानों में पांच दिवसीय प्रशिक्षण सह प्रतियोगिता चल रही थी.

इसमें राज्य भर से चयनित कुल 237 प्रतिभागियों ने 14 ट्रेड में भाग लिया. सभी ट्रेड के प्रथम, द्वितीय तृतीय स्थान पर रहने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार स्वरूप क्रमशः 21 हजार, 11 हजार व 6 हजार रुपये और मोमेंटो व सर्टिफिकेट दिए गए. प्रतियोगिता के पहले स्थान पर रहने वाले 14 विजेता प्रतिभागी राष्ट्रीय स्तर पर इंडिया स्किल्स 2023-24 में भाग लेंगे. इस प्रतियोगिता में देशभर के अलग-अलग राज्यों के चयनित प्रतिभागी प्रतिस्पर्धा में भाग लेंगे.

राष्ट्रीय स्तर पर विजेता प्रतिभागियों को इस साल फ्रांस के ल्योन शहर में आयोजित होने वाले वर्ल्ड स्किल्स 2023-2024 में भारत का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिलेगा.

श्रम आयुक्त ने प्रतिभागियों की सराहना की : मुख्य अतिथि मुकेश कुमार ने विजेताओं को बधाई दी और राष्ट्रीय स्तर पर 'इंडिया स्किल्स 2023-2024' प्रतिस्पर्धा के लिए शुभकामनाएं दीं. उन्होंने कहा कौशल, किसी भी शिक्षा पद्धति में वैल्यू एडिशन करता है. बदलते वक्त के साथ हमें स्किल्स की जरूरत को समझने की अवश्यकता है, क्योंकि स्किल हमें समय के साथ चलने में मदद करता है. श्रम

आयुक्त संजीव कुमार बेसरा ने प्रतिभागियों की सराहना की और विजेताओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा, मैं चाहता हूं कि हमारे युवाओं को राज्य ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपने कौशल और हुनर दिखाने का मौका मिले. पुरस्कार सह समापन समारोह में मुख्य रूप से प्रतियोगिता के ज्यूरी मेंबर्स, मॅटोर्स, विभिन्न संस्थानों के प्रतिनिधि, प्रशिक्षण सेवा प्रदाता, झारखंड कौशल विकास मिशन सोसाइटी के अधिकारी, यूएनडीपी प्रतिनिधि, प्रतियोगिता के सभी प्रतिभागी मौजूद थे.

CLASSIFIED

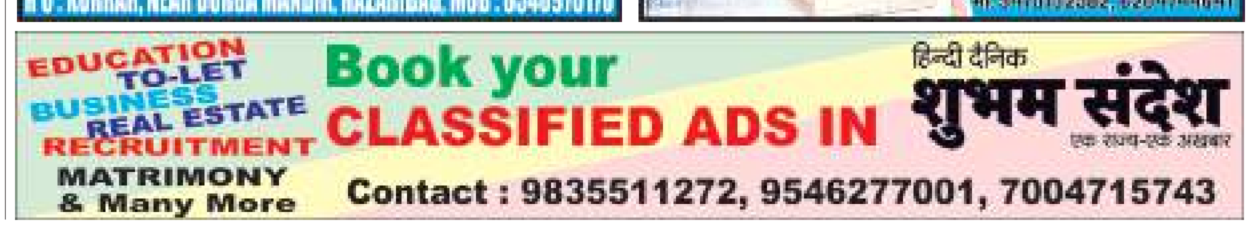

शनिवार 16 मार्च 2024 • फाल्गुन शुक्ल पक्ष 06, संवत 2080 • पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 • वर्ष : 1, अंक : 328

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

इलेक्टोरल बॉण्ड से भाजपा को सबसे ज्यादा 6060 करोड़ मिले

चुनावी बॉण्ड या चुनावी बम

चुनावी बॉण्ड की जानकारी सामने आने के बाद से केंद्र में सत्तारुढ़ भाजपा सरकार निशाने पर है. केंद्र में विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि सरकार जांच एजेंसियों इनफोर्समेंट डाइरेक्टोरेट (ईडी), सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इंवेस्टीगेशन (सीबीआई), इनकम टैक्स (आईटी) जैसी जांच एजेंसियों का गलत इस्तेमाल कर कंपनियों से उगाही कर रही थी. कई कंपनियों ने अरबों रुपये के चंदे जांच एजेंसियों की कार्रवाई के बाद दी है. विपक्ष का यह भी आरोप है कि कई कंपनियों को चुनावी बॉण्ड खरीदने के बाद अरबों-खरबों रुपये का टेंडर दिया गया. कुल मिलाकर चुनावी बॉण्ड योजना एक बड़ा घोटाला है. साथ ही सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग की जा रही है. सच क्या है. यह कहना मुश्किल है. चुनावी बॉण्ड से जुड़े बहुत सारी जानकारी सार्वजनिक होना बाकी है. सुप्रीम कोर्ट इस स्कीम को असंवैधानिक बता चुकी है, जिसके बाद यह स्कीम बंद हो गयी है. बहरहाल, मामला जो भी हो. घोटाला हो. पावर का खेल हो. भ्रष्टाचार हो. या कुछ और. चुनावी बॉण्ड को लेकर अब तक जो बातें सामने आयी हैं, वह लोकतंत्र के लिए गंभीर है. **इसलिए आज का पहला पन्ना इसी मुद्दे पर.**

आज होगी लोस चुनाव की तिथि की घोषणा

नयी दिल्ली। चुनाव आयोग शनिवार को दिन के तीन बजे लोकसभा चुनाव-2024 की तिथि की घोषणा करेगा. इसमें ओडिशा, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश और आंध्र प्रदेश में विधानसभा चुनाव की तारीखों की भी घोषणा हो सकती है. निर्वाचन आयोग ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर इसकी जानकारी दी है. खबरों के अनुसार चुनाव आयोग के सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इसकी लाइव स्ट्रीमिंग की जायेगी. सूत्र बताते हैं कि लोकसभा चुनाव सात-आठ चरणों में हो सकते हैं. मौजूदा लोकसभा का कार्यकाल 16 जून को खत्म हो रहा है. नयी लोकसभा का गठन उससे पहले होना है. पिछली बार लोकसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा 10 मार्च को की गयी थी और 11 अप्रैल से सात चरणों में मतदान हुआ था. मतगणना 23 मई को हुई थी.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	31,300
चांदी (किलो)	76,000

ब्रीफ खबरें

ईडी ने के. कविता को गिरफ्तार किया

हैदराबाद/नयी दिल्ली। ईडी ने दिल्ली आबकारी नीति घोटाला मामले से जुड़े धन शोधन मामले में शुक्रवार को भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की नेता के. कविता को गिरफ्तार कर लिया. संघीय एजेंसी के सूत्रों ने बताया कि तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव की बेटी कविता को पूछताछ के लिए दिल्ली लाया जा रहा है. इससे पहले दिन में ईडी अधिकारियों ने हैदराबाद में कविता के परिसरों पर छापेमारी की और बाद में उन्हें गिरफ्तार कर लिया. उन्होंने आरोप लगाया कि यह कदम 'पूर्व नियोजित' था और वे इसके खिलाफ विरोध प्रदर्शन करेंगे.

नीतीश कैबिनेट का विस्तार 21 ने ली मंत्री पद की शपथ

पटना। बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली राज्य की एनडीए सरकार ने मंत्रिमंडल का विस्तार किया गया. शुक्रवार को भाजपा के 12 और जदयू के नौ मंत्रियों ने शपथ ली. इसके साथ ही मुख्यमंत्री समेत बिहार में मंत्रियों की संख्या 30 हो गई. इस मंत्रिमंडल विस्तार में जातीय समीकरणों का पूरा ध्यान रखा गया है. जिसमें छह सवर्ण, छह दलित, चार अति पिछड़ा, चार पिछड़ा, एक मुस्लिम शामिल हैं.

- पेज 12 भी देखें

केजरीवाल को कोर्ट ने राहत देने से किया इनकार

नयी दिल्ली। दिल्ली के राउज एवेन्यू की सेशन कोर्ट ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को राहत देने से मना कर दिया है. कोर्ट ने समन वाली याचिका पर राहत देने से मना कर दिया है. अब मुख्यमंत्री को 16 मार्च को राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश होना होगा. दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आबकारी नीति घोटाले से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच कर रही ईडी की शिकायतों पर निचली अदालत की ओर से जारी समन को सत्र अदालत में चुनौती दी थी.

इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम सबसे बड़ी उगाही :राहुल

ठाणे। इलेक्टोरल बॉण्ड पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा, इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम दुनिया की सबसे बड़ी उगाही रैकेट है. ये बड़ी कंपनियों से हफ्ता वसूली का जरिया है. कांट्रेक्ट का हिस्सा लिया गया है. यह भ्रष्टाचार का सबसे बड़ा मामला है, जिन कंपनियों पर जांच एजेंसियों ने कार्रवाई की.

शुभम संदेश नेटवर्क। नयी दिल्ली

चुनाव आयोग ने इलेक्टोरल बॉण्ड का डेटा अपनी वेबसाइट पर जारी कर दिया है. इसके मुताबिक भाजपा सबसे ज्यादा चंदा लेने वाली पार्टी है. 12 अप्रैल 2019 से 11 जनवरी 2024 तक पार्टी को सबसे ज्यादा 6,060 करोड़ रुपए मिले हैं. लिस्ट में दूसरे नंबर पर टीएमसी (1,609 करोड़) और तीसरे पर कांग्रेस पार्टी (1,421 करोड़) है. हालांकि, किस कंपनी ने किस पार्टी को कितना चंदा दिया है, इसका लिस्ट में जिक्र नहीं किया गया है. चुनाव आयोग ने वेबसाइट पर 763 पेजों की दो लिस्ट अपलोड की हैं. एक लिस्ट में बॉण्ड खरीदने वालों की जानकारी है. चुनावी बॉण्ड इनकैश कराने वाली पार्टियों में कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, आम आदमी पार्टी, समाजवादी पार्टी, अन्नाद्रमुक, बीआरएस, शिवसेना, तेदेपा, वाईएसआर कांग्रेस, डीएमके, जेडीएस, एनसीपी, जदयू और राजद भी शामिल हैं.

किसने-किसको चंदा दिया, यह पता नहीं चलता

दोनों लिस्ट में बॉण्ड खरीदने वालों और इन्हें इनकैश कराने वालों के तो नाम हैं, लेकिन यह पता नहीं चलता कि किसने यह पैसा किस पार्टी को दिया? इस मामले में याचिका लगाने वाले एडीआर के वकील प्रशांत भूषण ने सुप्रीम कोर्ट में फिर सवाल उठाया कि एसबीआई ने वह यूनिक कोड नहीं बताया, जिससे पता चलता कि किसने-किसे चंदा दिया. सुप्रीम कोर्ट ने एसबीआई से 18 मार्च तक यूनिक कोड नंबर की जानकारी भी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है.

कांग्रेस ने डेटा पर सवाल उठाए

कांग्रेस ने इलेक्टोरल बॉण्ड के डेटा पर सवाल उठाए हैं. पार्टी ने कहा है कि दानदाताओं और इसे लेने वालों के आंकड़े में अंतर है. दानदाताओं में 18,871 एंट्री है, जबकि लेने वालों में 20,421 की एंट्री है. पार्टी ने यह भी पूछा है कि यह योजना वर्ष 2017 में शुरू हुई थी तो इसमें अप्रैल 2019 से ही डेटा क्यों है? उधर, चुनाव आयोग का कहना है कि उसे यह जानकारी एसबीआई से ऐसी ही मिली है. वर्ष 2019 से वर्ष 2024 के बीच 1334 कंपनियों-लोगों ने कुल 16,518 करोड़ रुपए के बॉन्ड खरीदे. जिसे 27 दलों ने भुनाए.

सबसे ज्यादा चंदा देने वाले सैंटियागो मार्टिन का बेटा भाजपा का सदस्य

सबसे बड़ा चुनावी चंदा फ्यूचर गेमिंग एंड होटल सर्विसेस ने दिया है. कंपनी सिक्किम, नगालैंड और पश्चिम बंगाल समेत पूरे देश में लॉटरी के टिकट बेचती है. इसे लॉटरी किंग मार्टिन सेंटियागो चलाते हैं. उन्होंने 1,368 करोड़ रुपए का चंदा 21 अक्टूबर 2020 से जनवरी 24 के बीच दिया है. सेंटियागो मार्टिन के बड़े बेटे चार्ल्स जोस ने वर्ष 2015 में भाजपा ज्वाईन की थी. कंपनी 10 साल से ईडी और आईटी डिपार्टमेंट की रडार पर है. दिसंबर 2021 में ईडी ने कंपनी की 19.6 करोड़ की प्रॉपर्टी अटैच की थी. वर्ष 2019 में आईटी विभाग ने मार्टिन के देशभर के 70 ठिकानों पर छापा मारा था. कंपनी के खिलाफ लॉटरी रेगुलेशन एक्ट 1998 के तहत और आईपीसी के तहत कई मामले दर्ज हैं.

कांग्रेस ने इलेक्टोरल बॉण्ड स्कीम में भ्रष्टाचार के चार कारण बताए

नयी दिल्ली। इलेक्टोरल बॉण्ड का डेटा जारी होने के बाद कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि भाजपा ने स्कीम के जरिए करोड़ों रुपये का भ्रष्टाचार किया है. उन्होंने इसके चार कारण बताए. उन्होंने कहा कि हम यूनीक बॉण्ड आईडी नंबर मांगेंगे, जिससे पुख्ता तौर पर पता चलेगा कि किसने किसको कितना चंदा दिया है. उन्होंने आरोप लगाया है कि भाजपा की हफ्ता वसूली की स्ट्रैटजी बहुत आसान थी. ईडी, सीबीआई और आईटी की रेड के जरिए हफ्ता यानी की डोनेशन वसूलती थी.

1. मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रा ने 800 करोड़ रुपये चंदे में दिए हैं. अप्रैल 2023 में कंपनी ने 140 करोड़ रुपए डोनेट किए. इसके ठीक एक महीने के बाद कंपनी को 14,400 करोड़ रुपये का ठाणे-बोरीवली ट्विन टनल प्रोजेक्ट मिल गया. इसी तरह जिंदल स्टील एंड पावर ने सात अक्टूबर 2022 को 22 करोड़ रुपये का चंदा दिया. इसके ठीक तीन दिन बाद 10 अक्टूबर को गियर पाल्मा कोल माइंस कंपनी को मिल गई.

2. टॉप 30 डोनर्स में से 14 के खिलाफ छापे की कार्रवाई हुई थी. शिर्डी साई इलेक्ट्रिकल्स पर दिसंबर 2023 में छापा पड़ा था. इसके बाद जनवरी 2024 में कंपनी ने 40 करोड़ का डोनेशन दे दिया. फ्यूचर गेमिंग कंपनी का भी यही ट्रेंड देखने को मिला है.

3. कुछ कंपनियों ने केंद्र सरकार से प्रोजेक्ट का ठेका मिलने के तुरंत बाद भाजपा को चंदा दिया है. जैसे वेदांता ग्रुप को राधिकापुर वेस्ट प्राइवेट कोल माइंस तीन मार्च 2021 को मिली. कंपनी ने अगले ही महीने 25 करोड़ रुपए भाजपा को चंदे में दिए.

4. पहले कंपनी के मुनाफे का केवल एक छोटा प्रतिशत ही चंदे में दिया जा सकता था. चुनावी बॉण्ड स्कीम में ये प्रतिबंध हटा दिया गया. इससे शेल कंपनियों के लिए ब्लैक मनी चंदे के रूप में देने का रास्ता खुल गया. चुनाव आयोग की लिस्ट से पता चलता है कि क्विक सप्लाई चेन लिमिटेड ने 410 करोड़ रुपए डोनेट किए, जबकि इस कंपनी का पूरा शेयर कैपिटल 130 करोड़ रुपये ही है.

25 राजनीतिक दलों को 127.69 अरब रुपये

राजनीतिक फंडिंग में पारदर्शिता की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए भारत चुनाव आयोग ने भारतीय स्टेट बैंक द्वारा उसे दिए गए चुनावी बॉण्ड का विवरण सार्वजनिक कर दिया है. यह विवरण सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित समय सीमा से एक दिन पहले गुरुवार को ही अपलोड किया गया है. इसमें देश के 25 राजनीतिक दलों को 127 अरब 69 करोड़ 8 लाख 93 हजार रुपए मिले हैं. पांच मूल्य वर्ग में बॉन्ड खरीद गए हैं. इसमें न्यूनतम ट्रांजिक्शन 1 हजार और अधिकतम 1 करोड़ रुपए का है. बाकी 10 हजार, 1 लाख और 10 लाख रुपए के मूल्यवर्ग में बॉण्ड खरीदे गए.

20421 ट्रांजैक्शन में मिला चंदा

बॉण्ड की राशि	ट्रांजैक्शन की संख्या
1000 रु	103
10000 रु	219
100000 रु	2526
1000000 रु	5366
10000000 रु	12207

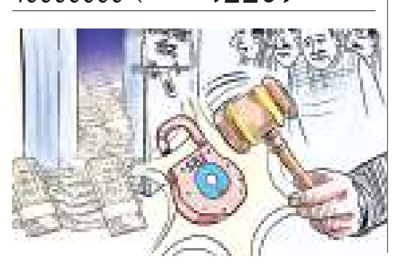

एसबीआई यूनिक नंबर भी दे: सुप्रीम कोर्ट

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एसबीआई की तरफ से चुनाव आयोग को सौंपे गए इलेक्टोरल बॉण्ड से जुड़ी जानकारियों में यूनिक नंबर को शामिल नहीं किए जाने पर नाराजगी जाहिर की है. शीर्ष अदालत ने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) से कहा कि वह इलेक्टोरल बॉण्ड नंबर यानी यूनिक नंबर भी शेयर करे. दरअसल, दो वरिष्ठ वकीलों प्रशांत भूषण और कपिल सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट का ध्यान इस ओर दिलाया और कहा कि एसबीआई ने यूनिक नंबर मुहैया नहीं कराया है, इस कारण बहुत सी बातों का पता नहीं चल पाएगा.

क्या है यूनिक नंबर

सुप्रीम कोर्ट ने जिस यूनिक नंबर की बात की है वो दरअसल हर इलेक्टोरल बॉण्ड पर अंकित होता है. यूनिक नंबर हर बॉण्ड का अलग-अलग होता है. न्यूज वेबसाइट द क्विंट की रिपोर्ट के मुताबिक, एसबीआई जो इलेक्टोरल बॉण्ड जारी करता है, उस पर दर्ज यूनिक नंबर नंगी आंखों से नहीं दिखता. लेकिन उसे अल्ट्रावायलेट किरणों (यूवी लाइट्स) में देखा जा सकता है. ये नंबर अंग्रेजी वर्णमाला के अक्षरों और संख्याओं से मिलकर (अल्फान्यूमेरिक) होते हैं.

यूनिक नंबर से यह पता चलेगा

- बॉण्ड किसने खरीदी और किसके लिए खरीदी.
- संस्था या व्यक्ति ने किस राजनीतिक दल को कितना चंदा दिया.

जांच एजेंसियों की कार्रवाई के बाद 14 कंपनियों ने दिए चंदे

चुनाव आयोग ने इलेक्टोरल बॉण्ड यानी चुनावी चंदे से जुड़ी सभी जानकारी सार्वजनिक कर दी है. और अब इसी डेटा से पता चला है कि 12 अप्रैल 2019 से 24 जनवरी 2024 तक चुनावी बॉण्ड खरीदने वाली टॉप 30 कंपनियों में से कम से कम 14 को केंद्रीय या राज्य सरकार की जांच एजेंसियों द्वारा कार्रवाई का सामना करना पड़ा है. इन खुलासों के बाद जांच एजेंसियों की कार्रवाईयों पर सवाल उठने शुरू हो गये हैं. विपक्ष के नेता पहले से भी इस तरह के आरोप लगाते रहे हैं.

1 फ्यूचर गेमिंग और होटल सर्विसेज: इस कंपनी ने 27 अक्टूबर 2020 और पांच अक्टूबर 2023 के बीच 1368 करोड़ रुपए का चंदा दिया. वर्ष 2022 में ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कंपनी और उसके अलग-अलग उप-वितरकों की 409 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति कुर्क की थी.

2 मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड: अक्टूबर 2019 में, इनकम टैक्स विभाग ने हैदराबाद और दूसरे शहरों में तेलुगु टाइकून कृष्णा रेड्डी की मेघा इंजीनियरिंग इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (एमईआईएल) के कई कार्यालयों पर छापेमारी की थी. तब से, कंपनी ने चुनावी बॉण्ड के रुप में 966 करोड़ रुपए का दान दिया.

3 हल्दिया एनर्जी लिमिटेड: इस कंपनी ने चुनावी बॉण्ड में 377 करोड़ रुपए का चंदा दिया है. मार्च 2020 में इसे सीबीआई ने इस कंपनी के खिलाफ कार्रवाई की थी. सीबीआई की जांच से पहले वर्ष 2019 के चुनावी महीने मई में करीब 15 करोड़ रुपए का चंदा दिया था. एक करोड़ रुपए का इलेक्टोरल बॉण्ड अक्टूबर 2019 में और 60 लाख रुपए का बॉण्ड जनवरी 2020 में खरीदा. वहीं बाकी 350 करोड़ से ज्यादा के बॉण्ड मार्च 2020 में सीबीआई की जांच के बाद से लेकर जनवरी 2024 तक खरीदे गए थे.

4 वेदांता लिमिटेड: वेदांता ग्रुप की कंपनी तलवंडी साबो पावर लिमिटेड (टीएसपीएल) पर अगस्त 2022 में मनी लॉन्ड्रिंग जांच के सिलसिले में ईडी ने छापा मारा था. ग्रुप ने चुनावी बॉण्ड में सामूहिक रूप से 400 करोड़ रुपए का चंदा दिया है.

5 यशोदा सुपर स्पेशलिटी अस्पताल: हैदराबाद स्थित कॉर्पोरेट हॉस्पिटल चेन पर दिसंबर 2020 में आईटी अधिकारियों ने छापा मारा था. इसने अक्टूबर 2021 में चुनावी बॉण्ड में 162 करोड़ रुपए का दान दिया.

6 डीएलएफ कमर्शियल डेवलपर्स लिमिटेड: रियल्टी डेवलपर कंपनी ने चुनावी बॉण्ड में 130 करोड़ रुपए का दान दिया. भूमि आवंटन में कथित अनियमितताओं को लेकर जनवरी 2019 में सीबीआई अधिकारियों ने यहां छापा मारा था. फिर, नवंबर 2023 में, ईडी ने रियल एस्टेट फर्म सुपरटेक के खिलाफ जांच के सिलसिले में उसके गुरुग्राम कार्यालयों की तलाशी ली.

7 जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड: अप्रैल 2022 में ईडी ने विदेशी मुद्रा नियमों (फॉरेन एक्सचेंज रेगुलेशन) के कथित उल्लंघन से जुड़े जांच के सिलसिले में जेएसपीएल के परिसरों की तलाशी ली थी. कंपनी ने चुनावी बॉण्ड के जरिए कुल 123 करोड़ रुपए का चंदा दिया.

8 चेन्नई ग्रीनवुड्स प्राइवेट लिमिटेड: कंस्ट्रक्शन फर्म चेन्नई ग्रीनवुड्स प्राइवेट लिमिटेड पर जुलाई 2021 में आयकर अधिकारियों ने छापा मारा था. जनवरी 2022 में इसने चुनावी बॉण्ड के रुप में 105 करोड़ रुपए का दान दिया था.

9 डॉक्टर रेड्डीज लैबोरेटरीज लिमिटेड: नवंबर 2023 में, आईटी अधिकारियों ने टैक्स चोरी के आरोप में डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज के डॉ. के नागेंद्र रेड्डी के यहां छापेमारी की थी. यह तेलंगाना की शिक्षा मंत्री सबिता इंद्रा रेड्डी के परिसरों की तलाशी से जुड़े एक बड़े ऑपरेशन का हिस्सा था. डॉ रेड्डीज लैबोरेट्रीज ने तब तक चुनावी बॉण्ड के जरिए 80 करोड़ रुपए का दान दिया था.

10 आईएफबी एग्रो लिमिटेड: जून 2020 में, भारत के सबसे बड़े डिस्टिलर और स्पिरिट निर्माताओं में से एक, आईएफबी एग्रो ने आरोप लगाया कि जीएसटी खुफिया महानिदेशालय (डीजीजीएसटी) की कोलकाता जोनल यूनिट ने कंपनी के नूरपुर प्लांट पर छापा मारा. वर्ष 2023 में, कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने दावा किया कि उसने सरकार से हमारे निर्देशों के अनुसार चुनावी बॉण्ड में 40 करोड़ रुपये का दान दिया. चुनाव आयोग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, आईबीएफ एग्रो ने चुनावी बॉण्ड में कुल 92 करोड़ रुपए का दान दिया है. कंपनी तब संकट में थी जब 2020 में उसके नूरपुर प्लांट पर हमला हुआ था. पश्चिम बंगाल के तत्कालीन राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने हस्तक्षेप किया था और टीएमसी सरकार से राज्य में निवेश के लिए अनुकूल माहौल बनाने को कहा था.

11 एनसीसी लिमिटेड: हैदराबाद स्थित फर्म ने चुनावी बॉण्ड के जरिए 60 करोड़ रुपए का चंदा दिया है. टैक्स चोरी के आरोप में आयकर विभाग ने नवंबर 2022 में कंपनी पर छापेमारी की थी.

12 डिवि एस लेबोरेटरी लिमिटेड: हैदराबाद स्थित डिविज लेबोरेटरी को फरवरी 2019 में आईटी कार्रवाई का सामना करना पड़ा. कंपनी ने तब से चुनावी बॉण्ड के जरिए 55 करोड़ रुपए का चंदा दिया था.

13 यूनाइटेड फॉस्फोरस इंडिया लिमिटेड: आईटी विभाग ने जनवरी 2020 में यूपीएल के कार्यालयों और परिसरों पर छापेमारी की. कंपनी ने नवंबर 2022 में चुनावी बॉण्ड के जरिए 50 करोड़ रुपए का चंदा दिया है.

14 अरबिंदो फार्मा: ईडी ने 10 नवंबर 2022 में कथित दिल्ली शराब नीति घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग जांच के सिलसिले में अरबिंदो फार्मा के निदेशक सरथ रेड्डी को गिरफ्तार किया था. 15 नवंबर 2022 को यानी कि सरथ रेड्डी की गिरफ्तारी के बाद कंपनी ने इलेक्टोरल बॉण्ड के जरिए पांच करोड़ रुपए का चंदा दिया.

किस पार्टी को कितने करोड़ का चंदा मिला

पार्टी का नाम	2019	2020	2021	2022	2023	कुल
भाजपा	1971	73	3730	1676	202	6060
टीएमसी	87	29	330	468	562	1609
कांग्रेस	170	09	123	289	793	1421
बीआरएस	37	.....	153	528	495	1215
बीजद	10	77	241	195	252	775
डीएमके	09	80	205	285	40	639
वाईएसआर	8.25	89	66	52	118	333
तेलुगु देशम	7.30	.....	3.50	13	76.88	218
शिवसेना	32.38	.....	.....	29	72	158
राजद	2.50	1.00	.....	.....	54	72.50

चंदा देने वाली 10 कंपनियां

कंपनी का नाम	चंदा दिए (करोड़ रुपये में)
फ्यूचर गेमिंग एंड होटल सर्विसेज पीआर	1,368
मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड	966
क्विक सप्लाई चेन प्राइवेट लिमिटेड	410
वेदांता लिमिटेड	400
हल्दिया एनर्जी लिमिटेड	377
एस्सेल माइनिंग एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड	224
वेस्टर्न यूपी पावर ट्रांसमिशन कंपनी	220
भारती एयरटेल	198
केवेंटर फूडपार्क इंफ्रा लिमिटेड	195
मदनलाल लिमिटेड	185.5

किस पार्टी को कितने करोड़ के कितने बॉन्ड

पार्टी	1 करोड़	10 लाख	1 लाख	10 हजार	1 हजार	कुल
भाजपा	5854	1994	706	48	31	8,633
टीएमसी	1467	1354	410	30	14	3,305
कांग्रेस	1318	958	800	65	5	3,146
बीआरएस	1181	310	267	39	9	1,806
बीजेडी	766	95	....	....	....	860

कंपनी का नाम	बॉड की राशि (करोड़ रुपये में)
फ्यूचर गेमिंग और होटल सर्विसेज	1,368
मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लि.	966
क्विक सप्लाई चेन प्राइवेट लि.	410
वेदांता लिमिटेड	400
हल्दिया एनर्जी लिमिटेड	377
भारती ग्रुप	247
एस्सेल माइनिंग एंड इंडस्ट्रीज लि.	224
वेस्टर्न यूपी पावर ट्रांसमिशन	220
केवेंटर फूडपार्क इन्फ्रा लि.	194
मदनलाल लिमिटेड	185
डीएलएफ ग्रुप	170
यशोदा सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल	162
उत्कल एल्यूमिना इंटरनेशनल	145.3
जिंदल स्टील एंड पावर लि.	123
बिड़ला कार्बन इंडिया	105
रूंगटा संस	100
डॉ रेड्डीज	80
पीरामल एंटरप्राइजेज ग्रुप	60
नवयुग इंजीनियरिंग	55
शिरडी साई इलेक्ट्रिकल्स	40
सिप्ला लिमिटेड	39.2
लक्ष्मी निवास मित्तल	35
ग्रासिम इंडस्ट्रीज	33
जिंदल स्टेनलेस	30
बजाज ऑटो	25
सन फार्मा लैबोरेटरीज	25
मैनकाइंड फार्मा	24
बजाज फाइनेंस	20
मारुति सुजुकी इंडिया	20
अल्ट्राटेक	15
टीवीएस मोटर्स	10
एडलवाइस ग्रुप	04

5911.5 करोड़ के बॉड रद्द हुए : नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद विभिन्न कंपनियों द्वारा खरीदे गए 5911.5 करोड़ रुपये के इलेक्ट्रॉल बांड रद्द किए जा चुके हैं. अगर उच्चतम न्यायालय का फैसला नहीं आता तो इतनी बड़ी राशि राजनीतिक दलों को मिलती और इसका इस्तेमाल लोकसभा चुनाव में होता.

ब्रीफ खबरें

संजय रंजन को पलामू आजसू ने दी बधाई

मेदिनीनगर। पलामू जिला निवासी सेवानिवृत्त डीआईजी संजय रंजन को आजसू पार्टी का केन्द्रीय महासचिव बनाया गया है. केन्द्रीय महासचिव बनने पर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने उन्हें बधाई दी है. आजसू पार्टी के केन्द्रीय सचिव सह गढवा जिला प्रभारी सतीश कुमार ने कहा कि संजय रंजन के अनुभव को हमारी पार्टी झारखंड की जनता के सेवा में उपयोग करेगी. आजसू पार्टी में शामिल होने से हमारे कार्यकर्ताओं में खुशी का संचार हुआ है. बधाई देनेवालों में केन्द्रीय सचिव सतीश कुमार, बिकेश शुक्ला, इम्तियाज अहमद नजमी, बिजय मेहता बबलू गुप्ता, तुलसी शुक्ला, संतन मेहता आदि शामिल हैं.

विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन

मेदिनीनगर। विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस पर बेरोजगार संघर्ष मोर्चा के जिला कार्यालय में एक विचार गोष्ठी आयोजित की गई. कार्यक्रम की अध्यक्षता मोर्चा अध्यक्ष उदय राम व संचालन संजय कुमार ने किया. गोष्ठी में मोर्चा अध्यक्ष श्री राम ने कहा कि विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस प्रतिवर्ष 15 मार्च 1983 से मनाया जाता है. मौके पर कृष्णा राम, संजय प्रसाद, राम नरेश महतो, उपेंद्र तिवारी, जसवंत कुमार, रंजीत कुमार, महेश राम, अरविंद कुमार, संजय तिवारी ने भी अपने विचार व्यक्त किए.

मनिका थाना के नये थाने प्रभारी पदभार ग्रहण किया

लातेहार। जिले के मनिका थाना के नये थाना प्रभारी के रूप में जयप्रकाश शर्मा ने पदभार ग्रहण किया है. उन्होंने पत्रकारों से बातचीत के क्रम में बताया कि थाना क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम करना उनकी पहली प्राथमिकता है. उन्होंने अपराध व उग्रवाद नियंत्रण में पुलिस को सहयोग करने की अपील की. कहा कि सामूहिक सहयोग से ही क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम की जा सकती है. उन्होंने किसी भी समस्या के लिए उन्हें या थाना में आ कर सूचित करने की अपील की. कहा कि मनिका को अपराध व भयमुक्त बनाना है.

डीएसओ ने जनता दरबार में सुनी लोगों की शिकायत

गढ़वा । जिला आपूर्ति पदाधिकारी, राम गोपाल पांडेय ने समाहरणालय के सभा कक्ष में जनता दरबार का आयोजन किया. जनता दरबार में आए फरियादियों की समस्याएं बारी-बारी से सुनी गई एवं समस्याओं के निष्पादन के लिए संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया. जनता दरबार में आवास, राशनकार्ड, भूमि विवाद समेत अन्य समस्याएं लेकर ग्रामीण पहुंचे थे. सबसे पहले गढ़वा प्रखंड के वार्ड संख्या 19 निवासी शिवम कुमार, पिता श्याम जीत महतो ने अपने राशन कार्ड में नाम जुड़वाने के लिए आवेदन दिया.

चार बीपीओ को दिया गया अतिरिक्त प्रभार

लातेहार। डीडीसी सुजीत कुमार सिंह ने जिले के चार बीपीओ को अतिरिक्त प्रखंडों का प्रभार दिया है. चंदवा प्रखंड में पदस्थापित रतन कुमारी को लातेहार प्रखंड का अतिरिक्त प्रभारी बीपीओ बनाया गया है. जबकि मुजफ्फरपुर कमल को बालूमाथ के साथ हेरहंज प्रखंड का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है. सुखदेव साहू को महुआडांड के साथ गारू प्रखंड का अतिरिक्त प्रभार व केतन गुप्ता को बरियातू के साथ मनिका प्रखंड का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है. हालांकि जबकि बरवाडीह व सरयू प्रखंड में किसी तरह की कोई बदलाव नहीं किया गया है.

पलामू प्रमंडल में अकीदत के साथ अदा की गयी माह-ए -रमजान के पहले जुमे की नमाज

सवाब की नीयत से रखें रोजा : मुफ्ती शाहनवाज कासमी

संवाददाता। मेदिनीनगर

रहमतों, बरकतों व मगफिरतों का महीना माह-ए-रमज़ान चल रहा है. शुक्रवार को रमजान के पहले जुमा की नमाज़ सभी मस्जिदों में अदा की गयी.शहर के छह मुहान स्थित जामा मस्जिद, बाजार स्थित चौक बाजार मस्जिद, पहाड़ी मुहल्ला स्थित नूरी मस्जिद, कुंड मुहल्ला स्थित मिल्लत मस्जिद, मुस्लिम नगर स्थित मदीना मस्जिद, अहले हदीस मस्जिद, मोहम्मदिया मस्जिद, शाहपुर स्थित तैबा मस्जिद समेत सभी मस्जिदों में अकीदत के साथ नमाज़-ए-जुमा अदा किया गया. इस मौके पर जामा मस्जिद के इमाम मुफ्ती मोहम्मद शाहनवाज़ कासमी ने

कहा कि रमज़ान का रोज़ा फ़र्ज़ है. जो रमजान में सवाब की नीयत से रोजा रखता है, अल्लाह ताला उसके पिछले गुनाह माफ कर देते हैं. जनाब कासमी ने बताया रमज़ान में सदका करना सबसे ज्यादा सवाब है. रमजान में गरीबों और मिस्कीनों की ज्यादा से ज्यादा मदद करना चाहिए.मुफ्ती मो कासमी ने बताया कि रमजान में रोजा रखने के लिए कामों में कमी ला देनी चाहिए.

तरावीह की नमाज से गुलजार हो रही है फिजा

बालूमाथ, लातेहार । मुस्लिम धर्मावलंबियों के माह–ए–रमज़ान का आगाज होते ही रमजान के मौके पर अदा की जाने वाली विशेष नमाज–ए–तरावीह की शुरुआत हो चुकी है. प्रत्येक वर्ष की तरह इस साल भी बालूमाथ के शहरी क्षेत्र के दर्जनों मस्जिदों और घरों में इस विशेष नमाज–ए–तरावीह उत्साह एवं एहतेमाम के साथ पढ़ी जा रही है. विशेष नमाज़–ए–तरावीह में नमाज के हालत में खड़े होकर पवित्र कुरान को सुनना अहम सुन्नत में शामिल है. लातेहार जिला जमीयत–ए–उलेमा के महासचिव मौलाना अब्दुल वाज़िद चतुर्वेदी ने बताया कि रमजान के चाँद नज़र आने के बाद शुरू होने वाले इस विशेष नमाज़–ए–तरावीह की एक अलग अहमियत है. जिसमे मुसलमान दिन में रोजा रखने के बाद रात की नमाज़ के उपरांत घंटों खड़े होकर अपने रब को राजी करने के लिए नमाज़–ए–तरावीह की नमाज़ अदा करते है. मुस्लिम विद्वान कारी मो अली ने कहा कि तमाम महीनों में रमजान का महीना सबसे अफजल है. अल्लाह इस महीने में अपने बंदों के लिए अजर बढ़ा देता है.

गढ़वा में 62 करोड़ रुपए की लागत से होगा 11 सड़कों का कायाकल्प

विकास की बाढ़ में बह जाएंगे विरोध करने वाले : मिथिलेश

संवाददाता। गढ़वा

गढ़वा विधानसभा क्षेत्र में 62 करोड़ रुपए की लागत से 11 जर्जर सड़कों का कायाकल्प होगा. झारखंड सरकार ग्रामीण कार्य विभाग ने इसकी प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान कर दी है.

मंत्री ठाकुर ने कहा कि ये सभी योजनाएं गढ़वा वासियों के लिए अति महत्वपूर्ण है. इन सड़कों की स्थिति काफी जर्जर एवं बदतर थी. ग्रामीणों को आवागमन में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था. यहां तक कि बरसात के मौसम में स्थिति और भी खराब हो जाती थी. काफी लंबे समय से क्षेत्र के ग्रामीण इन सड़कों के निर्माण की मांग कर रहे थे. मंत्री ने कहा कि उन्होंने ग्रामीणों को पूर्व में इन सड़कों का निर्माण कार्य करने का वादा किया था. वह अब पूरा हो चुका है. मंत्री श्री ठाकुर ने कहा कि वे क्षेत्र की एक-एक समस्या दूर करने के लिए प्रतिबद्ध हैं. उन्होंने जो वादा किया था उसे एक-एक कर पूरा कर रहे हैं. आज संपूर्ण गढ़वा विधानसभा क्षेत्र की स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है. उन्होंने कहा कि अब तक बहुत सारे कार्यों को किया जा चुका है. साथ ही कई योजनाएं अभी पाइप लाइन में हैं. उन्हें भी शीघ्र पूर्ण करने के लिए वे लगातार प्रयासरत हैं. आने वाले समय में गढ़वा का एक-एक गांव, एक-एक बेहतर कनेक्टिविटी से जुड़ेगा. इस दिशा में काफी तेजी से कार्य हो रहा है.

झामुमो गढ़वा प्रखंड कमेटी का किया गया विस्तार

झामुमो गढ़वा प्रखंड कमिटी का विस्तार किया गया है. इसमें कई नए चेहरों को शामिल किया गया है. गढ़वा प्रखंड अध्यक्ष फुजैल अहमद ने शुक्रवार को पार्टी के जिला कार्यालय में बैठक कर सभी नव चयनित पदाधिकारियों को मनोनयन पत्र सौंपा तथा उन्हें माला पहनाकर व मिठाई खिलाकर स्वागत किया. विस्तार किए गए इस कमेटी में बाबर खां, विनय चंद्रवंशी को झामुमो प्रखंड सह सचिव, इफ्तेखार अंसारी को प्रखंड उपाध्यक्ष बनाया गया है. जबकि गढ़वा प्रखंड झामुमो बुद्धिजीवी मोर्चा का विस्तार करते हुए

महाबीर चौधरी को बुद्धिजीवी मोर्चा का प्रखंड अध्यक्ष, विजय पांडेय को सचिव, संजय मिश्रा को उपाध्यक्ष तथा उपेन्द्र चंद्रवंशी को कार्यकारी सदस्य बनाया गया है. मौके पर प्रखंड अध्यक्ष फुजैल अहमद ने कहा कि सभी नवमनोनीत पदाधिकारी काफी ऊर्जावान एवं सक्रिय हैं. इनके नेतृत्व में संगठन को काफी लाभ मिलेगा. मौके पर मुख्य रूप से प्रखंड कार्यकारी अध्यक्ष संजय चंद्रवंशी, सचिव रितेश तिवारी, उपाध्यक्ष वीरेन्द्र तिवारी, अजय कुमार ठाकुर, मीडिया प्रभारी धनंजय पासवान, अखिलेश तिवारी, गुड्डू राम, कमल सिंह आदि उपस्थित थे.

रंका मुखिया सहित कई लोग झामुमो में हुए शामिल

रंका प्रखंड के रंका कला पंचायत के मुखिया राजेश मधेशिया सहित कई लोग भाजपा छोड़कर झारखंड मुक्ति मोर्चा में शामिल हो गए. शुक्रवार को सभी ने गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता व उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर के रांची स्थित आवास पर पार्टी की सदस्यता ग्रहण किया. भाजपा छोड़ कर झामुमो में शामिल होने वालों में

डुमरिया निवासी संजय मिश्रा, गांगी निवासी विजय पांडेय, तिलदाग निवासी उपेन्द्र चंद्रवंशी, शंकर राम आदि का नाम शामिल है. मंत्री श्री ठाकुर ने सभी को पार्टी का पट्टा व माला पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर पार्टी में शामिल कया. मौके पर मंत्री श्री ठाकुर ने कहा कि कार्यकर्ताओं से ही संगठन मजबूत बनता है.

नाबालिग पुत्र ने पिता को डंडा से मारा, मौत

घाघरा । घाघरा में वृद्ध महावीर लोहरा ने अपने पालतू बतख को पैर से कुचल कर मार दिया. बतख को मारने पर पुत्र ने मना किया तो उसे भी पिता ने चाकू लेकर दौड़ाने लगा. गुस्से में नाबालिग पुत्र ने डंडा उठाया और अपने पिता पर ताबड़-तोड़ प्रहार कर दिया. नाबालिग पुत्र के डंडे से हुई पिटाई से पिता महावीर लोहरा की मौत हो गई. घटना गुरुवार रात की है. ग्रामीणों के अनुसार गुरुवार की रात मृतक महावीर लोहरा और उसका नाबालिग पुत्र दोनों शराब के नशे में थे. घटना की सूचना मिलने के बाद थाना प्रभारी तरुण कुमार दलबल के साथ घटनास्थल पहुंचे और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया.

भवनाथपुर में बस के धक्के से वृद्ध घायल

भवनाथपुर। भवनाथपुर-केतार मुख्य पथ पर सिंघिताली गांव के समीप शुक्रवार दोपहर संजीव बस के धक्के से सिंघिताली गांव निवासी रामाश्रय विश्वकर्मा गंभीर रूप से घायल हो गया. वह दोनों आंखों से सूरदास है. स्थानीय ग्रामीण छोटू चंद्रवंशी, बबलू चौबे व रविरंजन चौबे ने घटनास्थल से उठाकर उसे तत्काल इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भवनाथपुर लाया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए चिकित्सको ने सदर अस्पताल गढ़वा रेफर कर दिया. जानकारी के अनुसार सूरदास रामाश्रय विश्वकर्मा दोपहर में गांव के ही जविप्र दुकान से राशन लेकर पैदल ही अपने घर जा रहा था, तभी रास्ता पार करने के दौरान केतार की तरफ जा रही संजीव नामक बस की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गया.

अवैध कब्जा हटायें नहीं तो होगी कार्रवाई : दीपांकर राम

संवाददाता। बरवाडीह/लातेहार

कृषि उत्पादन बाजार समिति, लातेहार के पणन सचिव दीपांकर राम ने गुरुवार को बरवाडीह बाजार के किसान शेड का औचक निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होंने शेड में अवैध कब्जा एवं अतिक्रमण करने वाले लोगों को कड़ी चेतावनी दी. उन्होंने शेड में चौकी और बक्सा रखकर जगह कब्जा करने वालों को वहां से हटाने का निर्देश दिया. कहा कि बाजार के शेड पर किसी भी व्यक्ति का कब्जा नहीं होना चाहिए. यहां हर किसी को दुकान लगाने का मौका मिलना चाहिए. जिसको जहां जगह मिले वह वहां अपनी दुकान लगा सकता है.

पणन सचिव के निर्देश के बाद अतिक्रमणकारियों में हड़कंप

पणन सचिव दीपांकर राम ने कहा कि एक सप्ताह के अंदर अवैध कब्जा नहीं हटाने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी. उन्होंने यह भी कहा कि जिनका बाजार समिति में दुकान आवंटित है वैसे दुकानदार अगर शेड पर भी कब्जा करते है तो उनके दुकानों का आवंटन रद्द कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी. पणन सचिव के निरीक्षण के बाद अतिक्रमणकारी दुकानदारों में हड़कंप मचा हुआ है. पणन सचिव ने बताया कि कई दिनों से यहां के दुकानदारों द्वारा शिकायत मिल रही थी कि उन्हें बाजार शेड में दुकान लगाने नहीं दिया जाता हैं.

डीसी ने 119 शिक्षकों के लंबित वेतन भुगतान के दिए निर्देश

गढ़वा। उपायुक्त शेखर जमुआर ने119 शिक्षकों के लंबित बकाया भुगतान का निर्देश दिया है. डीसी के निर्देश पर पांच मार्च 2024 को डीडीसी की अध्यक्षता में समिति का गठन किया गया था. गठित समिति में कोषागार पदाधिकारी सह लेखा पदाधिकारी, सदस्य, उप निर्वाचन पदाधिकारी, सदस्य, जिला कल्याण पदाधिकारी, सदस्य एवं जिला शिक्षा पदाधिकारी, सदस्य के रूप में थे. गठित समिति ने 119 स्नातक प्रशिक्षित शिक्षकों के योगदान की तिथि से नियुक्ति पत्र प्राप्ति की तिथि तक के अवधि का वेतन भुगतान करने का निर्देश दिया था. तत्कालीन उपायुक्त के निर्देश के आलोक में नौ मार्च 2019 को 119 शिक्षकों का योगदान करा लिया गया था. कुल 119 अभ्यर्थियों ने अपना योगदान नौ मार्च 2019 को समर्पित किया है और नियमित रूप से शिक्षण कार्य तथा निर्वाचन कार्य किया. लेकिन आदर्श आचार संहिता लागू होने के कारण इनकी नियुक्ति पत्र निर्गत नहीं किया जा सका. ऐसी स्थिति में समिति द्वारा नैसर्गिक न्याय के तहत कुल 119 अभ्यर्थियों को वेतन आदि नौ मार्च 2019 की तिथि से निर्गत करने का निर्देश दिया.

गव्य विकास विभाग ने 238 लाभुकों किया चयन : डीसी

संवाददाता। लातेहार

उपायुक्त गरिमा सिंह की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना की स्वीकृति के लिए जिला परियोजना क्रियान्वयन समिति की बैठक हुई. बैठक में आईटीडीए के परियोजना निदेशक प्रवीण कुमार गागराई ने प्रखंड स्तरीय समिति से अनुशंसित लाभुकों की सूची जिला स्तरीय समिति के समक्ष अनुमोदन के लिए पेश किया. उन्होंने समिति को बताया कि सभी प्रखंडों में ग्रामसभा आयोजित कर लक्ष्य के अनुरूप सुयोग्य लाभुकों का चयन किया गया है. बैठक में लाभुकों की प्रखंडवार संकलित सूची की संपूर्ण समीक्षा के बाद समिति के सदस्यों द्वारा पशुपालन व गव्य विकास विभाग के कुल 238 लाभुकों चयन किया गया. उपायुक्त ने लाभुकों के खाता में निर्धारित राशि हस्तांतरित कर समय पर लाभुकों को योजना से लाभान्वित करने का निर्देश दिया.

न्यूज अपडेट

प्रदर्शनी सह जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

बालूमाथ(लातेहार)। पोषण पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का उद्घाटन प्रखंड प्रमुख ममता देवी उपप्रमुख कामेश्वर राम, पर्यवेक्षिका विमला कुमारी व प्रखंड प्रधान लेखाकार राजीव रंजन के द्वारा किया गया. कार्यक्रम के दौरान आंगनबाड़ी सेविका और तेजस्विनी परियोजना से जुड़ी महिला और युवतियों के द्वारा प्रदर्शनी का आयोजन किया गया. तेजस्वनी परियोजना की युवतियों ने रंगोली के माध्यम से लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया.

हाईवा के धक्के से युवक घायल, रिम्स रेफर

बालूमाथ(लातेहार)। थाना क्षेत्र के बनियों विद्यालय के समीप एक अज्ञात हाईवा वाहन की चपेट में आने से एक बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया. जानकारी के अनुसार बालूमाथ के टमटमटोला निवासी गौतम कुमार रजक (30) बाइक से अपने घर टमटमटोला लौट रहा था. इसी दौरान तेज रफ्तार से आ रही एक हाईवा वाहन ने उसे अपनी चपेट में ले लिया. इसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया. स्थानीय लोगों के द्वारा उसे बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया. यहां चिकित्सक आलिशा टोप्पो ने उसका प्राथमिक उपचार किया. युवक की स्थिति को गंभीर देखते हुए बेहतर उपचार के लिए रांची के रिम्स रेफर कर दिया गया. चिकित्सक ने बताया कि घायल युवक के सिर समेत शरीर के कई अंगों में गंभीर और आंतरिक चोटें आई है.

जनता दरबार में डीसी ने सुनी लोगों की फरियाद

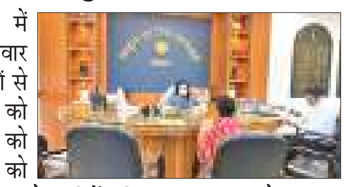

लातेहार। जनता दरबार में उपायुक्त गरिमा सिंह ने शुक्रवार को जिले के विभिन्न प्रखंडों से आये ग्रामीणों की समस्याओं को सुना. उन्होंने आवेदनों को संबंधित पदाधिकारियों को अग्रसारित कर शीघ्र समाधान करने का निर्देश दिया.जनता दरबार में कुल 22 आवेदन प्राप्त हुए. इनमें से अधिक अबुआ आवास के लाभुक चयन में गड़बड़ी के थे. इसके अलावा वज्रपात में हुई क्षति का मुआवजा देने व नियोजन से संबंधित आवेदन प्राप्त किये गये. उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को जनता दरबार में आये आवेदनों को प्राथमिकता के आधार पर पूरी संवेदनशीलता के साथ निष्पादित करने का निर्देश दिया. उन्होंने कहा कि जनता दरबार में ग्रामीण काफी उम्मीदें ले कर आते हैं, ऐसे में उनके भरोसे पर खरा उतरना प्रशासन की जवाबदेही है.आवेदकों को भी संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि उनकी समस्याओं को दूर करना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है. जिला प्रशासन विधि सम्मत हर समस्याओं को दूर करने का प्रयास करेगा.

सदर अस्पताल गुमला में सीटी स्कैन व एक्सरे शुरू

गुमला । सदर अस्पताल गुमला में सीटी स्कैन एवं डिजिटल एक्सरे की सुविधा शुक्रवार से बहाल हो गई. टाटा स्टील फाउंडेशन से प्रदत्त सीटी स्कैन और डिजिटल एक्सरे का विधायक भूषण तिर्की ने उद्घाटन किया. कहा कि सीटी स्कैन गुमला की जरूरत थी. लोगों के बेहतर स्वास्थ्य सुविधा के लिए जिला प्रशासन का पहल रंग लाया. सिविल सर्जन डा.राजू कच्छप ने कहा कि गुमला दुर्घटना जोन है. सिर पर चोट की शिकायतें काफी अधिक आती है. सीटी स्कैन आपरेट के लिए हेल्थ मैप एजेंसी ने राज्य सरकार से एग्रीमेंट किया है. गरीबों का निःशुल्क और सरकारी दर पर अस्पताल परिसर में ही सीटी स्कैन होगा. इस अवसर पर टाटा फांउडेशन के अनूप भटनागर ने भी अपने विचार व्यक्त किए. डीपीएम जया रेशमा खाखा ने मंच संचालन किया और डीएस डा.अनुपम किशोर ने धन्यवाद ज्ञापन किया.

पांकी के मजदूर की जम्मू में मौत,गांव में पसरा मातम

पांकी पलामू) । पांकी प्रखंड के होटाई पंचायत के सोंस निवासी प्रवासी मजदूर हलधर भुईयां की जम्मू कश्मीर में मौत हो गयी. गुरुवार दोपहर हलधर भुईयां का शव सोंस गांव पहुंचा. शव पहुंचने के बाद परिजनों ने हत्या की आशंका जतायी है. साथ ही पांकी थाना में लिखित आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है. आवेदन में हलधर भुईयां के बेटे सुनील भुईया ने बताया कि उनके पिता हलधर भुईया (55 वर्ष) को लगभग 2 महीने पहले सकलदीपा ग्राम निवासी जावेद अंसारी मजदूरी के लिए जम्मू कश्मीर ले गया था. ठेकेदार जावेद अंसारी ने उसके पिता की मौत की सूचना दी. जावेद अंसारी गुरुवार को हलधर भुईया का शव उनके दरवाजे पर फेंककर चला गया.

17 मार्च को पंचमुखी हनुमान मंदिर का आठवां वार्षिकोत्सव

लातेहार । शहर के रेलवे स्टेशन रोड के राहार मोड़ के पास स्थित शिव-पार्वती सह पंचमुखी हनुमान मंदिर का आठवां वार्षिकोत्सव 17 मार्च को कलश यात्रा के साथ शुरू होगा. तीन दिवसीय अनुष्ठान को लेकर मंदिर समिति तैयारी में जुटी हुई है. मंदिर समिति के अध्यक्ष चंद्रेश्वर प्रसाद शौंडिक उर्फ चामू साव ने बताया कि आयोजन को लेकर तैयारियां अब अंतिम चरण में है. कलश यात्रा में भाग लेने के लिए लाउडस्पीकर से प्रचार प्रसार किया जा रहा है.

तैयारी — लोकसभा चुनाव को लेकर पलामू में प्रशासनिक सरगर्मी बढ़ी

लोकसभा चुनाव को लेकर पूरी तरह तैयार पलामू जिला प्रशासन

खास बातें

- प्रशासन ने मतदाता सूची का काम फाइनल कर लिया है
- अंतरराज्यीय सीमाओं पर रखी जा रही है खास नजर

संजीत यादव। मेदिनीनगर

आम चुनाव के दौरान किसी प्रकार की गड़बड़ी न हो इसके लिए पलामू जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन ने अपनी तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया है. एक तरफ जहां जिला प्रशासन ने मतदाता सूची का काम फाइनल कर लिया है, वहीं पलामू पुलिस ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अंतरराज्यीय सीमा पर खास नजर रख रही है.

आयोग के अनुरूप पूरी तैयारी कर ली है: डीसी

चुनावी तैयारियों पर पलामू के डीसी शशि रंजन ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग से मिल रहे दिशा निर्देश के अनुरूप हम ने पूरी तैयारी कर ली है. उन्होंने बताया कि सिक्योरिटी पॉइंट को देखते हुए इंटर चेक पोस्ट, जिला चेक पोस्ट और फॉरेस्ट चेक पोस्ट में पुलिस बल और मजिस्ट्रेट की तैनाती कर दी गई हैं. चुनाव को लेकर असामाजिक तत्वों के खिलाफ कठोर कार्रवाई का निर्देश दिए गये हैं .उन्होंने बताया कि बड़े पैमाने पर महिला और युवा मतदाताओं को जोड़ा गया है. लोकतंत्र के इस महापर्व में लोग बढ़ -चढ़कर हिस्सा लें, इसके लिए जन जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है.

जिले के सभी आठ चेकपोस्ट पर सुरक्षा तगड़ी: एसपी

पलामू पुलिस अधीक्षक रिष्मा रमेशन ने बताया कि जिले से लगने वाली सभी आठ चेकपोस्ट बनाकर मुस्तैदी के साथ जांच अभियान चलाया जा रहा है. हरिहरगंज और हुसैनाबाद के इंटरस्टेट चेकपोस्ट पर पुलिस तैनाती कर दी गई है. जगह–जगह पर छापेमारी की जा रही हैं. पुलिस ने 400 लीटर स्प्रिट भी बरामद किया हैं. पलामू पुलिस ने हुसैनाबाद, हरिहरगंज और नौडीहा बाजार के इलाके में छापामारी अभियान भी चल रही है ताकि अवैध कारोबार को रोका जाए. उन्होंने बताया कि मतदान केंद्र कें में कितना सुविधा है इसकी भी पुलिस प्रशासन जांच कर रही है. ताकि किसी प्रकार का लोकसभा के चुनाव में मतदाता को किसी प्रकार का कोई दिक्कत ना हो. उन्होंने बताया कि नक्सली क्षेत्र और सेंसिटिव मतदान केंद्र पर सीआरपीएफ, आईआरबी और जैप के जवानों की तैनाती की जाएगी.

AFFIDAVIT

Before,
THE NOTARY PUBLIC,
RANCHI

I SAMIYA TOPPO, W/O- Vishal Toppo, resident of Behind X-RAY Kiran Khijuria Toli, Bariatu Road, Ranchi, P.O.- Bariatu, P.S.- Bariatu, Dist.- Ranchi (Jharkhand) 834009, do hereby solemnly affirm and declare as under :

1. That, I am an Indian Citizen by birth and residing on the above mentioned-address.
2. That, I have obtained my AADHAAR CARD No. (488643486224) in which my name is written as SANCHARIYA TOPPO.
3. That, In RATION CARD my name is written as SAMIYA TOPPO.
4. That, now I want to change my original name in my issued AADHAAR CARD, hence this affidavit.
5. That, I am known to all by name as SAMIYA TOPPO and SANCHARIYA TOPPO and now from today I will be known to my name as SAMIYA TOPPO.
6. That my actual Date of Birth is 12-11-1974.
7. That, all the facts or information given by me above are correct, if found wrong then all the responsibility will be mine.

Aff. No. 633/21-02-24

AFFIDAVIT

Before,
THE NOTARY PUBLIC
RANCHI

I, JOSEPHA TOPPO (age about 72 years), D/O MARCUS TOPPO, presently residing at H.No,.- 1695/L 1 St. Anne's Convent, Harmu Basti, Harmu, Ranchi, P.S.- Argora, Dist- Ranchi (Jharkhand) 834002, do hereby solemnly affirm and declare as under :

1. That, I am an Indian Citizen by birth and residing on the above mentioned address.
2. That, I have obtained my Aadhar Card No.-6779 3820 1059 in which my nameis written as SISTER NELLY TOPPO.
3. That, In my all educational documents the name mentioned is as JOSEPHA| TOPPO.
4. That, I want to change my present name with the Original name which is mentioned in my all educational documents.
5. That, I am known to all by the name as SISTER NELLY TOPPO which is my present Identity but from today onwards I want to known as JOSEPHA TOPPO which is my Original name.
6. That these statements made herein above are true and correct to the best of my Knowledge, information and belief.

Aff. No. 125/15-03-24

AFFIDAVIT

Before,
Notary
Daltonganj, Palamau
Joined Affidavit for change Date of Birth Kriti Raj

We, Sanjay Kumar (Father) S/0 Sri Laldeo Yadav and Pramila Kumari (Mother) wife of Sri Sanjay Kumar, resident of villege- cheri, P.0, Dabra, PS. Lesliganj, District- Palamau, State- Jharkhand.
We solemnly state and affirm that :

1. Kriti Raj (Name of Child) is studying in your school and at the time of admission, in admission form, the date of birth of the child was wrongly mentioned as 06.03.2011 (Date of birth given at the time of admission).
2. We have now corrected the mistake in the records of 06.03.2011 (Issuing body) and in support we have supplied a copy of birth certificate number B-2023/20-02547-000044 dt/ 21/12/2023 which was updated on 06.03.2012 (Date of issues of correct date of birth).
3. The Gram Panchayat Dabra, Lesliganj, Palamau (Issuing Officer) has also approved the same vide his order in writing on 06.03.2012 (Date of Issues of correct date of birth).
4. The statement is correct and true to our knowledge and nothing material has been concealed. We shall identify the school in case of any statement made by us is found to be false or incorred.
5. We verify the conants above.

Aff. No. 2541/11-03-24

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | शनिवार 16 मार्च 2024 ● फाल्गुन शुक्ल पक्ष 06, संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ● वर्ष : 1, अंक : 328 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

बरही में दो, नगवा टोल प्लाजा और पेलावाल के रोमी में कुल पांच बसें जब्त, होटल कोहिनूर में 200 से अधिक परीक्षार्थियों से पुलिस कर रही पूछताछ

बिहार टेट परीक्षा में शामिल होने के लिए हजारीबाग में रुके 300 परीक्षार्थी पुलिस हिरासत में

प्रमोद उपाध्याय। हजारीबाग

बिहार में शुक्रवार 15 मार्च को हुई टेट परीक्षा को लेकर हजारीबाग एक होटल में रुके 300 से अधिक परीक्षार्थियों को पुलिस ने हिरासत में लिया है. होटल कोहिनूर के अलावा बरही और नगवा सिंदूर में भी तीन अन्य बसों को रोका गया है, जिसमें लोग परीक्षा देने जा रहे थे. पूरा मामला टेट परीक्षा प्रश्नपत्र लीक से जुड़ा बताया जा रहा है. हालांकि इस मामले में पुलिस का कोई भी पदाधिकारी कुछ भी बोलने से इन्कार कर रहा है. बताया जाता है कि ये सभी छात्र बिहार में आयोजित परीक्षा में हिस्सा लेने के लिए जा रहे थे. तभी हजारीबाग पुलिस को इस बात की भनक लग गयी और उसने छात्रों को रोक लिया. रोमी में प्रशासन ने दो गाड़ी में विद्यार्थियों को रोक लिया. कुछ गाड़ियां नगवां टोल प्लाजा के पास रोकी गयीं. हिरासत में लिए गए परीक्षार्थियों से पुलिस गोपनीय जगह में पूछताछ की जा रही है.

जानकारी के अनुसार टेट परीक्षा में शुक्रवार सुबह लोग होटल से निकल कर छात्र जाते, उससे पहले पुलिस को भनक लग गई. परीक्षा में शामिल होनेवाले छात्रों को हजारीबाग लाया गया था. यह बताया जा रहा है कि प्रश्न पत्र छात्रों को उपलब्ध कराने के बाद पिछले दो दिनों से पढ़ाया जा रहा था. शुक्रवार को छात्र अलग-अलग बस से परीक्षा स्थल के लिए रवाना हुए थे. इसी दौरान पुलिस को इनपुट मिला, जिस आधार पर ये ऑपरेशन चलाया गया. सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इनमें से किसी के परीक्षार्थियों के पास उसका मोबाइल नहीं है. इससे इस बात की पुष्टि हो रही है की अंतरराज्यीय गिरोह इन्हें ऑपरेट कर रहा है. इसलिए इनका मोबाइल जब्त किया गया होगा. इन छात्रों से सदर एसडीपीओ पूछताछ कर रहे हैं.

हजारीबाग एसडीपीओ कर रहे परीक्षार्थियों से पूछताछ

मामला संवेदनशील, पुलिस कर रही मामले की जांच: एसपी

मामला काफी संवेदनशील बताया जा रहा है. इस कारण भी पदाधिकारी कुछ कहने से बच रहे हैं. सुरक्षा के दृष्टिकोण से अतिरिक्त बल भी तैनात किया गया है. शुक्रवार को 9 बजे महिला पुलिस को भी होटल कोहिनूर में भेजा गया. सूत्रों के अनुसार 50 से अधिक महिलाएं और लड़कियां भी हैं. पुलिस ने सुरक्षा की दृष्टि से होटल के समीप बज्र वाहन भी खड़ा कर रखा है. किसी भी व्यक्ति को होटल में जाने की इजाजत भी नहीं दी जा रही. हजारीबाग एसपी अरविंद कुमार सिंह ने फोन पर यह जानकारी दी कि छात्रों से पूछताछ की जा रही है. पूरा मामला प्रश्न पत्र लीक से जुड़ा हुआ है. अब यह जांच का विषय है कि जो प्रश्न पत्र छात्रों से बरामद किया गया है, वह प्रश्न क्या परीक्षा में आया था या नहीं. इसे लेकर बिहार पुलिस से भी संपर्क स्थापित किया जा रहा है.

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इटखोरी में मां भद्रकाली की पूजा-अर्चना की, कहा-

झारखंड से मेरा आत्मीय रिश्ता

संवाददाता। इटखोरी (चतरा)

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शुक्रवार को माता भद्रकाली मंदिर पहुंचे. यहां उन्होंने पूजा-अर्चना की और माता को चुनरी भेंट की. उन्होंने मंदिर परिसर में रुद्राक्ष का पौधरोपण किया. इसके बाद उन्होंने चतरा संसदीय क्षेत्र स्तरीय बूथ कार्यकर्ता सम्मेलन में भाग लिया. यहां भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं के द्वारा माल्यार्पण कर उनका जोरदार स्वागत किया गया. अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि झारखंड से उनका आत्मीय रिश्ता है. उनकी पत्नी झारखंड की हैं. भाषण के दौरान उन्होंने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा. कहा कि कांग्रेस की सरकार में जितने भी मंत्री रहे, सबों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे. लेकिन भाजपा के किसी भी मंत्री पर एक भी भ्रष्टाचार के आरोप नहीं लगे. उन्होंने कहा कि आज पूरा विश्व भारत की ओर देख रहा है.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में जितने भी विकास कार्य हुए वह रूकने वाला नहीं है. पहले भारत को अंतरराष्ट्रीय मंचों में बोलने का मौका नहीं दिया जाता था. लेकिन आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सबसे पहले मंच पर मौका दिया जाता है. आगे कहा कि संगठन सर्वोपरी होता है. संगठन का जो भी निर्णय होता है, उसे स्वीकार करना चाहिए. आगे कहा कि झारखंड एक संपन्न राज्य है. लेकिन यहां के मुख्यमंत्री पुलिस के डर से दो दिन गायब रहे. आज जेल में हैं. झारखंड के राज्यसभा सांसद के घर में छापेमारी के इतने रुपये मिलते हैं कि मशीनों से गिनने में भी कई दिन लग जाते हैं. पूर्व की रघुवर सरकार ने माता भद्रकाली मंदिर विकास के लिए 500 करोड़ रुपए दिए थे. लेकिन इस सरकार ने कार्य होने से रोक दिया. भाजपा सरकार जो बोलती है वह करके दिखाती है. नरेंद्र मोदी की सरकार ने 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर किया. हमारी सरकार ने महिलाओं के सम्मान के लिए घर-घर शौचालय व रसोई गैस उपलब्ध कराया. आयुष्मान कार्ड मुहैया कराकर गरीबों को 5 लाख तक मुक्त इलाज की व्यवस्था की है. मौके पर चतरा सांसद सुनील कुमार सिंह, सिमरिया विधायक किसुन कुमार दास समेत कई भाजपा नेता मौजूद थे. हालांकि जब सांसद सुनील सिंह ने भाषण शुरू किया तो कई लोगों ने विरोध शुरू कर दिया. सांसद को माइक मिलते ही कार्यकर्ता गुस्सा हो गये.

सभा में सुनील सिंह वापस जाओ, निकम्मा सांसद नहीं चाहिए के नारे लगे

ईटखोरी में शुक्रवार को केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का कार्यक्रम था. राजनाथ सिंह की सभा में सांसद सुनील सिंह को कार्यकर्ताओं और आमजनों के भारी विरोध का सामना करना पड़ा. राजनाथ सिंह के सामने ही सुनील सिंह वापस जाओ, निकम्मा सांसद नहीं चाहिए समेत कई नारे लगे. सांसद सुनील सिंह के खिलाफ लोगों में इतना आक्रोश था कि लोग कुछ भी सुनने को तैयार नहीं थे. इस दौरान सुनील सिंह के समर्थकों और भाजपा कार्यकर्ताओं में झड़प हो गई. धक्का-मुक्की की तस्वीरें भी सामने आई है. हालांकि सुनील सिंह के समर्थकों ने इसे विरोधियों की एक साजिश करार दिया है. समर्थकों ने कहा कि सांसद प्रत्याशी की दौड़ में शामिल अन्य लोगों ने ऐसा करवाया है. सूत्र बताते हैं कि केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह का यह कार्यक्रम इसीलिए तय किया गया था कि लोगों को यह लगे चतरा में सुनील सिंह के लिए सककुछ ठीक-ठाक चल रहा है. लोगों का कहना है कि सांसद सुनील सिंह इस कार्यक्रम के माध्यम से यह बताना चाहते हैं कि भाजपा के शीर्ष लॉबी में उनकी पकड़ सबसे अधिक मजबूत है. मगर भारी विरोध के कारण सुनील सिंह को टिकट मिलना मुश्किल ही लग रहा है.

कई स्तर पर तैयार की गयी है ग्रांउड रिपोर्ट : सांसद का टिकट देने से पहले भाजपा संगठन ने कई स्तर पर रिपोर्ट कार्ड तैयार किया है. इसमें आरएसएस का भी फीडबैक शामिल है. इसके अलावा जनता से नाम एप्प पर फीडबैक ली गयी है. जनता से सांसद को लेकर सवाल भी पूछे गये हैं. सांसद के दो साल के कार्यकाल का रिपोर्ट कार्ड खंगाला गया है. राज्य के चुनाव समिति एवं मंत्रियों के दौरे की रिपोर्ट भी ली गयी है. सब कुछ ठीक रहने के बाद ही सांसद को रिपिट किया जा रहा है. सांसद सुनील सिंह इसमें कहां तक खरे उतर पाये हैं यह तो संगठन ही बता सकता है. लेकिन चतरा संसदीय क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी के नाम की घोषणा अब तक नहीं होने से कयास लगाया जा रहा है कि सांसद सुनील सिंह के लिए सब कुछ ठीक नहीं है.

केंद्र सरकार झारखंड से करती रही है भेदभाव : चंपाई सोरेन

मुख्यमंत्री ने पोटका में डिग्री कॉलेज निर्माण का किया शिलान्यास

संवाददाता। मुसाबनी

पोटका प्रखंड कार्यालय मैदान में शुक्रवार को सीएम चंपाई सोरेन ने डिग्री कॉलेज निर्माण कार्य का शिलान्यास किया. सभा में उन्होंने कहा कि पोटका में डिग्री कॉलेज बनने से गांव के बच्चे घर के पास पढ़ सकेंगे. आदिवासी, मूलवासी, दलित, पिछड़े और गरीबों के बच्चों को उच्च शिक्षा प्राप्त होगी. उच्च शिक्षा प्राप्त कर ही झारखंडी बच्चे आगे बढ़ पाएंगे. उन्होंने कहा कि पोटका में सोना और यूरेनियम जैसी धातु निकलती हैं. झारखंड बनने के 24 वर्ष बाद भी राज्य अपेक्षित विकास नहीं कर पाया. सीएम ने इसके लिए भाजपा को दोषी ठहराया. उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार झारखंड के साथ भेदभाव करती है. हमारे हक का आवास नहीं दिया. इसलिए हेमंत सोरेन ने अबुआ आवास योजना शुरू की. राज्य के 3 लाख वंचित लोगों को तीन कमरों का आवास दिया जाएगा. समारोह में पोटका के विधायक संजीव सरदार भी मौजूद थे. पोटका में 39.94 करोड़ की लागत से डिग्री कॉलेज बनेगा. इस योजना के साथ 129 करोड़ की अन्य योजनाओं का शिलान्यास रिमोट दबा कर मुख्यमंत्री ने किया. समारोह में लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का भी वितरण किया गया.

विधायक संजीव सरदार ने कहा कि पोटका में डिग्री कॉलेज की मांग वर्षों पुरानी थी. यहां के बच्चे डिग्री कॉलेज नहीं होने से उच्च शिक्षा से वंचित रह जाते थे. माड़ भात और मुढ़ी खाकर भी बच्चे पढ़ाई कर पाएंगे. विधायक ने कहा कि पोटका विधानसभा क्षेत्र के विकास में डिग्री कॉलेज मील का पत्थर साबित होगा. साथ ही गुरुजी क्रेडिट कार्ड के माध्यम से पढ़ाई की हर आवश्यकता पूरी की जाएगी. शिलान्यास कार्यक्रम की शुरुआत मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन और विधायक संजीव सरदार ने द्वीप प्रज्ज्वलित कर किया. जिले के डीसी अनन्य मित्तल ने मुख्यमंत्री का स्वागत पौधा देकर किया.

- लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का भी वितरण किया गया
- माड़ भात खाकर भी कर सकेंगे बच्चे पढ़ाई : संजीव सरदार

प्रकृति पर्व बाहा आदिवासी परंपरा व संस्कृति का परिचायक है: सीएम

बाहा पर्व में चंपाई ने पैतृक गांव में की पूजा, राज्यवासियों को दी शुभकामनाएं

आदित्यपुर। सीएम चंपाई सोरेन शुक्रवार को सरायकेला के गम्हरिया प्रखंड अंतर्गत अपने पैतृक गांव झिलिंगगोडा पहुंचे. सीएम ने कई कार्यक्रमों में शिरकत की. मुख्य रूप से सीएम ने जाहेर थान में पूजा कर बाहा पर्व में शामिल हुए. इसके बाद सीएम का काफिला कुलुडीह पहुंचा, जहां नवनिर्मित जाहेरथान का फीता काट कर उद्घाटन किया. मौके पर आदिवासी पारंपरिक वेशभूषा में ग्रामीणों ने सीएम का स्वागत किया. यहां चंपाई सोरेन ने आदिवासी पारंपरिक परिधान धारण कर प्रकृति पर्व बाहा बोंगा में पूजा अर्चना की. इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रकृति पर्व बाहा आदिवासी परंपरा संस्कृति का परिचायक है. प्रतिवर्ष इस पूजा का आयोजन कर हम अपने आराध्य के समक्ष आशीष मांगते हैं, और नए कार्य की शुरुआत करते हैं. इस मौके पर मुख्यमंत्री ने समस्त राज्य के लोगों को बाहा पर्व की शुभकामना दी. मुख्यमंत्री के अगुवाई में मुख्य रूप से सचिव अरवा राजकमल, कोल्हान प्रमंडल के आयुक्त हरि कुमार केसरी, सरायकेला जिला उपयुक्त रवि शंकर शुक्ला, सरायकेला पुलिस अधीक्षक समेत तमाम अधिकारी मौजूद रहे.

एसएसबी जवान के घर से 17 लाख की चोरी

संवाददाता। मेदिनीनगर

- पूरा परिवार गया था पटना सूरज से मिलने के लिए

बैंक कॉलोनी क्षेत्र में सीमा सुरक्षा बल के जवान सूरज सिंह के घर से 15 लाख के आभूषण और दो लाख नकद की चोरी हो गई. फिलहाल सूरज सिंह पटना में तैनात हैं. परिवार के सदस्य एक सप्ताह पूर्व सूरज से मिलने पटना गये थे. परिजन जब शुक्रवार को घर पहुंचे, तो देखा ताला टूटा हुआ है और घर में रखे आभूषण और नकदी गायब हैं. परिजनों व स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी. सूचना मिलने पर टीओपी तीन के प्रभारी और अन्य जवान मौके पर पहुंच कर छानबीन में जुट गए. एसएसबी जवान की मां किरण ने बताया कि घर में रखे 15 लाख के आभूषण और दो लाख रुपए नकद चोरी हो गये हैं. आभूषण पुश्तैनी थे. शहर थाना प्रभारी देवव्रत पोद्दार ने बताया कि पुलिस चोरी की घटना की जांच कर रही है. चोरों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है.

जल संकट को लेकर भूलीवासियों का धरना

संवाददाता। धनबाद

- नगर निगम के खिलाफ जमकर नारेबाजी

श्रमिक नगरी भूली में पानी की घोर समस्या है. इसे लेकर लोगों में नगर निगम के प्रति आक्रोश है. जल संकट को ले भूली वासियों ने शुक्रवार को नागरिक संघर्ष मोर्चा के बैनर तले रणधीर वर्मा चौक पर धरना दिया. इस दौरान लोगों ने निगम के खिलाफ नारेबाजी भी की. धरने का नेतृत्व कर रहे मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष डॉ. बालेश्वर प्रसाद कुशवाहा ने कहा कि पांच वर्षो से धनबाद नगर निगम के अधिकारी भूली वासियों को ठगने का काम कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि धनबाद वासियों को जलापूर्ति के लिए करोड़ों रुपए की लागत से मैथन जलापूर्ति योजना का शुभारंभ किया गया. जलापूर्ति के लिए पाइप लाइन भी बिछायी गई है. यही नहीं दो बड़ी बड़ी जल मीनार भी खड़ी की गई. बावजूद इसके आज तक भूली वासियों को एक बूंद भी पानी की आपूर्ति नहीं की गई.

सुरापान | दुकानों में डिमांड के हिसाब से ओवर स्टॉक, शौकीन 10 दिन पहले से ही घरों में करने लगे स्टॉक

होली में 10 करोड़ की शराब गटक जाएंगे कोयलांचल के शौकीन

रंजीत कुमार। धनबाद

कोयलांचल के शौकीन इस बार होली में 10 करोड़ की शराब गटक जाएंगे. ये अनुमान उत्पाद विभाग के अधिकारी ही लगा रहे हैं. जिले में 142 सरकारी शराब की दुकानें हैं. जिसमें पिछले साल की अपेक्षा अधिक स्टॉक रखा जा रहा है. पिछले साल 8 करोड़ 50 लाख की शराब बिकी थी. इस बार भी लक्ष्य से अधिक बिक्री होगी.

डिमांड के हिसाब से ब्रांडेड विदेशी शराब की खेप मंगायी गयी है. नकली शराब कारोबारियों पर नकेल कसने के लिए विभाग छापेमारी कर रहा है. भले ही होली 25 को हैं, लेकिन खुमार चढ़ गया है. शौकीन पहले से ही स्टॉक जमा करने लगे हैं. होली के दौरान मनचाही ब्रांड नहीं मिलती. हीरापुर, बैंकमोड़, सरायढेला, बरटांड़ से लेकर बाघमारा, झरिया, कतरास इलाकों में शराब की दुकानें हैं, जहां शराब की बिक्री तेजी पकड़ लेती है.

होली के दिन बंद रहेंगी दुकानें, 25 मार्च को ड्राई डे

25 मार्च को ड्राई डे रहेगा. इस दिन दुकानें नहीं खुलेंगी. अभी फिलहाल रोजाना औसतन एक करोड़ की शराब बिक रही है. शराब के शौकीन दोस्तों और रिश्तेदारों के साथ होलिका दहन से लेकर होली के दिन तक शराब पीते हैं. क्लब, रेस्टोरेंट और होटलों में भी जम कर शराब लुत्फ उठाते हैं. सबसे अधिक भीड़ होली के एक दिन पहले होलिका दहन के दिन होती है. दुकानों में शराब खरीदने को लेकर कई जगह लोग आपस में भिड़ भी जाते हैं. भीड़ को काबू में करने और मारपीट की घटना को रोकने के लिए उत्पाद विभाग के अधिकारियों व जवानों की टीम भी रहती है. ज्यादा बिकने वाले ब्रांड और लेटेस्ट ब्रांड को तवज्जो दी जा रही है. सिग्नेचर, रॉयल चैलेंज, रॉयल स्टेग. इंपीरियल ब्लू, ब्लैक डॉग, टीचर्स फिफ्टी, 100 पाइपर्स, रेड लेबल, जॉनी वाकर, ब्लैक लेबल, एंटीक्विटी आदि की बिक्री इन दिनों अधिक है. बियर में किंग फिसर, टूबोर्ग, ठंडरबोल्ड, गॉड फादर की डिमांड बढ़ गई है.

अवैध कारोबारियों और होटलों में भी पहुंची नकली शराब : अवैध कारोबारियों और होटलों में भी नकली शराब की खेप पहुंच चुकी है. अवैध कारोबारियों ने भी होली पर शराब बेचने की तैयारी की है. होटलों व फुटपाथ पर बने दुकानों के अलावा छोटे होटलों और ढाबों तक में नकली शराब पहुंचा दी गई है. उत्पाद विभाग मानता है कि होली के दिन ड्राई डे होने के कारण होटलों व फुटपाथ की दुकानों में अवैध रूप से शराब बिक्री की संभावना है. अवैध शराब बिक्री रोकने के लिए टीम गठित कर दी गई है. सूचना मिलने पर टीम छापेमारी होगी.

होली में नकली और मिलावटी शराब का सेवन खतरनाक

होली में अवैध फैक्ट्रियों में बनाए जा रहे मिलावटी न नकली शराब को भी बाजार में खपाने की तैयारी है. कई जगहों पर नकल व मिलावटी शराब बिक भी रही है. गत दिनों उत्पाद विभाग और जिला पुलिस की टीम ने छापेमारी कर कई इलाकों से भारी मात्रा में मिलावटी शराब जब्त की है. स्टेशनों व ट्रेनों से भी नकली शराब की खेप पकड़ी गई थी. जिसे तस्करी कर बिहार भेजा जा रहा था. कई अवैध मिनी फैक्ट्रियों को भी सील किया गया है. उत्पाद विभाग अधिकारियों का कहना है कि अवैध फैक्ट्रियों में शराब के नाम पर जहर बनता है. यहां बनने वाले शराब इतने खतरनाक होते हैं कि पीने वालों की जान तक जा सकती है. निर्माण में जहरीली स्प्रिट और इथाइल की जगह मिथाइल अल्कोहल का इस्तेमाल किया जाता है.

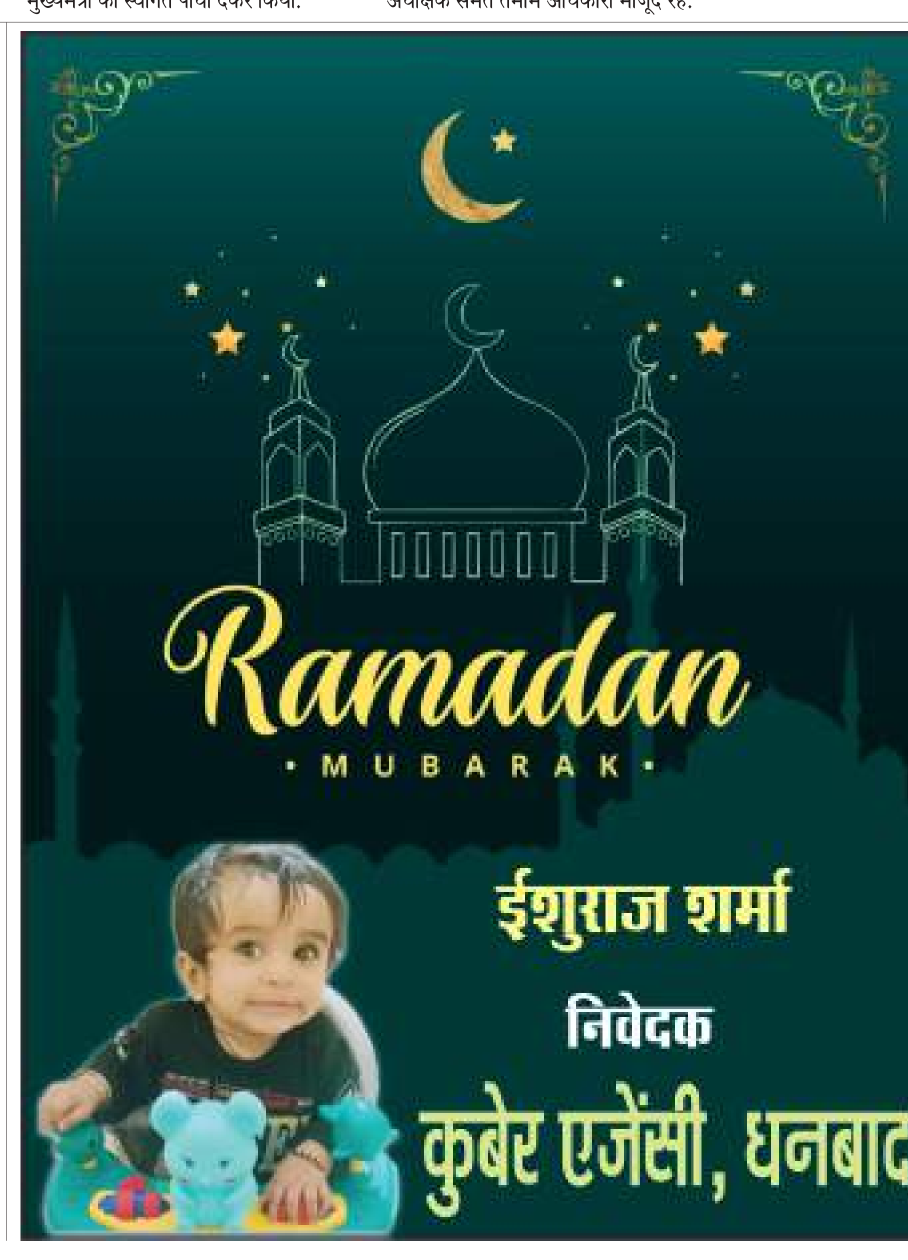

अभाविप आनंदा महाविद्यालय इकाई का हुआ पुनर्गठन, इकाई अध्यक्ष करण व इकाई मंत्री सचिन मेहता बने

अभाविप सदैव छात्र हित में कार्य करती है : मंदीप यादव

संवाददाता। हजारीबाग

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) आनंदा महाविद्यालय इकाई का पुनर्गठन किया गया. कार्यक्रम में उपस्थित सोनू राय ने विषय प्रवेश करवाया. साथ ही संगठन के बारे में विस्तार से चर्चा की. जिला सह संयोजक मंदीप यादव ने कहा विद्यार्थी परिषद सदैव छात्र हित में कार्य करती रहती है.

परिषद विश्वविद्यालय कैंपस में छात्र-छात्राओं के अंदर राष्ट्रवाद की विचारधारा उत्पन्न करने का काम करती है. नगर मंत्री रुद्र राज ने पुरानी कार्यकारिणी को भंग कर नई कार्यकारिणी की घोषणा की. इसमें महाविद्यालय इकाई अध्यक्ष कारण कुमार, उपाध्यक्ष ऋषि कुमार, शुभांगी कुमारी, वंश कुमार, महाविद्यालय इकाई मंत्री सचिन मेहता, सह मंत्री अमन कुमार, हर्ष राज, विशाल कुमार, एसएफडी प्रमुख आदर्श कुमार, सह प्रमुख यशु कुमार, एसएफएस प्रमुख अमन पाठक, सह प्रमुख सचिन यादव, छात्रा प्रमुख निधि कुमारी, सह प्रमुख श्रृष्टि कुमारी, सोशल मीडिया प्रमुख विपुल तिवारी, सह प्रमुख हर्ष कुमार, बीबीए प्रमुख श्रेया कुमारी, सह प्रमुख निशु कुमारी, प्लस टू प्रमुख खुशी कुमारी, सह प्रमुख सुप्रिया कुमारी, बारवी कॉमर्स प्रमुख मनीष यादव, कॉलेज कार्यकारिणी सदस्य सृष्टि कुमारी, लोकेश कुमार, उत्सव संजना कुमारी, चंदन यादव, हिमेश बक्शी, विशाल गुप्ता और पिंटु यादव शामिल हैं. प्रदेश सह मंत्री रितेश यादव ने सभी नई कार्यकारिणी को बधाई दी. उनके उज्जवल भविष्य की कामना की. अंत में धन्यवाद ज्ञापन विभाग की छात्रा प्रमुख अंजली यादव ने किया. कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रदेश सह मंत्री रितेश यादव, सोनू राय, जिला सह संयोजक मंदीप यादव, विभाग छात्रा प्रमुख अंजली यादव, नगर मंत्री रुद्र राज, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य निशांत अग्रवाल, नगर सह मंत्री साहिल कुमार, राहुल यादव, साक्षी सिन्हा, मोहित यादव, सत्यम सिंह, लालजीत यादव, विवेक यादव, अनीश यादव और विक्रांत वर्मा मुख्य रूप से उपस्थित थे.

विद्यार्थी जुटे

- कार्यक्रम में सोनू राय ने कराया विषय प्रवेश
- कार्यक्रम में संगठन के बारे में विस्तार से चर्चा की गई

20 मार्च को इलेक्शन थीम पर होगा फूड फेस्टिवल

संवाददाता। हजारीबाग

लोकसभा चुनाव 2024 में अधिक संख्या में लोग भाग लें इसे लेकर जिला प्रशासन स्वीप कोषांग के जरिये कई गतिविधियां आयोजित कर रही हैं. इसके द्वारा मतदाताओं के बीच मतदान के महत्व और उनके अधिकारों की जानकारी दी जा रही है. इस कड़ी में 20 मार्च को जिलास्तर पर स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत इलेक्शन फ़ूड फेस्टिवल का आयोजन किया जा रहा है. इस कार्यक्रम का पूरा थीम इलेक्शन इन इंडिया पर आधारित है. इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य निर्वाचन अधिकारी, झारखंड के रवि कुमार, अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी संदीप सिंह एवं नेहा अरोड़ा होंगे. यह कार्यक्रम 20 मार्च को स्थानीय कर्जन ग्राउंड में आयोजित होगा. शहरी मतदाताओं में मतदान के प्रति जागरुकता लाने एवं चुनावी प्रक्रिया में उत्साह के साथ अपनी भागीदारी सुनिश्चित करे, इसी उद्देश्य के साथ यह कार्यक्रम होगा. यह फूड फेस्टिवल पूरी तरह से इलेक्शन के थीम पर आधारित है. इसके अंतर्गत कई कार्यक्रमों को शामिल किया गया है. मसलन रॉक बैंड शो, ग्रुप डांस, फैशन शो, मिमिक्री शो, फोक डांस, फ्यूजन म्यूजिक, पेंटिंग प्रदर्शनी, कविता प्रतियोगिता, नुक्कड़ नाटक एवं स्वादिष्ट झारखंडी पकवान शामिल है. इस पूरे आयोजन में स्थानीय कलाकार, विद्यार्थी और युवा प्रतिभागी होंगे, जो इलेक्शन आधारित विभिन्न कार्यक्रमों की प्रस्तुति देंगे.

ब्रीफ खबरें

दुर्गा ने रक्तदान कर बचाई बच्चे की जान

बरकट्ठा । प्रखंड क्षेत्र के चेचकप्पी निवासी रोहित सिंह के छः माह के बेटे के शरीर में रक्त की कमी हो गई थी. इससे बच्चे की स्थिति नाजुक हो गई. बच्चे को जो ब्लड ग्रुप चाहिए था, वह हज़ारीबाग ब्लड बैंक में नहीं था. ऐसे में स्थिति बिगड़ती जा रही थी. जब इसकी सूचना समाजसेवी व झारखंड नव निर्माण युवा सेना के संस्थापक सीके पांडे को मिली तो वे सक्रिय हुए. उन्होंने जल्द ही संस्था के सदस्य दुर्गा कुमार सिंह को सदर अस्पताल भेजा. वे वहां जा कर रक्तदान कर बच्चे की जान बचाये. ब्लड मिलने के बाद रोहित ने सीके पांडे एवं दुर्गा सिंह को धन्यवाद दिया. इस दौरान समाजसेवी सीके पांडे ने कहा कि मैं खुद लगभग 52 बार रक्तदान कर चुका हूं. रक्तदान करने से शरीर को बहुत फायदा होता है.

महिला से छिनतई कर भाग रहे लुटेरे गिरफ्तार

चौपारण। बैंक ऑफ इंडिया के चौपारण शाखा से शुक्रवार को एक महिला 49000 रुपये की निकासी कर घर जा रही थी. इसी दौरान कार सवार दो अपराधी पहुंचे और महिला से रुपये छिनकर भाग निकले. महिला भागी-भागी चौपारण थाना पहुंची और आपबीती बतायी. थानेदार दीपक कुमार सिंह ने घटना की जानकारी वरीय पदाधिकारियों को दी. इसके तुरंत बाद दल-बल के साथ अपराधियों की तलाश में निकल पड़े. चौपारण के विगहा गांव के पास पुलिस ने घेराबंदी कर एक कार बीआर29एएफ-8125 को पकड़ा. कार की जब तलाशी ली गई तो उसमें से महिला से लूटे गये 49000 रुपये मिले. जिसे पुलिस ने कार समेत जब्त कर लिया. दोनों अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया.

बाइक सवार युवक की दुर्घटना में हुई मौत

विष्णुगढ़ । थाना क्षेत्र के पंडवापोखर में गुरुवार की शाम सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई. मृतक की पहचान प्रखंड अंतर्गत भेलवारा पंचायत के उरगी निवासी हेमलाल महतो के पुत्र राजेश कुमार (25) के रूप में हुई. खबर के मुताबिक राजेश बाइक से अपने गांव से खरना के रास्ते सातमील विष्णुगढ़ आ रहे थे. इसी क्रम में कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय के पास उनकी बाइक अनियंत्रित होकर बिजली के खंभे से टकरा गई. इस दुर्घटना में उनके सिर पर गंभीर चोट लगी. जानकारी मिलने पर आसपास के लोग जुट गए. पुलिस भी पहुंची और तुरत राजेश को विष्णुगढ़ सीएचसी ले जाया गया. जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया. शुक्रवार को शव के पोस्टमार्टम के लिए हजारीबाग भेजा गया.

आईसेक्ट विवि के कैंपस सभागार में एकदिवसीय सेमिनार का आयोजन

आईटी का क्षेत्र क्रिएटिविटी से भरा हुआ है : डॉ नायक

संवाददाता । हजारीबाग

आईसेक्ट विश्वविद्यालय के तरबा-खरबा स्थित मुख्य कैंपस सभागार में एकदिवसीय सेमिनार हुआ. इसका आयोजन विश्वविद्यालय के सीएस एंड आईटी विभाग एवं स्कूल ऑफ डिजिटल लर्निंग के द्वारा आईक्यूएसी के सहयोग से किया गया. इसमें बतौर मुख्य वक्ता कृष्ण कुमार शामिल हुए. इससे पूर्व विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ पीके नायक, कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद, डीन एडमिन डॉ एसआर रथ, डीन एकेडमिक डॉ एमके मिश्रा, सीएस एंड आईटी डीन उदय रंजन, एचओडी तारा प्रसाद, निदेशक स्कूल ऑफ डिजिटल लर्निंग रविकांत कुमार समेत अन्य के हाथों दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की गई.

विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ पीके नायक ने कहा कि आईटी का क्षेत्र क्रिएटिविटी से भरा क्षेत्र है. विद्यार्थियों को इस ओर विशेष ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है. इससे तकनीकों के अपडेट में मदद मिलेगी. मौके पर डीन उदय रंजन व निदेशक स्कूल ऑफ डिजिटल लर्निंग रविकांत कुमार ने मुख्य वक्ता कृष्ण कुमार, कुलपति डॉ पीके नायक एवं कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद को बुके भेंट कर स्वागत किया. सेमिनार में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों मौजूद थे. मुख्य वक्ता कृष्ण कुमार ने आईटी विभाग से जुड़ी कई महत्वपूर्ण तकनीकों की बारीकियां बताईं. कहा कि वर्तमान समय में इंटरनेट का प्रयोग तो बड़े पैमाने पर हो रहा है, लेकिन इसे अपडेट करने की दिशा में काम नहीं हो पा रहा है. उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में इंटरनेट का प्रयोग करने के लिए विभिन्न ऐप और वेबसाइट का सहारा लेना पड़ता है.

सबसे महत्वपूर्ण बात है कि अलग-अलग कंटेंट के लिए अलग-अलग ऐप का सहारा लेकर इंटरनेट प्रयोग में लाया जा रहा है. इसे अपडेट कर केवल एक ऐप का प्रयोग कर सभी सामग्रियों के लिए प्रयोग में लाया जा सकता है. इस तथ्य के अन्य महत्वपूर्ण पहलुओं से विद्यार्थियों को अवगत कराया गया. वहीं विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद ने कहा कि दुनिया डिजिटल की ओर तेजी से बढ़ रहा है. इसमें आईटी क्षेत्र की भूमिका अहम है. उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों में कुछ नया करने की उत्सुकता जगे, इसे लेकर ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन समय-समय पर कराया जाता है. इनके अलावा डीन एकेडमिक डॉ एमके मिश्रा, डीन उदय रंजन, स्कूल ऑफ डिजिटल लर्निंग के निदेशक रविकांत कुमार सहित अन्य ने भी अपने अपने मंतव्य रखे. मंच संचालन तारा प्रसाद ने किया. कार्यक्रम को सफल बनाने में उदय रंजन, रविकांत कुमार के अलावा विजय लाल, प्रभात कुमार, अमित कुमार सहित अन्य का महत्वपूर्ण योगदान रहा.

बोले कुलपति

- सेमिनार के आयोजन में आईक्यूएसी का रहा सहयोग
- इसका आयोजन विवि के आईटी विभाग ने किया
- उद्देश्य है विद्यार्थियों में कुछ नया करने की उत्सुकता जगे

खाद्य आपूर्ति योजनाओं के तहत लाभुकों को दिए जा रहे लाभ की समीक्षा

डीसी ने की टास्क फोर्स की बैठक

संवाददाता। रामगढ़

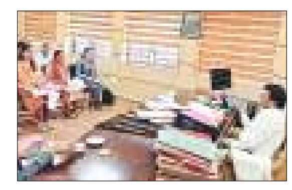

उपायुक्त रामगढ़ चंदन कुमार की अध्यक्षता में शुक्रवार को आपूर्ति विभाग के जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक हुई. बैठक में उपायुक्त ने रामगढ़ जिला अंतर्गत विभिन्न पैक्सों व एफपीओ को गोदाम उपलब्ध कराने को लेकर जिले के अलग-अलग क्षेत्र में खाली पड़े सामुदायिक भवन आदि से संबंधित प्रतिवेदन तैयार कर जल्द से जल्द उपलब्ध कराने का निर्देश दिया.

मौके पर उपायुक्त के द्वारा वित्तीय वर्ष 2022-23 में धान अधिप्राप्ति के तहत किसानों को राशि उपलब्ध कराने के तहत हुए कार्यों की भी समीक्षा की गई. खाद्य आपूर्ति योजनाओं की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने पतरातू एवं दुलमी प्रखंड में डोर स्टेप डिलीवरी के तहत कार्यों पर असंतोष जाहिर करते हुए दो दिनों के अंदर कार्यों में सुधार लाने का निर्देश दिया. वहीं उन्होंने दो दिनों के उपरांत भी संतोषजनक कार्य नहीं किए जाने पर संबंधित सहायक गोदाम प्रबंधक से स्पष्टीकरण पूछने का निर्देश जिला आपूर्ति पदाधिकारी को दिया.

खाद्य आपूर्ति योजनाओं के तहत लाभुकों को दिए जा रहे हैं लाभ की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने ससमय लाभुकों को राशन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया. उन्होंने पीवीटीजी डाकिया योजना के तहत लाभुकों को राशन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया. उपायुक्त ने सफेद राशन कार्ड धारियों का आधार सीडिंग का कार्य पूर्ण करने को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए. साथ ही खाद्य आपूर्ति योजनाओं के लाभुकों के को लेकर निर्देश दिये.

दिये निर्देश

- बैठक में एफपीओ को गोदाम के लेकर निर्देश दिये
- डीसी ने डोर स्टेप डिलीवरी पर असंतोष जाहिर किया

यज्ञ से सकारात्मक ऊर्जा का प्रसार होता है : विनोद

संवाददाता। चौपारण

प्रखंड के ग्राम बरवाडीह में श्री श्री 108 श्री हनुमत प्राण प्रतिष्ठा के अंतिम दिन भक्ति जागरण का आयोजन किया गया. इसका उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि झामुमो नेता विनोद विश्वकर्मा के साथ विशिष्ट अतिथि मुखिया मंटू सिंह, विकाश रजक, कैलाश यादव और सुधीर कौशल ने संयुक्त रूप से द्वीप प्रज्वलित कर किया. यज्ञ समिति के सदस्यों द्वारा अतिथियों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया. विनोद विश्वकर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि क्षेत्र में यज्ञ होने से नकारात्मक शक्तियों का ह्रास होता है. इससे सकारात्मक ऊर्जा का प्रसार होता है. जागरण मंच के कलाकारों ने भक्तों को खूब झूमाया. काफी संख्या में लोग जागरण देखने आए थे. ज्ञात हो कि बरवाडीह में आठ मार्च को आचार्य धनंजय पांडे के नेतृत्व में श्री हनुमत प्राण प्रतिष्ठा का शुभारंभ हुआ था. फिर यज्ञ में पूर्णाहुति के साथ इसका समापन हुआ. साथ में भव्य भंडारा का सभी ने भोग ग्रहण किया. इस सप्त दिवसीय महायज्ञ में अयोध्या से आए प्रवचनकर्ता रामजी शास्त्री ने पांच दिन संध्या में सभी को जीवन जीने का मार्ग एवं अपने संस्कार के बारे में बताया.

डीसी ने किया उपकारा रामगढ़ का निरीक्षण

रामगढ़ । डीसी चंदन कुमार ने गुरुवार रात को उपकारा रामगढ़ का औचक निरीक्षण किया. जानकारी के अनुसार उपकारा में कैदी द्वारा मोबाइल इस्तेमाल किए जाने की सूचना मिली थी. इसी आधार पर डीसी ने पुलिस अधीक्षक डॉ विमल कुमार के साथ उपकारा रामगढ़ का औचक निरीक्षण किया. निरीक्षण के दौरान उपकारा से दो मोबाइल फोन एवं नशीले पदार्थ जब्त किए गए. बताया गया कि इस मामले पर नियम अनुसार आगे की कार्रवाई की जा रही है. मौके पर अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी रामगढ़, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रामगढ़ और थाना प्रभारी रामगढ़ सहित अन्य उपस्थित थे.

सीसीएल प्रबंधन की लापरवाही से किसी की पदोन्नति नहीं हो पाई

माइनिंग सुपरवाइजरों ने दिया धरना

संवाददाता। रामगढ़

सीसीएल रजरप्पा के माइनिंग सुपरवाइजरों ने शुक्रवार को धरना दिया. इनमोसा के बैनर तले अपनी मांगों को लेकर सीसीएल रजरप्पा के स्टाफ आफिसर (कार्मिक) के कार्यालय में सुपरवाइजरों ने धरना दिया. इससे एसओपी कार्यालय का कामकाज बाधित हो गया. इस दौरान कर्मियों ने मांग पूरी न होने तक स्टाफ ऑफिसर्स कार्मिक के कार्यालय पर बैठने की प्रबंधन को चेतावनी दी. मौके पर मुख्य रूप से मौजूद इनमोसा के सीसीएल कोषाध्यक्ष सह सीसीएल रजरप्पा क्षेत्र के संरक्षक रामेश्वर महतो मौजूद थे. उन्होंने कहा कि सीसीएल रजरप्पा एरिया में 2023-24 का मैनपॉवर बजट पिछले अक्टूबर माह में आ गया था. लगभग पांच माह पूर्व 40 माइनिंग सुपरवाइजर के चयनित विभागीय कर्मियों को पदोन्नत पद पर नियुक्ति का लिस्ट आ चुका था. लेकिन सीसीएल प्रबंधन की लापरवाही की कारण किसी की पदोन्नति नही हो पाई. अधिकारियों से बार-बार वार्ता के बाद भी अभी तक कार्रवाई नहीं की गयी. जिससे माइनिंग सुपरवाइजर बाध्य होकर धरने पर बैठ गए. कहा कि जब तक हमलोगों को पदोन्नति नहीं दी जाएगी, तब तक यहां बैठे रहेंगे. हालांकि हमलोग उत्पादन कार्य को बाधित नहीं करेंगे. शिफ्ट के अनुसार माइनिंग सुपरवाइजर बारी-बारी धरने पर बैठेंगे. इस मामले में सीसीएल रजरप्पा क्षेत्र के एसओपी मनोज कुमार कहते हैं कि माइनिंग सुपरवाइजरों की पदोन्नति को लेकर सीसीएल प्रबंधन पूरी तरह से तत्पर है. वरीय पदाधिकारियों को इसकी जानकारी दे दी गयी है. जल्द ही पदोन्नति के मामले को सुलझा लिया जाएगा. धरने में इनमोला के क्षेत्रीय अध्यक्ष संजय कुमार, सचिव हरि प्रसाद महतो, दीपक सिंह, राकेश रोशन, अमन कुमार, ज्वेल खोलको, अनिल कुमार, विशाल कुमार, आनंद सिंह शामिल थे.

दी चेतावनी

- इनमोसा के सीसीएल कोषाध्यक्ष हैं रामेश्वर महतो
- अधिकारियों बार-बार वार्ता के बाद भी कार्रवाई नहीं हुई

विधायक ने किया योजना का शिलान्यास

रामगढ़ । दुलमी प्रखंड में उत्क्रमित उच्च विद्यालय सिरु में शुक्रवार को लगभग 1.24 करोड़ की दो योजना का शिलान्यास हुआ. इसका शिलान्यास रामगढ़ विधायक सुनीता चौधरी सहित रामगढ़ के पूर्व जिप अध्यक्ष ब्रह्मदेव महतो ने किया. इसमें डीएमएफटी मद में लगभग 61 लाख की लागत से बनने वाली चाहरदीवारी व भालू में रामजी महतो के घर से मदगी सिमाना तक डीएमएफटी मद से 62 लाख की लागत से 1000 फिट बनने वाले गार्डवाल निर्माण होगा. विधायक सुनीता चौधरी ने कहा कि जनता ने जिस उम्मीद से मुझे विधायक की जिम्मेवारी सौंपी है, उसे पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है. जहां भी जनता द्वारा क्षेत्र की समस्या से अवगत करवाया है, उसका समाधान किया जा रहा है. कहा कि स्कूल में चाहरदीवारी से विद्यार्थियों को सुविधा मिलेगी. वहीं गार्डवाल निर्माण होने से बरसात के दिनों में सड़कें कटने से बचेंगी. इससे आवाजाही बेहतर हो सकेगी. साथ ही सड़क से सटे खेतों को भी नुकसान नहीं होगा.

अभिनंदन समारोह डाक बंगला स्थित होटल पैराडाइज रिसॉर्ट में हुआ

मनीष जायसवाल का अभिनंदन

संवाददाता। हजारीबाग

हजारीबाग अनुसूचित जाति समाज ने शुक्रवार को लोकसभा के भाजपा प्रत्याशी सह सदर विधायक मनीष जायसवाल का अभिनंदन किया. अभिनंदन समारोह डाक बंगला स्थित होटल पैराडाइज रिसॉर्ट में हुआ. इसमें हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सभी पांचों विधानसभा के अनुसूचित जाति समाज के हजारों महिला-पुरुष शामिल हुए. उन्होंने मनीष जायसवाल का अभिनंदन करते हुए पूर्ण समर्थन का भरोसा दिया. उनके अभिनंदन में मन-मन के मनीष जी हैं...गीत पर समाज की बालिकाओं ने सामूहिक नृत्य किया.

मनीष जायसवाल ने कहा कि साल 2018 में हजारीबाग नगर परिषद की चुनाव से राजनीति के क्षेत्र में कदम रखा और आपसे गहरा लगाव निगम के समय से ही रहा. कांग्रेस ने देश में 60 साल तक राज किया. लेकिन कांग्रेस धर्म-जाति में बांटकर अपनी राजनीतिक रोटी सेंककर सत्ता में बनी रही. मोदी सरकार ने देश के विकास के साथ लोगों के घरों तक सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं पहुंचायी. देश का मान, सम्मान बढ़ा. सड़कों का विस्तारीकरण और रेल का विस्तार हुआ. अयोध्या में सदियों बाद श्रीराम मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा हुआ. गरीबों के घरों तक कई योजनाएं पहुंचीं. लोगों का जीवन स्तर ऊंचा उठाया.

कहा कि पीएम मोदी ने संकल्प लिया है कि आने वाले 2047 तक संपूर्ण राष्ट्र विससित हो जाएगा. कहा कि आपका साथ, विश्वास और प्रेम मोदी जी और आपके बेटे और भाई मनीष जायसवाल के साथ रहेगा. लोगों से कहा कि हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र में प्रचंड मतों से कमल खिलाएं. वहीं भाजपा जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह समेत अन्य ने समाज की राजनीतिक चेतना की प्रशंसा की. कार्यक्रम में भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के जिला अध्यक्ष महेंद्र राम बिहारी मौजूद थे.

दिया भरोसा

- समाज की बालिकाओं ने सामूहिक नृत्य किया
- मनीष 2018 में नगर परिषद का चुनाव जीतकर आए थे

तैलिक समाज

इंद्रलोक टावर में तैलिक समाज की बैठक में धूमधाम से होली मिलन समारोह मनाने का लिया निर्णय

जिला तैलिक समाज के अध्यक्ष के कार्यकाल का हुआ विस्तार

संवाददाता । हजारीबाग

इंद्रलोक टावर में शुक्रवार को 11 बजे से जिला तैलिक समाज की बैठक हुई. बताया गया कि बैठक में यह जिला तैलिक समाज के अध्यक्ष के कार्यकाल का छह महीने का विस्तार का निर्णय लिया गया. लोकसभा चुनाव होने के बाद चुनाव के माध्यम से अध्यक्ष को चुना जाएगा. बैठक में 23 मार्च को धूमधाम से होली मिलन समारोह मनाने का भी निर्णय लिया गया. हालांकि होली मिलन समारोह के स्थल को लेकर अभी निर्णय नहीं लिया गया है. यह निर्णय सर्वसम्मति से लिया जाना है. फिर सभी लोगों को सूचित किया जाएगा.

बैठक की शुरुआत समाजसेवी स्व भामाशाह की तस्वीर पर माल्यार्पण कर किया गया. बैठक की अध्यक्षता वर्तमान अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद ने किया और मंच संचालन महासचिव नारायण साव ने किया. बैठक में समाज के कई वरिष्ठ लोगों ने अपनी बात रखी. जिसमें कटकमदाग अध्यक्ष कमल साव, बरही के सीताराम साहू, केरेडारी के महेश प्रसाद साव, दशरथ साहू एवं अन्य बोले. वहीं जिला तैलिक समाज के चुनाव को लेकर भी चर्चा हुई. जिसमें वर्तमान लोकसभा चुनाव को देखते हुए छह महीने के बाद चुनाव करवाने की बात कही गई है. जिसमें सर्वप्रथम सभी प्रखंडों के अध्यक्ष को चुना जाना है. उसके बाद सभी प्रखंड अध्यक्ष अपना जिला अध्यक्ष चुनेंगे.

कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद, महासचिव नारायण साहू, पूर्व जिलाध्यक्ष मुकुंद साव, पदमा बुधन साव, उपाध्यक्ष राजेंद्र साहू, कोषाध्यक्ष अजय साव, नगर सचिव अशोक कुमार साहू, युवा महासचिव रामकिशोर सावंत, महिला अध्यक्ष रेणुका देवी, महिला नगर सचिव शीला देवी, बरकट्ठा अध्यक्ष शंकर साव, बड़कागांव अध्यक्ष जगनंदन प्रसाद गुप्ता, मुखिया संघ महासचिव में महेश प्रसाद साहू, बरही अनुमंडल अध्यक्ष अमित साहू, बलदेव साहू, नंदू साहू, मीडिया प्रभारी हेमराज साहू, श्याम किशोर प्रसाद, उदय साव, लाल किशोर साहू, कटकमसांडी अध्यक्ष मानकी साव, चौपारण अध्यक्ष मुनेश्वर साव, चुरचू अध्यक्ष निरंजन साव, पदमा अध्यक्ष राजेश साव, केरेडारी अध्यक्ष सुरेश साव, दारू अध्यक्ष द्वारिका साव, टाटीझरिया अध्यक्ष माथुरा साव, कटकम दाग अध्यक्ष कमल साव, इचाक अध्यक्ष महेश साव, चलकूषा अध्यक्ष लखन साव, दाढ़ी अध्यक्ष बुधन साव, करेटरी युवा प्रखंड अध्यक्ष शेखर साहू, बरही अनुमंडल कोषाध्यक्ष राजदेव गुप्ता सहित कई लोग उपस्थित थे.

करेंगे सूचित

- 23 मार्च को तैलिक समाज मनाएगा होली मिलन समारोह
- बैठक की अध्यक्षता वर्तमान अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद ने की

टीपीसी उग्रवादियों ने कार्यस्थल पर जमकर मचाया उत्पात

संवाददाता। बड़कागांव

प्रखंड महुगाई कला पंचायत के ग्रामीण क्षेत्र बलोदर से गोबरदाहा तक मुख्यमंत्री सड़क योजना के तहत सड़क कालीकरण निर्माण कार्य हो रहा है. बीती रात को टीपीसी उग्रवादियों ने कंपनी के कार्यस्थल पर उत्पात मचाया. उग्रवादियों ने निर्माण कार्य के लगे जेसीबी मशीन को आग के हवाले कर दिया.

सूत्रों से पता चला कि रात लगभग 1 बजे 15 से 20 की संख्या में लोग आए और नारेबाजी करने लगे. इस बीच तीन बार जोरदार धमाका भी हुआ. जेसीबी मशीन को आग के हवाले करने के बाद टीपीसी संगठन के नाम से एक धमकी भरा पर्चा भी छोड़ा गया. पर्चे में लिखा गया है कि मुंशी से बात किया जा रहा है, लेकिन संगठन की बात को अनदेखा किया जा रहा है. संगठन से बात किए बिना कार्य चालू नहीं किया जाए. अनदेखा करने पर फौजी कार्रवाई की जाएगी. बात नहीं सुनने पर ठेकेदार और मुंशी का खोपड़ी खोल दिया जाएगा. हमले की जिम्मेवारी धर्मवीर के नाम से लिया गया है. इस मामले पर पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार सिंह ने कहा कि जेसीबी जलने की कोई सूचना नहीं है. फायरिंग हुई है. अब यह किस संगठन ने किया है, पुलिस इस पर जांच कर रही है.

ब्रीफ खबरें

मतदान कर्मियों का दो दिवसीय प्रशिक्षण 21 से

किरीबुरु। लोकसभा चुनाव को लेकर सेल के मतदान दल के कर्मियों के लिए प्रशिक्षण किरीबुरु एवं गुवा में 21 एवं 22 मार्च को होगा. सेल की गुवा एवं चिड़िया खदान के चिह्नित मतदान दल के सभी कर्मियों को 21 एवं 22 मार्च को गुवा में ही प्रशिक्षण दिया जायेगा. दो दिवसीय प्रशिक्षण मास्टर ट्रेनर हरिनारायण प्रसाद सिन्हा, अजय प्रधान, अरविन्द होरो एवं अमित कुमार द्वारा जबकि सेल किरीबुरु एवं मेघाहातुबुरु खदान के चिन्हित मतदान दल के कर्मियों को 21-22 मार्च को किरीबुरु में मास्टर ट्रेनर अनिल कुमार, संजीव देव वर्मन, धर्मेन्द्र कुमार एवं अखिलेश्वर लाल कर्ण द्वारा ईवीएम एवं वीवीपैट से जुड़ी तकनीकी प्रशिक्षण देंगे.

ब्राउन शुगर के साथ जेएनएसी का ठेका कर्मी धराया

जमशेदपुर। जमशेदपुर के एमजीएम अस्पताल परिसर से होम गार्ड के जवानों ने 20 पुड़िया ब्राउन शुगर के साथ एक युवक को पकड़ा. पकड़ा गया युवक का नाम गौरव कुमार है और वह गोविंदपुर शेषनगर का रहने वाला है. गौरव ने बताया कि वह जेएनएसी में ठेका कर्मी है. इधर, होमगार्ड के जवानों ने उसे साकची पुलिस के हवाले कर दिया. जहां पुलिस गौरव से पूछताछ कर रही है. होमगार्ड के जवानों ने बताया कि वे लोग ड्यूटी पर तैनात थे. तभी एक युवक तेजी से बाइक में आया और अस्पताल परिसर के अंदर चला गया.

डीएमएफटी फंड में अवशेष राशि की विमुक्ति में विलंब

किरीबुरु। डीएमएफटी फंड की योजना में अवशेष राशि की विमुक्ति में भारी विलंब होने से संवेदकों में भारी आक्रोश है. अवशेष राशि की विमुक्ति में तीन माह लगना जिला प्रशासन की कार्य शैली पर अनेक सवाल खड़े कर रही है. उदाहरण के तौर पर जगन्नाथपुर प्रखंड की प्लस टू राजकीय रस्सेल उच्च विधालय जगन्नाथपुर में जलमीनार एवं शौचालय निर्माण योजना और नोवामुण्डी प्रखंड की कोटगढ़ सीमा के नजदीक से मार्शल तिरिया घर तक 1 किलोमीटर पीसीसी पथ निर्माण कार्य में अवशेष राशि की विमुक्ति का प्रस्ताव डीएमएफटी सेल में धूल फांक रही है.

किरीबुरु के नये थाना प्रभारी ने दिया योगदान

किरीबुरु। किरीबुरु के नये थाना प्रभारी मुनाजीर हसन ने 14 मार्च की देर शाम किरीबुरु थाना में योगदान दिया. उन्होंने बताया कि हमारी पहली प्राथमिकता आगामी लोक सभा चुनाव को निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराना है. थाना क्षेत्र की आम, सभ्य एवं शांतिप्रिय जनता की विश्वास पर खरा उतरना, उनकी समस्याओं का समाधान तथा छोटे-बडे.अपराधों पर नियंत्रण हमारी प्रमुखता में रहेगी. उन्होंने कहा कि किरीबुरु थाना प्रभारी के रुप में योगदान देने में विलम्ब होने की मुख्य वजह इस जिले में संचालित नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन में शामिल रहना था.

हरिनाम संकीर्तन में विधायक हुए शामिल

डुमरिया। डुमरिया प्रखंड के भागाबांदी में पंचम रात्रि हरिनाम संकीर्तन का आयोजन किया जा रहा है. इस अवसर पर क्षेत्र के हजारों श्रद्धालु पहुंचकर हरिनाम संकीर्तन का आनंद ले रहे हैं. गुरुवार देर शाम को पोटका विधायक संजीव सरदार भी भागाबांदी संकीर्तन में पंहुचे. उन्होंने भक्ति भाव के साथ संकीर्तन स्थल का परिक्रमा किया. क्षेत्र के सुख समृद्धि का आशीर्वाद मांगा. बंगाल व आसपास के संकीर्तन मंडली हरिनाम जाप कर रहे हैं. 16 मार्च शनिवार को पूर्णाहुति के साथ भागाबांदी हरिनाम संकीर्तन का समापन होगा.

सरहुल पर्व में साल और महुआ के फूलों से प्रकृति की आराधना की जाती है

चांडिल में सरहुल की धूम, छाया उमंग व उल्लास

खास बातें

- नए साल के आगमन पर मनाया जाता पर्व
- आदिवासी नए पत्तों पर खाते है नया अन्न

संवाददाता। चांडिल

सरहुल पर प्रकृति के प्रति कृतज्ञता जताने के साथ नये साल का उल्लास मनाया जाता है, प्रकृति में आए नए फल-फूल और धरती से उपजे अन्न का उपयोग किया जाता है. वास्तव में सरहुल आदिवासियों के प्रकृति प्रेम और जीवन-यापन के लिए उससे जुडाव को दर्शाता है. सरहुल आदिवासी समाज के प्रमुख और महत्वपूर्ण पर्वों में से एक है. यह पर्व बसंत ऋतु से शुरू होकर चैत्र शुक्ल तृतीया तिथि तक मनाया जाता है. संथाल परंपरा के अनुसार मुलु मोड़े माहा से सरहुल पर्व का आयोजन शुरू हो जाता है. दरअसल सरहुल मनाने के लिए कोई निश्चित तिथि नहीं है, इसे अलग-अलग गांवों में सुविधानुसार अलग-अलग तिथि को मनाया जाता है. इस पर्व में साल और महुआ के फूलों से प्रकृति की आराधना की जाती है. ग्रीष्म ऋतु में जब पेड़ों पर नए पत्ते और फल-फूल आते हैं, तब इस सुखद प्राकृतिक बदलाव का आदिवासी समाज के लोग सरहुल पर्व के रूप में नाचते-गाते स्वागत करते हैं.

रंग-बिरंगे फूलों से प्रकृति करती है श्रृंगार

सरहुल पर चारों ओर उमंग और उल्लास रहता है. कहते हैं सरहुल खुशियों का पैगाम लेकर आता है. ऐसे समय में घर फसल से भरा रहता है, पेंड-पौधों में फल-फूल रहता है, प्रकृति यौवन पर होती है, रंग-बिरंगे फूलों और पेड़ों में नए पत्तों से प्रकृति अपना श्रृंगार करती है. ऐसा माना जाता है कि प्रकृति किसी को भी भूखे नहीं रहने देगी. शायद इसीलिए सरहुल पर्व धरती माता को समर्पित महत्वपूर्ण पर्व है. सरहुल के आदिवासी समाज नई फसल का उपयोग करते हैं. इसके साथ ही पेड़ों में लगे फल-फूल और पत्तों का भी उपयोग शुरू किया जाता है. इस पर्व को संताल, मुंडा, उरांव, हो, खड़िया समेत विभिन्न आदिवासी समुदाय के लोग हर्षोल्लास के साथ मनाते हैं.

अनुमंडल क्षेत्र में छाने लगा उल्लास : चांडिल अनुमंडल क्षेत्र में सरहुल पर्व मनाने का दौर शुरू हो चुका है. शुक्रवार को धातकीडीह, कांगलाडीह, गांगुडीह पुनर्वास, कटिया, रामगढ़, चाकुलिया, कादलाकोचा समेत विभिन्न गांवों में सरहुल पर्व मनाया जा रहा है. इस स्थानों में जाहेरथान में परंपरा के अनुसार प्रकृति की आराधना की गई.

लोकसभा चुनाव की तैयारी को लेकर भाजपा की हुई बैठक

चुनाव में जीत के लिए लग जाएं कार्यकर्ता: सुरेश साव

खास बातें

- मोदी सरकार में देश का तेजी से विकास हुआ है
- गरीबों को उनका हक और अधिकार मिला है

संवाददाता। चक्रधरपुर

आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर शुक्रवार को चक्रधरपुर के पुरानी रांची रोड स्थित मोदी आहार कार्यालय में भाजपा नगर व प्रखंड कमेटी की बैठक हुई. बैठक में संयोजक, सह संयोजक, प्रभारी व बूथ अध्यक्ष मौजूद हुये.बैठक की अध्यक्षता भाजपा के नगर अध्यक्ष राजेश गुप्ता ने की. इस दौरान भाजपा के विधानसभा संयोजक सुरेश साव ने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव में सिंहभूम सीट पर भाजपा के प्रत्याशी को भारी मतों से विजयी बनाना है.इसके लिए पार्टी के सभी कार्यकर्ता मजबूती के साथ तैयारी में जुट जाएं. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार में देश का तेजी से विकास हुआ है. गरीबों को उनका हक व अधिकार मिला है. इसे देखते हुये पुनः एक बार फिर से नरेन्द्र मोदी को देश का प्रधानमंत्री बनाना है. मौके पर मौजूद झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष अशोक षाड़ंगी, भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश महामंत्री विजय मेलगांडी, भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की कार्य समिति सदस्य मालती गिलुवा ने भी संबोधित करते हुये अबकी बार 400 पार के आंकड़े को पूरा करने के लिए सभी को एकजुटता के साथ लगनपूर्वक कार्य करने की बात कहीं.इस मौके पर भाजपा के जिला उपाध्यक्ष ललित मोहन गिलुवा, पूर्व जिला उपाध्यक्ष शेष नारायण लाल, जिला कार्य समिति सदस्य संजय पासवान, शिवलाल रवानी, नगर संयोजक राजू कसेरा,मदन विश्वकर्मा, उत्तम शर्मा, नगर उपाध्यक्ष राजेश कुमार राय, रोहित गुप्ता,छोटे लाल माझी, नगर मंत्री मोहन यादव, अभय कुमार साव, राजेश पासवान, सरस्वती आशा बारला,दीपक प्रधान समेत अन्य भाजपा नेता व कार्यकर्ता मौजूद थे.

जगन्नाथपुर में भाजपा ने खोला चुनावी कार्यालय

किरीबुरु। लोकसभा चुनाव को लेकर शुक्रवार को जगन्नाथपुर में भाजपा ने अपना चुनावी कार्यालय का उद्घाटन किया. कार्यालय का उद्घाटन पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा, भाजपा जिलाध्यक्ष संजू पांडेय, पूर्व मंत्री बड़कुवंर गागराई, पूर्व विधायक शशि भूषण सामड, गीता बालमुचू, विधान सभा प्रभारी दिनेश चन्द्र नन्दी, संयोजक शंभू हाजरा, सह संयोजक साहू पूर्ति एवं धीरज सिंह आदि ने संयुक्त रुप से किया. हालांकि इस कार्यालय का उद्घाटन के समय सांसद गीता कोड़ा मौजूद नहीं थी. उल्लेखनीय है कि भाजपा व सांसद गीता कोड़ा ने अब तक अपने संसदीय क्षेत्र में आधा दर्जन से अधिक चुनावी कार्यालय खोल चुनावी प्रचार व गतिविधियां तेज कर दी है. जबकि दूसरी तरफ इंडी गठबंधन ने अबतक अपना प्रत्याशी की घोषणा तक नहीं कर पाई है.

यूनियन कार्यालय गुवा में स्व. दुचा टोप्पो को दी गई श्रद्धांजलि

नोवामुंडी। बोकारो स्टील वर्कर्स यूनियन इंटक कार्यालय गुवा में स्व दुचा टोप्पो को श्रद्धांजलि दी गयी. सेल कर्मियों एवं इंटक के पदाधिकारियों ने इंटक कार्यालय में एक शोक सभा आयोजित कर 2 मिनट का मौन धारण किया. उसके बाद सभी ने दुचा टोप्पो के फोटो पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया. कार्यक्रम से पूर्व बोकारो स्टील वर्कर्स यूनियन इंटक गुवा के उपाध्यक्ष दिलबाग सिंह ने कहा कि दुचा टोप्पो सदैव मजदूरों के साथ रहने वाले मजदूर नेता थे. कहा कि मजदूरों के लिए वे सदैव संघर्ष करने वाले नेता दुचा टोप्पो को गुवा के लोगों ने खो दिया है.अभी हाल ही में सेल गुवा में कई आंदोलन हुए जिसमें उनकी अग्रणी भूमिका रही . उन्होंने स्थानीय लोगों को सेल गुवा में जगह नहीं देकर 18 बाहरी लोगों की नियुक्ति देने का जोरदार विरोध किया था.

जादूगोड़ा सुंदरनगर सड़क मरम्मत का किया शिलान्यास

मुसाबनी। जादूगोड़ा से सुंदर नगर सड़क का राइडिंग क्वालिटी में सुधार किया जाएगा. इस सड़क का मरम्मती कार्य 15 करोड़ की लागत से पथ निर्माण विभाग द्वारा किया जाएगा. शुक्रवार को विधायक संजीव सरदार ने सड़क राइटिंग क्वालिटी सुधार योजना का शिलान्यास सांसद प्रतिनिधि यशवंत महतो के साथ जादूगोड़ा मोड़ पर नारियल फोड़कर किया. मौके पर सुनील महतो, चंद्रावती महतो, हिरामुनी मुर्मू, भगत बास्के, मनोज प्रताप सिंह, विद्युत महतो, राजू दास, गौतम भकत आदि उपस्थित थे.

गुवा थाना परिसर में शांति समिति की हुई बैठक

होली में हुड़दंगियों पर रखी जाएगी कड़ी नजर : एसडीपीओ

संवाददाता। नोवामुंडी

होली को लेकर गुवा थाना प्रांगण में शांति समिति की बैठक हुई.बैठक में किरीबुरू एसडीपीओ अजय केरकेट्टा, गुवा थाना प्रभारी गोपाल कुमार ने कहा की होली आपसी भाई चारे का पर्व है. इसे आपस में सभी वर्ग के लोग मिलकर मनाये. इस दौरान एसडीपीओ अजय केरकेट्टा ने लोगों से अपील की वे होली नहीं खेलने की इच्छा जताने वाले लोगों पर रंग आदि नहीं डालें, एक-दूसरे को सम्मान करें. लोग अफवाहों पर ध्यान नहीं दें. किसी प्रकार की अफवाह की जानकारी मिलने पर तत्काल उसकी सूचना पुलिस को दें. होली के दौरान नशापान करने से बचें एंव प्रयास करें की परिवार व दोस्तों के साथ होली खेल अपने-अपने घरों में रहें. एसडीपीओ ने कहा कि होली के एक दिन पहले से ही पुलिस की गश्ती गुवा के विभिन्न जगहों पर पुलिस गश्त लगाते रहेगी. साथ ही होली के 2 दिनों तक मालवाहक गाड़ियों का परिचालन पूरी तरह से बंद रहेगा. गुवा बाजार में लगने वाले सप्ताहिक हाट रविवार छोड़कर बाकी 6 दिन सड़क के किनारे वाहनों को खड़ा ना करें, अन्यथा देखे जाने पर गाड़ियों को उठाकर उसपर कानूनी कार्रवाई की जाएगी.

काशिदा के चेंगजोड़ा में हुई बाहा बोंगा पूजा

घाटशिला। घाटशिला प्रखंड में शुक्रवार को आदिवासी समुदाय के सबसे महत्वपूर्ण पर्व बाहा बोंगा धूमधाम से मनाया गया. मुख्य पूजा का आयोजन घाटशिला प्रखंड के काशिदा पंचायत अन्तर्गत चेंगजोड़ा गांव के जाहेर स्थान में किया गया. इस मौके पर पुजारी दुर्गा प्रसाद मुर्मू के नेतृत्व जाहेर स्थान में विधि विधान से पूजा अर्चना किया गया. पूजा के दौरान मारांग बुरू, जाहेरआयो, मोरे को, तुरुई को, मांझी हाडाम, गोसारें आदि देवी देवताओं का पूजा की गई. पूजा के संबंध में पुजारी ने बताया कि आदिवासी समुदाय का सबसे महत्वपूर्ण पर्व में एक बाहा बोंगा पर्व है. इस पूजा के पश्चात ही समाज के लोग किसी प्रकार के शुभ कार्य करते है और साल फुल का उपयोग करते है. शाम के समय महिला पुरुष द्वारा पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत किया जाएगा. पूजा के दूसरे दिन पानी की होली लोग खेलेंगे. इसके बाद सेंदरा के लिए जंगल की ओर कूच करते है. यह पूजा अमावस्या के पांचवें दिन होता है.

युगल सुरक्षा प्रशिक्षण में शामिल हुई सेल अधिकारियों की पत्नियां

संवाददाता। किरीबुरु

सेल की झारखंड खान समूह की किरीबुरु खदान प्रबंधन के सुरक्षा विभाग ने हिल्टॉप स्थित एचआरडीसी सेंटर में एक 'युगल सुरक्षा प्रशिक्षण' कार्यक्रम आयोजित किया. उद्घाटन मुख्य अतिथि सीजीएम कमलेश राय एवं महिला समिति की अध्यक्ष सुनीता राय, विशिष्ट अतिथि महाप्रबंधक दीपेन लोहार, स्वागत मित्रा लोहार, डॉ. अर्चना बेक, सहायक महाप्रबंधक एस.यू. मेद्दा, एवं रथिन विश्वास ने दीप प्रज्वलित कर किया. परिवारों के भीतर एक सुरक्षा संस्कृति स्थापित करने के महत्व को पहचानते हुए, युगल सुरक्षा प्रशिक्षण का उद्देश्य घरेलू मोर्चे से ही सुरक्षा जागरूकता शुरू करना है. कार्यक्रम में परिवार के सदस्यों को खनन में संभावित खतरों और उन्हें अपने कर्तव्य के दौरान पतियों की जिम्मेदारियों के बारे में बताया गया.

सीजीएम कमलेश राय ने कहा कि सुरक्षा कार्यस्थल और घरेलू पर्यवेक्षकों की सामूहिक जिम्मेदारी है. उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए दोनों का प्रभावी प्रदर्शन आवश्यक है.

कुल 14 जोड़ों ने प्रशिक्षण में भाग लिया : महाप्रबंधक दीपेन लोहार ने अपने परिवार की समग्र भलाई के लिए पतियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के महत्व को रेखांकित किया.

आयोजन

मेघाहातुबुरु प्रबंधन ने ग्रामीणों को बीज, बच्चों को चश्मा व दवाइयां भेंट की

आर्थिक व सामाजिक विकास के प्रति प्रतिबद्ध हैं: सीजीएम

खास बातें

- वन उत्पाद को बेचने के लिए व्यवस्था कराया जायेगा
- मेघाहातुबुरु प्रबंधन सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है

संवाददाता। किरीबुरु

सीएसआर योजना के तहत सारंडा के सुदूरवर्ती गांव के ग्रामीणों, प्लस-टू उच्च विद्यालय के बच्चों, आदिवासी संस्थानों को विभिन्न प्रकार की सहायता प्रदान की. यह आयोजन सेल की मेघाहातुबुरु खदान प्रबंधन ने सीजीएम आर पी सेलबम के नेतृत्व में सौभाग्य रोजगार केन्द्र में आयोजित किया गया. सीजीएम आर पी सेलबम ने सारंडा के विभिन्न गांवों के किसानों के बीच साग-सब्जियों के बीज, खाद, पानी पटाने के लिए झरणा प्रदान किया गया. इसके अलावे कुमडीह, बराईबुरु, टाटीबा, आदिवासी कल्याण केन्द्र मेघाहातुबुरु, आदिवासी कल्याण केन्द्र किरीबुरु, आदिवासी सरना समिति बकल हाटिंग को नगाडा.व मांदर भेंट किया गया.

54 गरीब व जरुरतमंद बच्चों का नेत्र जांच हुआ : सीएसआर योजना के तहत सेल अस्पताल किरीबुरु की सीएमओ सह नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ नंदी जेराई द्वारा प्लस-टू उच्च विद्यालय मेघाहातुबुरु के 54 गरीब व जरुरतमंद बच्चों का नेत्र जांच कर 8 बच्चों को चश्मा दिया गया. इसके अलावे आंख से संबंधित समस्या को लेकर अन्य बच्चों के बीच दवाईयां तथा हॉर्लिक्स प्रदान किया गया.

सीजीएम आर पी सेलबम ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुये कहा कि सेल, मेघाहातुबुरु प्रबंधन प्रारम्भ से हीं अपने खदान के परीधिये गांवों के ग्रामीणों का शैक्षणिक, आर्थिक, भाषा व संस्कृति, स्वास्थ्य आदि सर्वांगीण विकास हेतु प्रतिबद्ध है. हम कुमडीह सड़क का निर्माण हेतु प्रयासरत हैं. इस सड़क के बनने के बाद हाट-बाजार के दिन वाहन भेज उनके कृषि व वन उत्पाद को बाजार लाने व बेचने हेतु व्यवस्था कराया जायेगा.

ग्रामीणों ने चेहरे पर दिखी खुशी

उक्त सामानों को पाकर ग्रामीण खुश दिखे. कुछ ग्रामीणों ने सीजीएम व अन्य अधिकारियों को अपने बगान से उत्पादित ताजी साग उपहार स्वरुप भेंट किया. इसके बदले सीजीएम ने ग्रामीणों को पैसे भी दिये. इस दौरान महाप्रबंधक ए के पटनायक, महाप्रबंधक मनीष राय, महाप्रबंधक संजय सिंह, महाप्रबंधक भी के सुमन, महाप्रबंधक के बी थापा, सीएमओ डा. नंदी जेराई, उप महाप्रबंधक संजय कुमार सिंह, सहायक महाप्रबंधक राम बाबू डोराडला, मोहन कुमार आदि दर्जनों अधिकारी व ग्रामीण मौजूद थे.

अनिल पासवान लोजपा के जिला उपाध्यक्ष मनोनीत

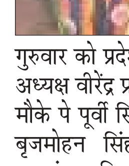

आदित्यपुर। आदित्यपुर निवासी अनिल पासवान लोजपा का पूर्वी सिंहभूम जिला उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया है. उनका मनोनयन गुरुवार को प्रदेश कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र प्रधान ने किया है. इस मौके पे पूर्वी सिंहभूम जिला अध्यक्ष बृजमोहन सिंह, कोल्हान प्रभारी दयाशंकर मिश्र एवं प्रदेश सचिव मनोज पासवान भी उपस्थित थे. बता दें कि गुरुवार को प्रदेश कार्यालय में गठबंधन दल को मजबूती प्रदान करने हेतु प्रदेश कार्यालय में पूरे झारखंड के जिला अध्यक्ष, प्रदेश के पदाधिकारियों, कोल्हान प्रभारी की बैठक प्रदेश अध्यक्ष बिरेंद्र प्रधान के अध्यक्षता में संपन्न हुई है.

न्यूज अपडेट

'स्किल्ड छात्रों का बड़ी कंपनियों में होता है शोषण'

आदित्यपुर। देश में अप्रेंटिसशिप के नाम पर स्किल्ड छात्रों का बड़ी बड़ी कंपनियों में शोषण हो रहा है. यह आरोप एक बुद्धिजीवी नागरिक और आरटीआई कार्यकर्ता प्रो. एसके महतो ने लगाया है. प्रो. महतो ने इससे संबंधित एक पत्र देश के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री समेत श्रम विभाग के सचिव को लिखा है. पॉलीटेक्निक, आईटीआई करने वाले छात्रों को अप्रेंटिसशिप के दौरान कम से कम न्यूनतम वेतनमान दिलाने और उनकी तकनीकी शिक्षा को अव्वल बनाने की मांग की है. प्रो. महतो ने पत्र की प्रतिलिपि केंद्रीय इस्पात मंत्री, राज्यपाल झारखंड, मुख्यमंत्री झारखंड, मुख्य सचिव, श्रम सचिव, उपाध्यक्ष टाटा स्टील, उप श्रम आयुक्त पूर्वी सिंहभूम को भी भेजा है. पत्र में प्रो. महतो ने कहा है कि जमशेदपुर में वर्ष 1907 में मेसर्स टाटा स्टील प्लांट की स्थापना हुई है. और इसकी स्थापना के लगभग 117 वर्ष पूरे हो चुके हैं.

जयंती पर याद किए गए बहुजन नायक कांशीराम

चाईबासा। बहुजन समाज पार्टी ने शुक्रवार को घड़ी घर के पास कोर्ट परिसर में बहुजन नायक कांशीराम की 90वें जयन्ती समारोह आयोजित किया . जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर जिला प्रभारी तुरी सुन्डी उपस्थित थे. तुरी सुन्डी ने आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि बहुजन समाज को जागृत करने के पहले पढ़े लिखे लोगों को एकजुट करने के लिए बामसेफ संघठन बनाया और उसके बाद डीएसफो इसके बाद 1984 बहुजन समाज पार्टी का निर्माण किया. इसलिए बहुजन समाज पार्टी का संस्थापक ही नहीं, बहुजनों में राजनीतिक चेतना पैदा करने के लिए जीवन भर संघर्ष करते रहे . जिलाध्यक्ष जेम्स हेम्ब्रम ने भी संबोधित किया. कांशीराम के जयंती समारोह पर राजनीतिक शब्दों में कहा कि आज देश में बीएसपी के दांव पर टिकी है.

उपभोक्ता संरक्षण कानून की दी गई जानकारी

चांडिल। जिला विधिक सेवा प्राधिकार सरायकेला व अनुमंडलीय विधिक सेवा समिति चांडिल ने ईचागढ़ में विधिक जागरुकता शिविर लगाया. इस दौरान लोगों को उपभोक्ता संरक्षण कानून की जानकारी दी गई. पीएलवी कार्तिक गोप की अगुवाई में ईचागढ़ प्रखंड के दालग्राम टोला राणीडीह में उपभोक्ता दिवस एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया. शिविर में ग्रामीणों को उपभोक्ता संरक्षण कानून के साथ बाल विवाह, घरेलू हिंसा, डायन कुप्रथा, महिलाओं के अधिकार और सरकारी योजनाओं के लाभ लेने के तरीकों से अवगत कराया गया. मौके पर सुभद्रा गोप, लक्ष्मीकांत गोप, बिलम माझी, अनुरुद्ध गोप, अंगद गोप समेत कई ग्रामीण उपस्थित थे.

चुनाव में फिट-अनफिट मतदानकर्मियों की होगी जांच

आदित्यपुर। लोकसभा चुनाव 2024 में मेडिकली फिट अनफिट मतदानकर्मियों के जांच का आदेश जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त सरायकेला ने दिया है. आदेश पत्र के अनुसार जिले के सिविल सर्जन को 19 से 21 मार्च तक सदर अस्पताल सरायकेला में एक टीम गठित कर मतदानकर्मियों की जांच करेंगे. उनके टीम में जिला शिक्षा पदाधिकारी भी शामिल रहेंगे जो पर्यवेक्षण का कार्य करेंगे. इस आदेश की प्रति जिले के सभी कार्यालयों के प्रधान को भेजा गया है और उनसे अपील किया गया है कि वे अपने कर्मियों को मेडिकल जांच के लिए निर्धारित तिथि व समय पर सदर अस्पताल भेजना सुनिश्चित करें. बता दें कि कभी-कभी ये मौके पर मतदानकर्मियों को शारिरिक परेशानी हो जाती है जिसके वजह से मतदान कार्य में शामिल होने से बचने का कोशिश करते हैं.

जैव विविधता का संरक्षण जरूरी : बिप्लब मिश्रा

घाटशिला। जैव विविधता का संरक्षण मानवता के अस्तित्व के लिए जरूरी है. प्रत्येक देशवासी को नदियों, वन, वन्य प्राणी और प्रकृति की सुरक्षा का प्रण लेकर इसके लिए निस्स्वार्थ कार्य करना चाहिए. उक्त बातें शुक्रवार को एचसीएल/ आईसीसी कंपनी ने कॉपर क्लब परिसर में जैव विविधता को लेकर आयोजित कार्यशाला को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्य वन संरक्षक बिपलब मिश्रा ने कही. उन्होंने कहा कि मानव जीवन का आधार वायु, जल, लकड़ी और भोजन वनों के साथ जुड़ा हुआ है और इन सब प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा जरूरी है. वन न केवल पृथ्वी की सुंदरता है बल्कि मनुष्य के जन्म से लेकर अंतिम समय तक किसी न किसी रूप में वनों का विशेष योगदान होता है. इसलिए प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा में अपना योगदान दें और सभी के सामूहिक सहयोग से ही वन क्षेत्र को बढ़ाया जा सकता है. कार्यशाला का शुभारंभ कंपनी के ईडी श्याम सुंदर सेठी एवं उन अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया.

जीएसटी कमिश्नर से मिला इसरो का प्रतिनिधिमंडल

आदित्यपुर। इंडस्ट्रियल एस्टेबिलिटी एंड रिफॉर्म्स आर्गेनाइजेशन (इसरो) का एक प्रतिनिधि मंडल सेंट्रल जीएसटी कमिश्नर विनोद गुप्ता से मुख्यालय में भेंट की. सर्वप्रथम श्री गुप्ता का अभिनन्दन किया. जिसके उपरांत औद्योगिक क्षेत्र के लघु एवं मध्यम उद्योगों के अपने संगठन सदस्यों द्वारा उठाई गई जीएसटी विभाग से आ रही बहुत सी समस्याओं के निवारण एवं विभाग के ध्यानाकर्षण हेतु मांग को देखते हुए समस्याओं को रेखांकित कर एक 5 सूत्री मांग पत्र भी श्री गुप्ता को सौंपा. सभी बातों को श्री गुप्ता ने ध्यान से सुना और बिंदुवार सभी के संभावित निवारण हेतु सकारात्मक कदम उठाने की बात कही. श्री गुप्ता से उद्यमियों की वार्ता सकारात्मक रही. श्री गुप्ता ने छोटे उद्यमियों से अपनी वैधानिक जरूरतों को समय से पूरा करने में संगठन के हस्तक्षेप की बात रखी ताकि डिफाल्टर्स की संख्या में कमी आ सके.

कुलपति से मिले घाटशिला कॉलेज के प्राचार्य

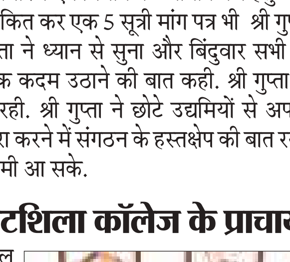

घाटशिला। कोल्हान प्रमंडल के आयुक्त सह कोल्हान विश्वविद्यालय के नए प्रभारी कुलपति हरि कुमार केसरी से शुक्रवार को उनके कार्यालय में घाटशिला कॉलेज के प्राचार्य डॉ आर के चौधरी मिले. प्राचार्य ने सर्वप्रथम आयुक्त सह कुलपति को अंग वस्त्र एवं स्मृति चिन्ह देकर उनका सम्मान किया. घाटशिला कॉलेज के प्राचार्य डॉ चौधरी ने अपने इस शिष्टाचार भेंट के दौरान कुलपति को कॉलेज की स्थिति से अवगत कराया. इसके साथ प्राचार्य ने कुलपति हरि कुमार केसरी को घाटशिला कॉलेज आने का अनुरोध किया. प्राचार्य से प्रभावित होकर कुलपति ने प्राचार्य के आमंत्रण को स्वीकार करते हुए कहा कि घाटशिला महाविद्यालय के विकास से संबंधित जो भी आवश्यक सहयोग चाहिए वह करेंगे.

माह-ए-रमजान के पहले जुमे पर अदा की नमाज

जमशेदपुर। जमशेदपुर की मस्जिदों में शुक्रवार को माह-ए-रमजान के पहले जुमा की नमाज अदा हुई. रमजान के पहले जुमे की नमाज अदा कर रोजेदारों ने अपने गुनाहों से तौबा की साथ ही देश-दुनिया और समाज की खुशहाली की परवरदिगार से दुआ की, जिस पर रोजेदारों ने एक आवाज में 'आमीन' कहा. शहर के मस्जिदों में लोगों की भीड़ देखने को मिली. कड़ी धूप के बीच सभी नमाज पढ़ते दिखे. शुक्रवार सुबह से ही मस्जिदों में नमाज की तैयारी शुरु कर दी गई थी. मस्जिदों में इबादत के लिए रोजेदारों की भीड़ जुटी रही. अकीदतमंद बच्चों को साथ लेकर मस्जिद पहुंचे. रोजेदारों ने घरों व मस्जिदों में रमजान के पहले जुमे की नमाज पढ़ी. वहीं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए मस्जिदों के आसपास पुलिसकर्मी तैनात थे.

चुनावी बॉन्ड पर से उठा परदा

इलेक्टोरल बॉन्ड्स का डेटा तो जारी हो गया है, लेकिन कई अहम जानकरियां अब भी जारी नहीं की गयी हैं. इलेक्टोरल बांड्स के डेटा का अभी विश्लेषण होना बाकी है. सुप्रीम कोर्ट की ओर से राजनीतिक चंदे के लिए शुरू किये गये इलेक्टोरल बॉन्ड को असंवैधानिक करार दिए जाने और चुनाव आयोग की ओर से इसका ब्योरा अपनी वेबसाइट पर जारी करने के बाद चुनावी फंडिंग पर से एक बड़ा परदा हट गया है. स्टेट बैंक आफ इंडिया ने चुनाव आयोग को जो आंकड़े दिए हैं. उनके मुताबिक़ एक अप्रैल 2019 से लेकर 15 फरवरी 2024 के बीच 12,156 करोड़ रुपये का राजनीतिक चंदा दिया गया. बॉन्ड ख़रीदने वाले शीर्ष डोनर्स ने 5830 करोड़ रुपये दिए हैं, जो कुल राजनीतिक चंदे का लगभग 48 फीसदी है. इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम 2018 में नरेंद्र मोदी सरकार ने शुरू की थी और कहा गया था कि इससे राजनीतिक फंडिंग को लेकर पारदर्शिता आएगी. राजनीतिक चुनावी चंदे को लेकर अनेक सवाल उठाए जाते रहे हैं. अब आंकडों से जाहिर होगा कि जो कुछ कहा जाता रहा है, उसमें कितनी सच्चाई है. सबसे ज्यादा इलेक्टोरल बॉन्ड खरीदने वाली पांच में से तीन कंपनियों पर ईडी और इनकम टैक्स द्वारा कितनी लगाम कसी गयी, यह जानना भी दिलचस्प होगा. चंदा देने के बाद इन कंपनियों की जांच की दिशा क्या रही, इस रहस्य पर से परदा उठने में थोड़ा और वक्त लगेगा.

> लॉटरी कंपनी ने कुल 1300 करोड़ रुपये चंदा दिए हैं. यहां यह ध्यान देने वाली बात है कि ईडी ने 2019 की शुरुआत में फ्यूचर गेमिंग के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग की जांच शुरू कर दी थी.

सबसे ज्यादा इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिये चंदा देने वाली कंपनी फ्यूचर गेमिंग एंड होटल्स प्राइवेट लिमिटेड है, जिसके मालिक सैंटियागो मार्टिन हैं. लॉटरी कंपनी ने कुल 1300 करोड़ रुपये चंदा दिए हैं. यहां यह ध्यान देने वाली बात है कि ईडी ने 2019 की शुरुआत में फ्यूचर गेमिंग के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग की जांच शुरू कर दी थी. उसी साल जुलाई में उसने कंपनी से जुड़े 250 करोड़ की संपत्ति जब्त कर ली थी. 2 अप्रैल, 2022 को ईडी ने कंपनी की 409.92 करोड़ की संपत्ति जब्त कर ली. इन संपत्तियों की जब्ती के पांच दिनों बाद 7 अप्रैल को फ्यूचर गेमिंग ने 100 करोड़ रुपये के इलेक्टोरल बॉन्ड खरीदे. ईडी ने सैंटियागो मार्टिन और उसकी कंपनी फ्यूचर गेमिंग सोल्यूसन्स (पी) लिमिटेड, मौजूदा दौर में फ्यूचर गेमिंग एंड होटल सर्विसेज (पी) लिमिटेड और इसके पहले मार्टिन लाटरी एजेंसीज लिमिटेड के खिलाफ पीएमएलए के प्रावधानों के तहत सीबीआई द्वारा दायर की गयी एक चार्जशीट के आधार पर जांच शुरू की. ईडी के मुताबिक मार्टिन और दूसरे लोग सिक्किम सरकार को धोखा देकर गलत तरीके से लाभ हासिल करने के लिए लॉटरी रेगुलेशन एक्ट 1998 के प्रावधानों के उल्लंघन के जरिये एक आपराधिक षड्यंत्र में शामिल हुए. अनिल अग्रवाल का वेदांता ग्रुप पांचवां सबसे बड़ा दानदाता है, जिसने 376 करोड़ रुपये के बॉन्ड खरीदे हैं. उसने बॉन्ड की पहली किश्त अप्रैल 2019 में खरीदी. ध्यान देने वाली बात यह है कि ईडी ने वीजा के बदले घूस के मामले में वेदांता समूह के शामिल होने के प्रमाण होने का दावा किया, जिसमें चीनी नागरिकों को नियमों को तोड़ कर वीजा देने का आरोप लगा था.

सुभाषित

यदि सन्ति गुणाः पुंसां विकसन्त्येव ते स्वयं।
न हि कस्तूरिकामोदः शपथेन विभाव्यते।।

मनुष्य के गुण अपने आप फैलते हैं, बताने नहीं पडते. जिस तरह, कस्तूरी की गंध को सिद्ध नहीं करना पडता. अर्थात यदि आप में गुण है तो उसके बहुत प्रचार की आवश्यकता नहीं होती. गुण स्वयं ग्रहण करनेवालों तक पहुंच जाया करता है.

सबसे दिलचस्प चुनाव के मुहाने पर

वर्तमान परिस्थितियों में क्षेत्रीय दलों के या कांग्रेस के भी नेता भाजपा में शरीक होते हैं तो बात समझ में आती है, ऐन चुनाव के पहले भाजपा छोड़नेवाले भी महानुभाव हैं, यह जानकर मन कुछ-कुछ सोचने लगता है. दूसरा कार्यकाल पूरा करने जा रहे हरियाणा के सीएम मनोहर खट्टर को 12 मार्च को अचानक हटाकर नायब सिंह सैनी की ताजपोशी एंटीइंकम्बेंसी से बचाव और ओबीसी वोट पर भाजपा के धावे की ललक बयान करती है.

• देश-काल

श्याम किशोर चौबे

हम एक ऐसे दिलचस्प चुनाव के मुहाने पर खड़े हैं, जिसमें हर तरफ से गारंटियां ही गारंटियां दी जा रही हैं. जब तक ये पंक्तियां आप तक पहुंचें, संभव है, चुनावी रणभेरी बज चुकी हो. इसके पहले पहली मर्तबा इतना कुछ घटने लगा, जिसकी सानी नहीं. कोलकाता हाईकोर्ट के जस्टिस अभिजीत गंगोपाध्याय इस्तीफा कर भाजपा में शामिल हो गये तो आठ मार्च को चुनाव आयुक्त अरुण गोयल ने इस्तीफा दे दिया, हालांकि उनका कार्यकाल 5 दिसंबर 2027 तक शेष था और वे मुख्य चुनाव आयुक्त बन सकते थे. उन्होंने यह जानते हुए इस्तीफा किया कि आम चुनाव होने ही वाला है और उनकी रुखसती के बाद निर्वाचन आयोग में मुख्य चुनाव आयुक्त ही बचेंगे. 7 मार्च को वे मुख्य चुनाव आयुक्त संग बंगाल गये थे, लेकिन प्रेस कांफ्रेंस से खुद को अलग रखा. अगले दिन वे केंद्रीय गृह सचिव संग होनेवाली बैठक में भी नहीं गये, अलबत्ता इस्तीफा जरूर कर दिया. उन्होंने निजी कारणों से पदत्याग की बात कही, लेकिन कुछ और बात तो है. उनके पहले 18 अगस्त 2020 को तत्कालीन चुनाव आयुक्त अशोक लवासा ने 2019 के चुनाव में आयोग के कुछ फैसलों पर असहमति जताते हुए पदत्याग किया था. आखिर चुनाव आयुक्तों को हो क्या गया है? यही मर्ज पड़ोस में तब नजर आया था, जब चुनाव में धांधलियों को स्वीकारते हुए रावलपिंडी के कमिश्नर लियाकत अली चट्ठा ने 17 फरवरी को इस्तीफा कर दिया था.

उधर इलेक्टोरल बॉन्ड का हिसाब-किताब जमा करने के मसले पर सुप्रीम कोर्ट ने देश के सबसे बड़े बैंक एसबीआई को झिड़की देते हुए 11 मार्च को केवल 24 घंटे की मोहलत दी, उससे लगता है कि बॉन्ड में बड़ा झोल है. बैंक ने 04 मार्च को अर्जी लगाकर 30 जून तक समय मांगा था. तबतक तो आम चुनाव की प्रक्रिया पूरी हो जाती. शीर्ष अदालत के आदेश पर इलेक्टोरल बॉन्ड की मार्फत राजनीतिक दलों को मिली रकम चुनाव आयोग द्वारा 15 मार्च तक सार्वजनिक किया जाना है. भले ही धनिकों ने इलेक्टोरल बॉन्ड खरीदे, लेकिन गरीबों को यह जानने का हक है कि आदर्श राजनीतिक दलों पर किस प्रकार धन वर्षा की जाती है.

इधर जिस तरह राजनीतिक गतिविधियां परवान चढ़ रही हैं, वे तसल्लीबख्श नहीं कही जा सकतीं. 10 मार्च को एक सीनियर भाजपा सांसद अनंत हेगड़े ने पार्टी के नारे 'अबकी बार 400 पार' का खुलासा करते हुए बेंगलुरू में कहा, हमें 400 पार सांसद इसलिए चाहिए, ताकि हम संविधान संशोधन कर सकें. 11 मार्च को अधिसूचित सीएए का '400 पार' से गहरा रिश्ता है न! उधर, झाड़ग्राम के भाजपा सांसद कुनार हेम्ब्रम ने इस्तीफा कर दिया और भाजपा विधायक मुकुट मणि अधिकारी टीएमसी में चले गये तो हरियाणा के भाजपा सांसद बृजेंद्र सिंह कांग्रेस के हो गये, जबकि ईडी के घेरे में फंसे उद्धव ठाकरे गुट के विधायक रविंद्र वायकर सत्ताधारी एनडीए की पार्टनर एकनाथ शिंदे की शिवसेना में चले गये. वर्तमान परिस्थितियों में क्षेत्रीय दलों के या कांग्रेस के भी नेता भाजपा में शरीक होते हैं तो बात समझ में आती है, ऐन चुनाव के पहले भाजपा छोड़नेवाले भी महानुभाव हैं, यह जानकर मन कुछ-कुछ सोचने लगता है. दूसरा कार्यकाल पूरा करने जा रहे हरियाणा के सीएम मनोहर खट्टर को 12 मार्च को अचानक हटाकर नायब सिंह सैनी की ताजपोशी एंटीइंकम्बेंसी से बचाव और ओबीसी वोट पर भाजपा के धावे की ललक बयान करती है. कई महीनों से मौन धारण किये मूलतः भाजपाई, फिलहाल झारखंड के निर्दलीय विधायक सरयू राय ने 10 मार्च को एक बार फिर मुंह खोला. उन्होंने भारतीय जनतंत्र मोर्चा के कार्यकर्ता सम्मेलन में कहा, पिछली सरकार, जिसमें मैं मंत्री था, में 35 घोटाले हुए, जबकि तीन घोटालों में हेमंत सोरेन बंदी बना लिये गये. ईडी और सीबीआई ऐसा जरूर करे ताकि उसका दोहरा मानदंड नजर न आये. जाहिर है कि वे पूर्ववर्ती एनडीए सरकार पर ही निशाना साध रहे थे. उनको आम चुनाव में भाजपा से टिकट मिलने की चर्चा थी, लेकिन बात बनी नहीं. उधर, बिहार में लालू प्रसाद के करीबी नेता और बालू कारोबारी सुभाष यादव के ठिकानों पर छापामारी के बाद ईडी ने 10 मार्च को गिरफ्तारी कर ली और 12 मार्च को झारखंड की कांग्रेस विधायक अम्बा प्रसाद के ठिकानों पर दबिश डाल दी. ईडी, सीबीआई या आईटी भले ही बिला वजह कार्रवाई न कर रहे हों, किंतु एक सवाल तो है, कुछ खास राजनीतिक दलों से जुड़े लोग या संस्थाएं ही उनकी नजरों पर क्यों चढ़ रहे हैं? सीबीआई को सुप्रीम कोर्ट ने पिछले दशक के यूपीए कार्यकाल में पिंजरे का तोता कहा था, अब ये एजेंसियां कहीं एटम बम तो नहीं बना दी गई हैं? 140 करोड़ वाले देश में भले ही 81.5 करोड़ लोग सरकार द्वारा दिये जा रहे पांच किलो राशन पर जीवन बसर कर रहे हैं, लेकिन सरकारी खजाने इतने लबालब हैं कि आये दिन जैकेट पेज के अलावा भी दो-दो, तीन-तीन पेज का विज्ञापन जारी करने में कोई संकोच नहीं करते. गरीबों के देश की सरकारें कितनी अमीर हैं और केंद्र की सरकार कितना ख्याल रखती है! उसने महिला दिवस के दिन रसोई गैस की कीमतों में सौ रुपये की कमी कर देश भर की महिलाओं को सौगात दी. इसके पहले तक रसोई गैस की कीमतें सुरसा के मुंह की तरह बढ़ती ही चली जा रही थीं, उसे क्या कहेंगे? दरअसल धन तो अब बरसनेवाला है. भले ही यह इकतरफा हो, लेकिन चुनाव के समय जितनी शाहखर्ची दिखायी जाएगी, उसकी मिसाल ढूंढते रह जाएंगे. चुनाव बाद ताज जिसके सिर जाए, अभी हर ओर से चक्रव्यूह रचा जा रहा है और राजा-महाराजाओं की हर शाहखर्ची की कीमत अवाम को ही चुकानी पड़ती है. इसके लिए तैयार रहना चाहिए.

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

मायावी ज्ञान

एक गांव में सप्ताह के एक दिन प्रवचन का आयोजन होता था. इसकी व्यवस्था गांव के कुछ प्रबुद्ध लोगों ने करवाई थी ताकि भोले-भाले ग्रामीणों को धर्म का कुछ ज्ञान हो सके. प्रवचन के लिए प्रबुद्ध जन ढूंढ कर किसी न किसी ज्ञानी को बुलाते थे और गांव वाले उनके प्रवचन का आनंद उठाते थे. एक बार उन्हें एक ऐसे ज्ञानी से पाला पड़ गया, जिसे समझना बहुत ही मुश्किल हो गया. एक दिन उस ज्ञानी पुरुष को बुलाया गया. गांव वाले समय से पहुंच गए. ज्ञानी पुरुष ने पूछा - क्या आपको मालूम है कि मैं क्या कहने जा रहा हूं? गांव वालों ने कहा - नहीं तो.... ज्ञानी पुरुष गुस्से में भरकर बोले - जब आपको पता ही नहीं कि मैं क्या कहने जा रहा हूं तो फिर क्या कहूं. वह नाराज होकर चले गए. गांव वाले भौंचक रह गये. उन्हें दुखी देखकर गांव के सरपंच उनके पास दौड़े हुए पहुंचे और क्षमायाचना करके कहा कि गांव के लोग तो अनपढ़ हैं, वे क्या जानें कि क्या बोलना है. ज्ञानी पुरुष और सरपंच के बीच काफी समय तक विवाद होता रहा. किसी तरह उन्होंने ज्ञानी पुरुष को फिर आने के लिए मना लिया. अगले दिन आकर उन्होंने फिर वही सवाल किया -क्या आपको पता है कि मैं क्या कहने जा रहा हूं? इस बार गांव वाले सतर्क थे. उन्होंने छूटते ही कहा - हां, हमें पता है कि आप क्या कहेंगे. ज्ञानी पुरुष भड़क गए. उन्होंने कहा -जब आपको पता ही है कि मैं क्या कहने वाला हूं तो इसका अर्थ हुआ कि आप सब मुझसे ज्यादा ज्ञानी हैं. फिर मेरी क्या आवश्यकता है? यह कहकर वह चल पड़े. गांव वाले फिर दुविधा में पड़ गए कि आखिर उस सज्जन से किस तरह पेश आएं, क्या कहें. उन्हें फिर समझा-बुझाकर लाया गया. इस बार ज्ञानी पुरुष को ही चौंकने की बारी थी. हुआ यह कि जब उन्होंने वही सवाल किया तो गांव वाले उठकर जाने लगे. ज्ञानी पुरुष ने क्रोध में कहा - अरे, मैं कुछ कहने आया हूं तो आप लोग जा रहे हैं. इस पर कुछ गांव वालों ने हाथ जोड़कर कहा – देखिए महाराज, आप परम ज्ञानी हैं. हम गांव वाले मूढ़ और अज्ञानी हैं. हमें आपकी बातें समझ में नहीं आतीं. कृपया अपने अनमोल वचन हम पर व्यर्थ न करें. ज्ञानी पुरुष अकेले खड़े रह गए. उनका घमंड चूर-चूर हो गया. घमंड करने वाले का सिर कभी न कभी झुकता ही है और वह भी शर्मिंदगी के साथ.

चुनावों में पारदर्शिता के लिए और ठोस पहल जरूरी

• विमर्श

विश्वनाथ

चुनावी बॉन्ड की व्यवस्था जब से हुई थी, उसके औचित्य पर सवालिया निशान लग रहे थे. शंका इस बॉन्ड को लेकर नहीं, इसके बारे में जनता को जानकारी न देने को लेकर थी. यह तो देश के मतदाता को बताया जा रहा था कि कितने के बॉन्ड बिके और किस पार्टी के हिस्से में कितने रुपये आये, पर यह बताने से लगातार इंकार किया जाता रहा कि पैसा दिया किसने. यह जानकारी यदि मतदाता को मिल जाती तो शायद उसे यह भी समझ आ जाता कि बॉन्ड खरीदने वाले ने किसको क्या दिया और उसके बदले में उसे क्या मिला? यही बात थी जिसे छिपाया जा रहा था. लेकिन क्यों? क्यों मतदाता को यह पता न चले कि किस धन्नासेठ ने किस राजनीतिक दल को कितना दिया है? एक तरफ तो हमने जानकारी के अधिकार को जनतांत्रिक मूल्य के रूप में स्वीकारा है और दूसरी ओर राजनीतिक दलों और कार्पोरेट के आर्थिक रिश्तों पर इस तरह पर्दा डालने की कोशिश का क्या मतलब निकाला जाये? मतलब साफ है. इस व्यवस्था के चलते राजनीतिक दल, विशेषकर सत्तारूढ़ दल के लिए अपने आर्थिक व्यवहार की अनियमितता को छिपाना आसान हो रहा था. जनतांत्रिक मूल्यों की लड़ाई लड़ने वाले इस 'आसानी' का विरोध कर रहे थे. मामला अदालत में पहुंचा. सुप्रीम कोर्ट ने यह निर्णय दिया कि मतदाता को यह जानकारी प्राप्त करने का अधिकार है कि किसने किस राजनीतिक दल को कितना पैसा दिया है. इसके साथ ही न्यायालय ने चुनावी बॉन्ड जारी करने वाले स्टेट बैंक ऑफ इंडिया को एक निश्चित तिथि तक यह सारी जानकारी देने का निर्देश भी दिया था. लेकिन आश्चर्य की बात है कि उस तिथि के एक दिन पहले स्टेट बैंक ने न्यायालय को यह बताया कि जानकारी उपलब्ध कराने के लिए उसे अधिक समय की आवश्यकता है. उसने 'अधिक समय' को भी परिभाषित किया-बैंक ने जानकारी देने के लिए उतना समय मांगा था, जितने में देश में आम चुनाव हो जाते. मतलब साफ था- बैंक चाहता था कि उक्त जानकारी चुनाव के बाद दी जाये, ताकि सत्तारूढ़ दल को होने वाला संभावित खतरा टल जाये. यह निश्चित रूप से तो नहीं कहा जा सकता कि जानकारी किसी दल विशेष के लिए ही खतरा उत्पन्न करती, पर यह अनुमान लगाना स्वाभाविक है कि यह खतरा सत्तारूढ़ दल के लिए अधिक होता. इसीलिए स्टेट बैंक की इस पेशकश को सत्तारूढ़ दल के बचाव की एक कोशिश समझा गया. ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि चुनावी बॉन्ड के बारे में जानकारी उपलब्ध न कराने के लिए स्टेट बैंक बहानेबाजी ही कर रहा था. उच्चतम न्यायालय ने इस बहानेबाजी को समझा और स्पष्ट शब्दों में बैंक

> जनतांत्रिक मूल्यों की लड़ाई लड़ने वाले इस 'आसानी' का विरोध कर रहे थे. मामला अदालत में पहुंचा. सुप्रीम कोर्ट ने यह निर्णय दिया कि मतदाता को यह जानकारी प्राप्त करने का अधिकार है कि किसने किस राजनीतिक दल को कितना पैसा दिया है. इसके साथ ही न्यायालय ने चुनावी बॉन्ड जारी करने वाले स्टेट बैंक ऑफ इंडिया को एक निश्चित तिथि तक यह सारी जानकारी देने का निर्देश भी दिया था.

को निर्देश दिया कि एक दिन में ही सारी जानकारी चुनाव-आयोग को उपलब्ध कराये और चुनाव-आयोग को भी निर्देश दे दिये गये कि वह भी एक निश्चित दिन तक यह जानकारी देश के मतदाता तक पहुंचा दे. बैंक ने शीर्ष अदालत के निर्देश पर आयोग को जरूरी जानकारी उपलब्ध करा दी है. बहरहाल, उम्मीद की जानी चाहिए कि उच्चतम न्यायालय का यह निर्णय चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने में मददगार सिद्ध होगा. लेकिन, इस संदर्भ में जो कुछ हुआ है, उससे यह सवाल तो उठता ही है कि स्वायत्त सरकारी एजेंसियां सरकार के दबाव में तो काम नहीं कर रहीं? आखिर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने जानकारी देने के लिए इतना अधिक समय क्यों मांगा? क्या कोई दबाव था उस पर? आयकर विभाग, प्रवर्तन निदेशालय, सीबीआई जैसी शक्तिशाली एजेंसियों पर सरकारी दबाव में काम करने के आरोप लगते ही रहते हैं, ऐसा नहीं है कि बैंकों पर सरकारें दबाव नहीं डालती रहीं, पर चुनावी बॉन्ड के मामले में स्टेट बैंक जैसी समर्थ संस्था पर सरकारी दबाव का ऐसा आरोप लगना जागरूक नागरिकों के लिए अतिरिक्त चिंता का विषय होना चाहिए. चुनावी बॉन्ड को लेकर बरती गयी अनावश्यक गोपनीयता के बाद बैंक पर सत्तारूढ़ दल के कथित दबाव का संदेह होना एक गंभीर बात है. जैसा कि कहते हैं, न्याय होना ही नहीं चाहिए, होते हुए दिखना भी चाहिए, स्वायत्त संस्थाओं से यह अपेक्षा की जाती है कि वे अपने अधिकारों-कर्तव्यों के प्रति सजग होंगी. अतिरिक्त समय की मांग करके और चुनावों के समय के साथ अवधि के जुड़ने से उत्पन्न संदेह न होता तो बेहतर था. यहीं, चुनाव-आयोग के गठन का मसला भी कम महत्वपूर्ण नहीं. पहले उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश, प्रधानमंत्री और लोकसभा में नेता विपक्ष मिलकर आयोग के सदस्यों का चुनाव करते थे, लेकिन अब संसद में बहुमत का सहारा लेकर सरकार ने नया कानून बनाया है, मुख्य न्यायाधीश चयन-समिति में नहीं रहे, उनकी जगह प्रधानमंत्री द्वारा किसी मंत्री को उसमें शामिल किया गया है.

विपक्ष के लिए चुनावी खतरे की घंटी है सीएए

• सामयिकी

दीपक पाचपोर

ऐसे वक्त में जब देश आम चुनावों की दहलीज पर है, भारतीय जनता पार्टी की केन्द्र सरकार ने नागरिकता संशोधन अधिनियम (सिटीजनशिप अमेंडमेंट एक्ट- सीएए), 2019 को सोमवार को अधिसूचित कर अपने कई इरादों को जाहिर कर दिया है. भाजपा के एकमात्र चेहरे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की छवि में लगातार गिरावट तथा उनकी सरकार की सभी मोर्चों पर नाकामियां दर्ज होने के बाद सीएए लाना यही बतलाता है कि 10 वर्षों तक सरकार चलाने के बाद भी पार्टी का एकमात्र हथियार अब भी ध्रुवीकरण ही है. इतना ही नहीं, सीएए लागू करने के बाद केन्द्र सरकार अगर तीसरा कार्यकाल पाने में सफल हो जाती है तो वह और क्या करने जा रही है- इसका भी संकेत इसी में छिपा हुआ है. मोदी व भाजपा को तीसरी बार सत्ता में लाना देश के लिए कितना खतरनाक हो सकता है- सम्भवतः यह समझ विपक्षी दलों एवं इंडिया गठबन्धन को इससे हो जानी चाहिये. हालांकि देखना यह भी होगा कि सीएए भाजपा ऐसे वक्त पर भी लेकर आई है जब वह इलेक्टोरल बॉन्ड्स के मामले में सुप्रीम कोर्ट के कठघरे में है, जहां से यह संदेश देश भर में चला गया है कि उसने देश के धनिक वर्ग से खूब पैसे बटोरे हैं. सीएए काफी समय से लम्बित था. 2019 में पहले लोकसभा और फिर राज्यसभा से यह पारित तो हो गया था, परन्तु कोरोना के कारण इसे लागू नहीं किया गया था. इसका मकसद तीन पड़ोसी देशों-पाकिस्तान, बांग्लादेश एवं अफगानिस्तान से आने वाले वहां के अल्पसंख्यकों को नागरिकता प्रदान करना है, जो उन देशों में धार्मिक रूप से प्रताड़ित हैं. ये सारे ही गैर मुसलिम समुदाय हैं. यह कह देना और इतना ही समझ लेना पर्याप्त नहीं है कि इलेक्टोरल बॉन्ड्स पर सरकार की हो रही फजीहत से ध्यान बंटाने के लिए भाजपा सरकार सीएए लेकर आई है. भाजपा पहले भी इसे लागू करना चाहती थी, पर विभिन्न कारणों से ऐसा वह कर नहीं पायी थी. तीसरी बार मोदी इन्हें लागू करने के लिए ही सत्ता में आना चाहते हैं. नागरिकों पर कई तरह से निगरानियां होने एवं नागरिकता छीनने के हथियार किसी भी सरकार के पास उपलब्ध हो जायेंगे तो नागरिक स्वतंत्रता का क्या होगा, इसकी सहज ही कल्पना की जा सकती है. पुराने दस्तावेजों के आधार पर लोगों की नागरिकता की शर्त को वे ही लोग पूरा कर सकेंगे, जिनका जीवन सुव्यवस्थित व सुविधापूर्ण है. गरीब, दलित, अल्पसंख्यक, प्रवासी मजदूर, किसान, आदिवासियों जैसे वर्गों के लिए अपनी नागरिकता साबित करना मुश्किल हो जायेगा. यह आशंका पहले भी व्यक्त की गयी थी, अब उसका खतरा कहीं साकार रूप में सामने आता दिख रहा है. सीएए को लागू कर भाजपा ने एक तरह से इसका ऐलान कर ही दिया है. सीएए को लागू किया जाना विपक्ष को चेतावनी की घंटी के रूप में लेना चाहिये. यदि भाजपा को इस बार भी पूर्ण बहुमत मिलता है तो इसमें कोई शक नहीं कि भारत को एक बड़ा बदलाव देखना होगा. इसकी आशंका लगभग तभी से व्यक्त की जा रही है, जब भाजपा को 2014 में सरकार बनाने का मौका मिला था. यदि अगले कार्यकाल में उसे बड़ा बहुमत मिला तथा उसकी सरकार बनती है तो संविधान में किसी भी तरह के बदलाव के लिए तैयार रहना होगा- लोकतांत्रिक प्रणाली के बदले एकदलीय व्यवस्था से लेकर राष्ट्रपति शासन व्यवस्था- कुछ भी लागू हो सकती है. एक ऐसा शासन देखने को मिल सकता है, जिसमें भाजपा के अलावा सारे दल समाप्त हो सकते हैं और जिस 'कांग्रेस मुक्त' से 'विपक्ष मुक्त भारत' का सपना भाजपा देखती आ रही है- उसे वह पा सकेगी. सम्भावित प्रणाली में वह सब होता दिखेगा, जिसकी झांकियां पिछले 10 वर्षों से देशवासी देखते आ रहे हैं. इसमें बहुसंख्यकों का वर्चस्व होगा व अल्पसंख्यक दोयम दर्जे के समझे जायेंगे. भाजपा के अनुषांगिक संगठन एवं मातृ संस्था राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जिस मनुस्मृति का जिक्र बहुत आत्मीयता से करता है तथा उसे लागू होते देखना चाहते हैं, उसमें देर नहीं लगेगी. इसमें कोई शक नहीं कि भाजपा एवं उसके समविचारी संगठनों का भारतीय संविधान में कोई विश्वास नहीं है. विकल्प के रूप में उनके पास मनुस्मृति ही है.अगर ऐसा है तो एक बार फिर से भारतीय समाज गैरबराबरियों से परिपूर्ण होगा. बहुसंख्यकों व अल्पसंख्यकों के बीच ही नहीं, वरन हिन्दुओं के बीच अगड़ों व पिछड़ों के बीच खाई गहराएगी. समाज का यह विभाजन ऊर्ध्वाधर एवं क्षैतिज दोनों ही होगा.

> सीएए को लागू कर भाजपा ने एक तरह से इसका ऐलान कर ही दिया है. सीएए को लागू किया जाना विपक्ष को चेतावनी की घंटी के रूप में लेना चाहिये. यदि भाजपा को इस बार भी पूर्ण बहुमत मिलता है तो इसमें कोई शक नहीं कि भारत को एक बड़ा बदलाव देखना होगा. इसकी आशंका लगभग तभी से व्यक्त की जा रही है, जब भाजपा को 2014 में सरकार बनाने का मौका मिला था.

मीडिया में अन्यत्र

एक देश एक चुनाव : रिपोर्ट पेश

पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली एक उच्चस्तरीय समिति, जिसकी स्थापना सरकार के तीनों स्तरों पर एक साथ चुनाव की संभावनाओं का अध्ययन करने के लिए की गई थी, उसने सर्वसम्मति से इस विचार का समर्थन किया है और गुरुवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को भेजी गई रिपोर्ट में इसकी अनुशंसा की है. केंद्र और राज्य स्तरों पर सरकार बनाने के लिए चुनाव अलग-अलग समय पर होते हैं और एक साथ चुनाव कराने का विचार भी नया नहीं है. आजादी के बाद शुरुआती वर्षों में लोक सभा और राज्यों की विधान सभाओं के चुनाव एक साथ होते थे. यानी मूल विचार यह है कि संविधान में संशोधन के जरिये एक साथ चुनाव की व्यवस्था बन सके और इसे चुनाव प्रक्रिया का स्थायी गुण बनाया जा सके. एक साथ चुनाव कराने की बात सैद्धांतिक तौर पर समझदारी भरी लगती है और इसकी कई वजह हैं. उदाहरण के लिए चुनावी लोकतंत्र की प्रतिस्पर्धी प्रकृति को देखते हुए निरंतर चुनाव नीतिगत बहस को प्रभावित करते हैं, क्योंकि चुनावों को ध्यान में रखते हुए राज्यों तथा केंद्र में राजनीतिक दल अपने आचरण में बदलाव करते हैं. अगर एक साथ चुनाव होंगे तो सत्ताधारी दल तथा विपक्षी दल दोनों नीतिगत मामलों पर अगले आम चुनाव होने तक ठोस तरीके से काम करेंगे. इससे अनिश्चितता कम होगी और वृद्धि को गति प्रदान करने में मदद मिलेगी. पैनल ने जो तकनीकी काम प्रस्तुत किया है, वह दिखाता है कि वृद्धि, मुद्रास्फीति, निवेश और सार्वजनिक व्यय के संदर्भ में एक साथ चुनाव कराने से लाभ होगा. अलग-अलग समय पर चुनाव कराने की प्रत्यक्ष राजकोषीय कीमत बहुत अधिक नहीं है, लेकिन इससे उत्पन्न नीतिगत अस्थिरता शासन को प्रभावित करती है. यह विचार बेहतर है, लेकिन असली चुनौती है एक ऐसी प्रणाली तैयार करना जहां एक साथ चुनाव कराए जा सकें. ऐसा इसलिए कि लोक सभा या राज्यों की विधान सभाओं के चुनाव कई बार भिन्न-भिन्न वजहों से अलग-अलग समय पर हो सकते हैं. पैनल ने इस संदर्भ में यह अनुशंसा की है कि सबसे पहले राज्यों की विधान सभाओं और लोक सभा के चुनावों को सुसंगत बनाया जाना चाहिए.स्थानीय निकायों के चुनाव पहले चरण के 100 दिन के भीतर कराये जा सकते हैं. ऐसा करने के लिए समिति ने कहा है कि आम चुनाव के बाद लोक सभा की पहली बैठक एक नियत तिथि को होनी चाहिए. **(बिजनेस स्टैंडर्ड)**

शब्द चर्चा — डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

अंगार/अगार

कपि करि हृदयं बिचार, दीन्हि मुद्रिका डारि तब. जनु असोक अंगार, दीन्ह हरषि उठि कर गहेउ. यह रामचरितमानस के सुंदरकांड की चौपाई है. प्रसंग है, अशोक वटिका में माता सीता बैठी हैं. रावण आता है और उन्हें अपनी ओर देखने को कहता है. जब सीता नहीं देखतीं तो वह धमकी देता है-मास दिवस मोहि कहा न माना तो मैं काटब काढि कृपाना. वह वहां तैनात भयंकर राक्षसियों को सीता को खूब सताने का निर्देश देकर चला जाता है. सीता माता दुःखी होकर अशोक वृक्ष से प्रार्थना करती हैं कि अशोक आप तो सबके शोक हरनेवाले हैं. मुझे अंगार दे दीजिए, ताकि मैं स्वयं को जला कर कहानी ही समाप्त कर लूं. उसी अशोक वृक्ष पर हनुमान जी विराजमान हैं. सीता माता को दुःखी देखकर उन्होंने भगवान राम की दी हुई मुद्रिका उनके सामने गिरा दी. सीता माता ने यह समझ कर हर्षित होते हुए मुद्रिका उठा ली कि अशोक ने उन्हें अंगार दे दिया. यह अंगार क्या है? हिंदी शब्द सागर के अनुसार अंगार संस्कृत का तत्सम संज्ञा पुल्लिंग शब्द है. इसका अर्थ है दहकता हुआ कोयला, आग का जलता हुआ टुकड़ा, बिना धुएं की आग, मंगल, लाल रंग, हितावली नाम का पौधा. इस शब्द का विशेषण के रूप में अर्थ है लाल रंग वाला. अंगार से कई मुहावरे हिंदी भाषा में खूब चलते हैं. जैसे अंगार उगलना यानी कड़ी-कड़ी बातें मुंह से निकालना, अंगार बनना यानी गुस्से से भर जाना, अंगार बरसना यानी अत्यधिक गर्मी पड़ना, दैवी आपत्ति आना. अंगार के पहले अक्षर से अगर अनुस्वार गायब हो जाये तो शब्द बनेगा अगार. यह भी तत्सम संज्ञा पुल्लिंग शब्द है और इसका अर्थ है निवास स्थान, धाम, गृह, आगे का स्थान, अगला हिस्सा, अग्र भाग, अगाड़ी, पहले, प्रथम, अगुआ, नेता, मुखिया. इससे बनता है अगारदाही, जिसका मतलब है मकान को जलानेवाला व्यक्ति. अगारि का मतलब है कम गहरा. इसी प्रकार अगारी शब्द का मतलब है अगाड़ी, मकान मालिक.

गलत कहूं तो मेरा नाम बदल देना!

• तीर-तुक्का

डॉ. सुरेन्द्र वर्मा

पहचान के लिए नामकरण ज़रूरी है. जबतक किसी वस्तु या व्यक्ति को कोई नाम नहीं दे दिया जाता, उसकी विशिष्ट पहचान नहीं हो पाती. बच्चे के पैदा होते ही उसका कोई न कोई नाम रख दिया जाता है. उसका नामकरण बड़े समारोह पूर्वक किया जाता है. नाम वस्तु या व्यक्ति से कुछ इस प्रकार जुड़ जाता है कि दोनों को अलग नहीं किया जा सकता. लोटा नाम न हो तो लोटा आप किसे कहेंगे? देश में एक बार नाम बदलने की मुहिम शुरू हो गई. बल्कि कहना चाहिए, नाम बदलने की राजनीति ही आरम्भ हो गई. जिसका भी नाम पसंद नहीं आया, उसे बदल डाला गया. एक का बदला, दूसरे का बदला, तीसरे, चौथे का बदला. सिलसिला चल निकला. नाम बदलने का यह सिलसिला फिलहाल तो नगरों और स्थानों तक ही सीमित है, पर बात निकली है तो न जाने कहां तक पहुंच जाए और व्यक्तियों के भी नापसंद नाम तक बदल दिए जाएं! जिला फैजाबाद को अयोध्या बनाया गया है. क्या पता फैज़ अहमद फैज़ को अयोध्या अहमद अयोध्या कहने पर बाध्य कर दिया जाए. कोई कोई नाम इस प्रकार मजेदार यात्रा करने का अच्छा खासा मज़ा लूटते हैं. काशी को बनारस कहें या वाराणसी, शहर तो वही रहेगा. बंबई मुम्बई हो गया और मद्रास, चेन्नई बन गया, लेकिन शहर जैसे थे वैसे ही रहे इलाहाबाद पहले शायद प्रयाग हुआ करता था, अब प्रयागराज हो गया है. लेकिन इलाहाबाद का जो विशिष्ट इलाहाबादी मिज़ाज है, वह प्रयागी मिज़ाज तो कभी बन नहीं सकता. राजनीति से प्रेरित कुछ लोगों को कुछ नाम गवारा नहीं होते. वे इन नागवार नामों को को मिटा देना चाहते हैं. गलत कहूं तो मेरा नाम ही बदल देना. राम नाम की लूट है लूट सके तो लूट. लोगों ने राम नाम को खूब लूटा है. किसी के नाम के आगे राम हैं तो किसी के नाम के पीछे राम विराजमान हैं. कोई राम प्रकाश है तो कोई तेनाली राम हैं. तो कोई खुद ही रामजी बने बैठे हैं. किसी के लिए राम-राम अभिवादन बन गया तो कोई धत-काम के लिए मुंह बिरा कर राम राम कहने लगा. मरने पर तो राम राम सत्य हो ही जाती है. कोई असंभव काम न हो पाए तो राम भजो. वैसे भी राम नाम के जाप की हिन्दू धर्म में बड़ी महत्ता मानी गई है. बाकी समय पर हम राम की सत्यता पर भले ही शक करें,मरने पर तो राम नाम सत्य हो ही जाता है. जो बात अन्य वस्तुओं और व्यक्तियों पर सही है, राम पर भी सही उतरती है. राम को किसी भी नाम से क्यों न पुकारें, (भगवान कहें, 'गॉड' कहें, अल्लाह कहें) राम तो राम ही रहेगा. नाम में क्या रखा है?

हस्ताक्षर

आलम आरा से मिली थी भारतीय सिनेमा को आवाज

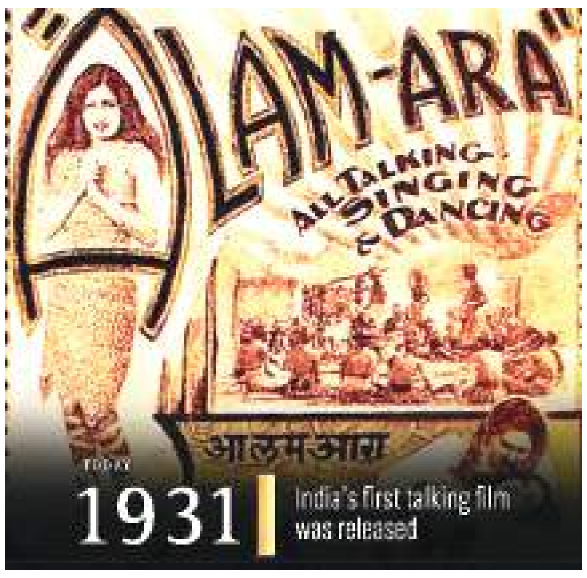

आज यह जानकारी वाकई चकित करती है कि भारत में सिनेमा को आवाज भले ही 1931 में मिली, लेकिन ब्रिटिश सरकार ने उस पर सेंसर 1918 में और मनोरंजन कर 1922 में ही लगाना शुरू कर दिया था. भारत में सिनेमा के आरंभिक दौर के विवेचन पर लगता यही है कि यहां सिनेमा अपनी संप्रषणीयता और लोकप्रियता के लिए ध्वनि की प्रतिक्षा में नहीं था. भारत की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से जुड़ी फिल्मों की अपार सफलता ने फिल्मकारों के सामने विषय का असीम क्षितिज ला खड़ा किया. 1918 में एस.एन. पाटनकर ने 'रामवनवास' के कथानक पर चार फिल्मों की लगातार बनाकर एक नयी शुरूआत की. इस दौर में अधिकांश फिल्में धार्मिक- ऐतिहासिक कथानकों पर ही बनीं. यह फिल्मकारों का दोहरा हित साध रही थीं, एक ओर गुलामी के दौर से गुजरती जनता को अपने गौरवशाली अतीत से जोड़ने की उन्हें रचनात्मक संतुष्टि मिलती, दूसरी ओर फिल्म को मिल रही सफलता उन्हें व्यापारिक लाभ भी देती. इतना ही नहीं, भारतीय सिनेमा ने विश्व स्तर की अपनी पहचान भी ध्वनि हासिल करने के पूर्व ही प्राप्त कर ली थी, जब हिमांशु राय ने 1925 में एक जर्मन फिल्म कंपनी के साथ गौतम बुद्ध के जीवन पर आधारित 'लाइट ऑफ एशिया' बनायी. इस फिल्म को लंदन में वर्ष की सर्वश्रेष्ठ फिल्म के रूप में स्वीकार किया गया. जिस समय सिनेमा को ध्वनि का कमाल हासिल हुआ, उस समय भारत में मूक सिनेमा लोकप्रियता के शिखर पर था. 1931 में जब आर्देशिर ईरानी 'आलमआरा' बना कर भारतीय सिनेमा में एक नयी शुरूआत करने जा रहे थे, उस वर्ष भी भारत में 207 मूक फिल्में रिलीज हुई और यह क्रम कमोबेश 1934 तक जारी रहा. नयी तकनीक के प्रति आरंभिक हिचक भारतीयों के स्वभाव में आज भी है, जाहिर है उस समय के फिल्मकार भी इससे परे नहीं थे, लेकिन ध्वनि के जादू से सम्मोहित होने से अपने आपको अधिक देर तक वे बचाये नहीं रख सके.

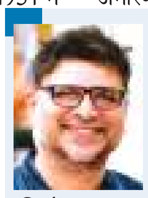

विनोद अनुपम
वरिष्ठ फिल्म स्तंभकार

अमेरिका में 1927 में एलन क्रासलैंड ने पहली बोलती फिल्म 'द जाज सिंगर' बनायी जिसका भारत में कलकत्ता के एलफिंस्टन पैलेस को भारत के पहले 'टॉकिज' का श्रेय मिला. टॉकीज के आने की देर थी कि कभी भारत में हॉलीवुड के यूनिवर्सल पिक्चर्स के प्रतिनिधि रहे आर्देशिर ईरानी ने लंदन जाकर ध्वनि मुद्रण की कला सीखी और 1931 में भारत की पहली बोलती फिल्म 'आलमआरा' बन कर तैयार हुई. यह फिल्म 10500 फीट लम्बी थी और उस समय इसकी लागत लगभग 40 हजार रूपए आयी थी. सुर और संगीत से सजी इस अनूठी कृति को देखने लोग उमड़ पड़े. कहा जाता है कि सिनेमा के टिकटों की कालाबाजारी की परंपरा भी 'आलम आरा' के साथ ही शुरू हुई.

दुःखद है कि आज 'आलमआरा' की एक भी प्रति भारत में उपलब्ध नहीं है. लेकिन उस समय की टिप्पणियों के आधार पर कहा जा सकता है कि यह फिल्म मूल रूप से पारसी थियेटर शैली में प्रदर्शित नाटक का फिल्मांकन भर थी. कैमरे का मूवमेंट उस समय नहीं था. राजघराने के परंपरागत प्रेम, धोखे, हत्या और युद्ध के कथानक पर आधारित इस फिल्म में जुबैदा के साथ पृथ्वीराज कपूर और धार्मिक फिल्मों के लोकप्रिय नायक मास्टर बिट्ठल ने मुख्य भूमिकाएं निभाई थी. भारत में बोलती फिल्मों की शुरूआत में सबसे बड़ी समस्या भाषा की थी. फिल्मकारों के सामने चुनौती थी ऐसी भाषा के चुनाव की जो सौ से भी अधिक भाषाओं उपभाषाओं वाले मुल्क में समान संप्रेषणीयता के साथ वृहत्तर समुदाय के पास पहुंच सके. आर्देशिर ईरानी ने गहन समझ-बूझ के साथ पहली बोलती फिल्म के लिए हिंदी-उर्दू के संयोग से बनी 'हिन्दुस्तानी' का चुनाव किया जिसका निर्वहन हिंदी सिनेमा आज भी कर रहा है.

इंटरव्यू

मेरे फिल्मी करियर की सबसे कठिन फिल्म है बस्तर : अदा

फिल्म 'द केरल स्टोरी' के बाद अभिनेत्री अदा शर्मा की नई फिल्म 'बस्तर - द नक्सल स्टोरी' को लेकर चर्चा में है जो शुक्रवार को ही रिलीज हुई है. अदा शर्मा के शब्दों में यह फिल्म उनके करियर की सबसे कठिन फिल्म है. इस फिल्म में अदा शर्मा ने बस्तर की पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) नीरजा माधवन की भूमिका निभाई है जो गर्भवती भी है. आइए, अदा शर्मा से साक्षात्कार के अंश से हों रू-ब-रू

'द केरल स्टोरी' ने आपके जीवन पर क्या प्रभाव डाला?

बेशक व्यक्तिगत जीवन वैसा ही है, कोई बदलाव नहीं आया है. हां प्रोफेशनल जीवन में महसूस होता है कि अब लोगों का मेरे प्रति विश्वास बढ़ा है. उस वक्त वाकई बेहद खुशी होती है जब शाहरुख खान, सलमान खान और रणबीर कपूर जैसे सुपरस्टार की बड़ी-बड़ी फिल्म के साथ लोग मेरी छोटी सी फिल्म का नाम भी ले लेते हैं.

तब तो 'द केरल स्टोरी' के बाद ऑफरों की भरमार हो गई होगी?

ऑफर तो आते रहते हैं, लेकिन अभी भी कुछ अच्छे प्रोजेक्ट्स का इंतजार है. किसी फिल्म के लिए ना कहना मेरे लिए सुखद स्थिति नहीं है, पर अच्छा काम करना ही मेरी प्राथमिकता है. 'द केरल स्टोरी' के बाद लोगों की मुझसे बेहतर काम करने की उम्मीदें बढ़ी हैं और मैं उन्हें निराश नहीं करना चाहती.

वेब सीरीज 'सनफ्लावर सीजन 2' करने की कोई खास वजह?

इस सीरीज में मेरा रोजी का किरदार है. इस किरदार को निभाने अनुभव बहुत शानदार रहा. यह किरदार मेरे दिल के करीब है, इसीलिए किया.

'बस्तर - द नक्सल स्टोरी' में काम का क्या अनुभव रहा?

यह मेरे फिल्मी करियर का सबसे कठिन फिल्म है. हालांकि इससे पहले मैं समझती थी कि 'द केरल स्टोरी' ही मेरे करियर की सबसे कठिन फिल्म हैं. इस फिल्म में मैंने आईजी नीरजा माधवन की भूमिका निभाई है. पहले यह किरदार पुरुष पात्र के हिसाब से लिखा गया था. मुझे खुशी है कि इसे निभाने का मुझे मौका मिला.
यह फिल्म एक सच्ची घटना पर आधारित है. हमारे देश के अंदर के ही दुश्मनों ने हमारे 76 जवानों को मार दिया. इस घटना के बारे में तो सबको पता है. यह कितनी दुखद बात है कि हमारे देश में ही हमारे दुश्मन छुपे बैठे हैं. इस फिल्म में हर किरदार का अपना महत्व है. चाहे वह छोटा किरदार हो या फिर कोई दूसरा किरदार हो. इस फिल्म का हर किरदार अपने आप में हीरो है.

फिल्म रिव्यू
बस्तर द नक्सल स्टोरी

फिल्म में नजर आया झारखंड सा दर्द

झारखंड हो या छत्तीसगढ़, नक्सलवाद कई दर्द की वजह रहा है जिस पर सरकारें पूरी तरह कभी काबू नहीं पा सकी. नक्सलवाद और नक्सलियों पर कई फिल्में भी बनी हैं. अब विपुल शाह द केरल स्टोरी के बाद नक्सल स्टोरी लाए हैं. फिल्म में अपनी पिछली सुपरहिट फिल्म 'द केरल स्टोरी' से बॉक्स ऑफिस पर सफलता का झंडा गाड़ने वाली एक्ट्रेस अदा शर्मा, डायरेक्टर सुदीप्तो सेन और क्रिएटिव प्रोड्यूसर विपुल शाह की तिकड़ी एक बार फिर साथ है. फिल्म 'बस्तर द नक्सल स्टोरी' से नक्सलवाद की स्याह सच्चाई को इस तिकड़ी ने सामने लाने की कोशिश की है जिसकी चर्चा हो रही है.

यह है कहानी

फिल्म की शुरुआत बस्तर के एक भीतरी इलाके में कुछ ग्रामीणों के द्वारा तिरंगा के सामने राष्ट्रगान से होती है. इससे नक्सली बौखला गए. उन्होंने तिरंगे की जगह लाल झंडा फहराया. इतना ही नहीं जिस ग्रामीण ने तिरंगा फहराया उसकी विभत्स हत्या कर दी. उसका बेटा नक्सली गतिविधियों में शामिल हो जाता है. उसकी पत्नी को आई जी पुलिस नीरजा माधवन सहारा देती है. गर्भवती नीरजा नक्सल मूवमेंट के खिलाफ जंग जारी रखे हुए हैं. एक दिन उसे नक्सलियों के बड़े नेता को पकड़ने में कामयाबी मिल जाती है. इससे तिलमिलाए नक्सली सीआरपीएफ की बटालियन पर धोखे से हमला करके कई जवानों की जान ले लेते हैं.

कमजोर दिल वाले ना देखें

फिल्म में डायरेक्टर ने दर्शकों को नक्सलियों की क्रूरता का अंदाजा दिलाने के लिए जमकर हिंसक दृश्य दिखाए हैं. यही कारण है कि सेंसर बोर्ड ने इस फिल्म को ए सर्टिफिकेट दिया है. विपुल शाह ये फिल्म जो कुछ दिखाती है वो देखने के लिए शायद हिम्मत चाहिए और जिस तरह से दिखाती है वो भी देखने के लिए हिम्मत चाहिए तो कमजोर दिल वाले शायद ये फिल्म नहीं देख पाएंगे. जहां तक एक्टिंग का सवाल है अदा शर्मा द केरला स्टोरी से एक कदम आगे खड़ी नजर आती है. आईपीएस नीरजा माधव की जिंदगी को अदा ने जिया है. अन्य कलाकारों में शिल्पा शुक्ला, राइमा सेन, यशपाल शर्मा आदि ने भी बढ़िया काम किया है. निर्देशन की दृष्टि से डायरेक्टर सुदीप्तो सेन सफल दिखते हैं. फिल्म कहीं ढीली नहीं पड़ती है.

इनका कहना है

झारखंड के कला क्षेत्र के कुछ दिग्गजों ने रांची पीवीआर में "बस्तर - द नक्सल स्टोरी " का प्रीमियर शो गुरुवार को देखा. इन्हीं में से कुछ ने शुभम संदेश के साथ साझा किए फिल्म को लेकर अपने विचार...

अरसे बाद देखी ऐसी झकझोर देने वाली फिल्म

डॉ सुशील अंकन

कल रांची मे सुदीप्तो सेन द्वारा निर्देशित, विपुल ए शाह द्वारा निर्मित फिल्म "बस्तर - द नक्सल स्टोरी " का प्रीमियर शो देखने का अवसर मिला. कल बहुत दिनों के बाद किसी थिएटर मे सिनेमा देखने गया था. फिल्म "बस्तर द नक्सल स्टोरी" को हम कई एंगल से देख सकते हैं. फिल्म की अवधि लगभग 2 घंटे तीन चार मिनट के आसपास है.

अगर फिल्म के कंटेन्ट की बात करें तो बहुत दिनों के बाद एक ऐसी फिल्म देखने का अवसर मिला जो क्रूर कठोर सच्चाई के धरातल को रेखांकित करती है. भारतवर्ष के एक राज्य छतीसगढ़ के बस्तर में भारत का ही राष्ट्रीय ध्वज फहराना और भारतीय राष्ट्रीय गान किसी परिवार और ग्रामीणों को इतना महंगा पड़ेगा यह कल्पना से भी परे है. ऐसा करने पर नक्सलियों द्वारा पंचायत लगा के मनमाफ़िक फैसला सुनाते हुए उसकी पत्नी, बच्चे, ग्रामीणों और सब के सामने उसके शरीर के टुकड़े टुकड़े कर मौत की घाट उतार देना सचमुच दिल दहला देने वाला दृश्य था.
बार बार मन में एक ही प्रश्न कौंध रहा था कि अपने ही देश में अपना झण्डा फहराने पर नक्सलियों द्वारा नृशंस हत्या कर देने के पीछे कौन सी ताकत काम कर रही है. उन्हें आखिर इतनी ताकत मिलती कहां से है?
तब कोई दर्शक इस निर्णय पर पहुंच सकता है कि कैसे विदेशी नेटवर्क भारत के लोकतान्त्रिक व्यवस्था और मूल्यों को तहस नहस कर अपना उल्लू सीधा करते हैं. कैसे भारत के राजनेता, जुडीसीयरी, यूनिवर्सिटी, पुलिस, पत्रकारिता तथा पूंजीवादी सिस्टम में पैसे के खेल से घुसे हुए नक्सली पूरे भारतीय सिस्टम को घुन की तरह खोखला कर रहे हैं. भारतीय सिस्टम में सफेदपोश बने हुए यही अर्बन नक्सली, नक्सली वारदातों को कैसे चतुराई से जस्टफाइ करते हैं. सलवा जुडुम यानि शांति की व्यवस्था के खिलाफ नक्सली इतने विद्रोही क्यों हो जाते हैं और शहरों में छुपे हुए सफेदपोश नक्सली उस सलवा जुडुम को समाप्त करने के लिए कोर्ट कचहरी थाना पुलिस अखबार सब एक कर देते हैं. "बस्तर द नक्सल स्टोरी" फिल्म की पटकथा इसी बात का परत दर परत खुलासा करती है.
शहरी या आम लोग तो नक्सल समस्या के बारे में केवल सुनते रहे हैं किन्तु इस फिल्म में नक्सलवाद का वीभत्स और क्रूर चेहरा देख कर किसी का भी मन घृणा और विद्रोह से भर सकता है. मानवता को शर्मसार करती साम्यवाद की समानांतर व्यवस्था को स्थापित करने मे पूरा अर्बन नक्सल तंत्र एकमुश्त नेटवर्क की तरह काम करता है किन्तु उसका भी अंत, ईमानदार और दृढ़ इच्छा शक्ति वाले ऑफिसर से संभव है. जैसा कर्म वैसा फल के सिद्धांत को चरितार्थ करती यह फिल्म भारतीय सिनेमा की एक मजबूत कड़ी है.
फिल्म का तकनीकी पक्ष और अभिनय भी शानदार है. फिल्म में काम करने वाले कलकारों में अदा शर्मा, विजय कृष्ण, यशपाल शर्मा, राइमा सेन, नमन जैन, शिल्पा शुक्ला आदि ने अपनी अपनी भूमिकाओं के हिसाब से बढ़िया अभिनय किया है. इस फिल्म के विजुअल प्रभाव, पार्श्व संगीत, पटकथा, निर्देशन एवं अन्य तकनीकी पहलुओं में भी निर्देशक की अच्छी पकड़ दिखती है. अंत में कहा जा सकता है कि द केरला स्टोरी के निर्देशक सुदीप्तो सेन से बस्तर द नक्सल स्टोरी जैसी फिल्म का निकलना निर्देशकीय परिपक्वता दर्शाती है.
यह फिल्म भारतीय बाजार में कितना व्यवसाय कर पाएगी यह कह पाना तो कठिन है किन्तु भारतीय मूल्यों के तराजू में यह फिल्म निश्चित रूप से भारी और आंखे खोलने वाली है.

वास्तविकता के बेहद करीब है यह फिल्म

डॉ मधुरेश चंद्र

फिल्म बहुत अच्छी है, कलाकारों का अभिनय बेहतरीन है और कहानी वास्तविकता के करीब है. मैं केंद्रीय विद्यालय, कोरबा में दस साल पोस्टेड था और आसपास के इलाके को करीब से जानता हूं. फिल्म देखकर याद आ गई वह घटना जब तीन चोर के लिए नक्सलियों ने जंगल में अदालत बैठाई और बतौर सजा तीनों को गोली मार दी थी. सीआरपीएफ कैंप पर हमला कर 76 सैनिकों की हत्या करने की घटना जिसपर यह फिल्म बनी है, वह भी मुझे याद है. खबर तो यहां तक आई थी कि लाशों पर नक्सलियों ने कूद कर डांस किया था. माहौल को जान-समझ रहा था, इसलिए फिल्म अधिक जीवंत लगी.

कई बार हुईं आंखें नम

कुमकुम गौड़

इस फिल्म ने दिल को झकझोर दिया. कई बार आंखें नम हुई, कई बार आक्रोश हुआ तो कई बहुत दुखी हुई. गर्भवती पुलिस ऑफिसर का संघर्ष, उसका गर्भपात और महिला के सामने उसके पति का काटा जाना...ये दृश्य बहुत मार्मिक हैं. अंतिम दृश्य में नक्सली बन गए बेटे को मां का समझाना भी दिल को छू जाता है.

31 की हुई आलिया ताजमहल पैलेस में जश्न

आलिया भट्ट के जन्मदिन का जश्न मुंबई में ताजमहल पैलेस में मनाया गया जिसमें रणबीर कपूर, शाहीन भट्ट, सोनी राजदान और नीतू कपूर मौजूद थे. बर्थडे पार्टी में कपूर और भट्ट परिवार के अलावा आकाश अंबानी और उनकी पत्नी श्लोका मेहता, ईशा अंबानी और उनके पति आनंद पीरामल आदि स्पॉट किए गए. आलिया भट्ट सुनहरे कोर्सेट और नीली पैंट में दिखीं तो रणबीर कपूर ऑल ब्लैक आउटफिट में नजर आए. ताज महल पैलेस में एंटर करने से पहले, आलिया ने पैपराजी के सामने अपनी मिलियन-डॉलर की मुस्कान बिखेरी.

अनुपमा का टॉप पोजिशन बरकरार, दूसरा नंबर इसका

अनुपमा 2.6 नंबर्स के साथ टॉप पोजिशन पर है. पिछले हफ्ते की रेटिंग की तुलना में शो की संख्या लगातार बनी हुई है. शो का वर्तमान ट्रैक तोशू को सोने के गहने चुराने के आरोप में गिरफ्तार किए जाने के इर्द-गिर्द घूमता है. तोशु अनुपमा से उसे पुलिस हिरासत से छुड़ाने की रिक्वेस्ट करेगा, लेकिन इस बार वह अपने कदम पीछे हटा लेगी और उसे उसके किए की सजा भुगतने देगी.

गुम है किसी के प्यार में भी 2.3 नंबर्स के साथ दूसरे पायदान पर कायम है. शो का वर्तमान ट्रैक सवि और अन्य बच्चों के इर्द-गिर्द घूम रहा है जो भोसले इंस्टीट्यूट में हुए घोटाले का पर्दाफाश करते हैं.

'लाहौर 1947' में पहली बार साथ भिड़ेंगे सनी-करण

आमिर खान की फिल्म 'लाहौर 1947' में सनी देओल के बेटे करण देओल को भी कास्ट किया गया है. इस फिल्म के निर्देशक राजकुमार संतोषी हैं. मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो करण ने फिल्म के लिए ऑडिशन दिया था जो संतोषी और आमिर खान, दोनों को बहुत पसंद आया. अब सनी देओल पहली बार अपने बेटे करण देओल के साथ स्क्रीन शेयर करेंगे.
एक रिपोर्ट के अनुसार, एक नई बातचीत में संतोषी ने कहा कि वो जब भी सनी के ऑफिस या घर जाते थे, उन्हें करण बहुत प्रॉमिसिंग लगे. उन्होंने ही आमिर से बात की तो करण का ऑडिशन लिया गया, जो सभी को बहुत पसंद आया.

सिद्धार्थ की अदाकारी पर फिदा कियारा, कहा- हैं बेस्ट

सिद्धार्थ मल्होत्रा स्टारर योद्धा सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है जिसे उनकी पत्नी कियारा आडवाणी ने भी देखी. फिल्म देखने के बाद कियारा ने अपने पति की जम कर तारीफ की. उन्होंने सिर्फ सिद्धार्थ नहीं बल्कि दिशा और राशि खन्ना की तारीफों के पुल बांधे हैं.
करण जौहर निर्मित 'योद्धा' में सिद्धार्थ मल्होत्रा आर्मी मैन की भूमिका में नजर आए हैं. इस एक्शन थ्रिलर को लेकर लम्बे समय से इंतजार किया जा रहा था. फिल्म पर आलोचकों व दर्शकों की भूमिका तो सकारात्मक है ही, अब कियारा आडवाणी ने भी फिल्म को आउटस्टैंडिंग बताया है. कियारा ने अपने पति की तारीफों के पुल बांधे हैं. कियारा ने फिल्म के एक सीन से सिद्धार्थ की तस्वीर शेयर करते हुए लिखा कि " सिद्धार्थ आपने हम सबको गर्व महसूस कराया है. आप बेस्ट हैं."

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

बीएनपी परिबास ओपन : अल्कराज ने ज्वेरेव को 6-3, 6-1 से व सिनर ने लेचेका को 6-3, 6-3 से हराया

अल्कराज और सिनर सेमीफाइनल में

- टॉमी पॉल ने रूड को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया
- सेमीफनल में दानिल मेवदेव से भिड़ेंगे टॉमी पॉल
- यानिक सिनर ने लगातार 16वीं जीत दर्ज की

भाषा। इंडियन वेल्स (अमेरिका)

कार्लोस अल्कराज और यानिक सिनर ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर बीएनपी परिबास ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश किया. अल्काराज ने मधुमक्खियों के हमले के कारण करीब दो घंटे के विलंब के बाद एलेक्जेंडर ज्वेरेव को 6-3 6-1 से हराया. गुरूवार को मुकाबले के दौरान अचानक मधुमक्खियों ने हमला कर दिया, जिससे अल्काराज खुद को बचाते हुए छिप गये. यह घटन मैच के 19वें मिनट में हुई. तब अल्काराज 1-1 की बराबरी पर थे. दर्जनों मधुमक्खियां 'स्पाइडर कैमरे' पर चिपक गयीं और उन्हें 'वैक्यूम' से हटाया गया. बाद में कोर्ट के करीब दीवारों और सीट पर स्प्रे बोटल का इस्तेमाल किया गया. यानिक सिनर ने जिरी लेचेका को 6-3 6-3 से हराकर इस साल लगातार 16वें मैच में जीत दर्ज की. अब शनिवार को सिनर का सामना अल्काराज से होगा. वहीं टॉमी पॉल ने नौवें वरीय कैस्पर रूड को 6-2, 1-6, 6-3 से हराकर अपने करियर के दूसरे मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनायी. जहां उनका सामना दानिल मेवदेव से होगा.

सेमीफाइनल में आमने-सामने होंगे अल्कराज व यानिस सिनर

सेमीफाइनल में भिड़ेंगी स्वियातेक और कोस्तयुक

महिलाओं के वर्ग में शीर्ष वरीय इगा स्वियातेक ने पहले सेट में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए बढ़त बनायी. इसके बाद कैरोलिन वोज्नियाकी को चोट के कारण क्वार्टरफाइनल से हटने पर मजबूर होना पड़ा, जिसके कारण स्वियातेक ने सेमीफाइनल में जगह पक्की की. सेमीफाइनल में स्वियातेक का सामना यूक्रेन की मार्ता कोस्तयुक से होगा, जिन्होंने रूस की अनास्तासिया पोटापोवा को 6-0 7-5 से शिकस्त देकर सेमीफाइनल में जगह पक्की की.

- चोट के कारण क्वार्टरफाइनल से हटीं कैरोलिन
- कोस्तयुक ने अनास्तासिया को 6-0, 7-5 से हराया

गॉफ व सक्कारी के बीच होगा दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला

- डेढ़ घंटे तक चले में 6-4, 6-3 से जीतीं गॉफ
- सक्कारी ने नवारो को 5-7, 6-2, 6-4 से हराया

कोको गॉफ और मारिया सक्कारी ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया, जहां दोनों एक दूसरे से भिड़ेंगी. गॉफ ने डेढ़ घंटे तक चले मुकाबले में युआन युए को 6-4 6-3 से हराकर सेमीफाइनल में जगह पक्की की. मारिया सक्कारी ने एम्मा नवारो को 5-7, 6-2, 6-4 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया.

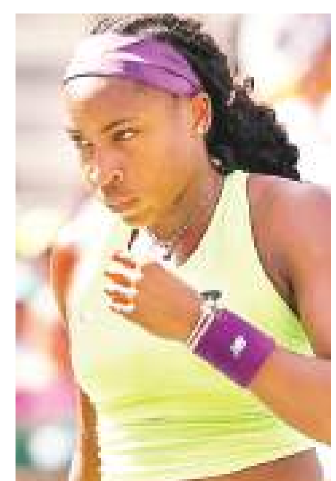

फिल्ड अपडेट

अंडर-14 क्रिकेट : रांची क्वार्टर फाइनल में

रांची। जेएससीए द्वारा आयोजित अंडर-14 इंटर डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट टूर्नामेंट में रांची ने पश्चिमी सिंहभूम को सात विकेट से हराया. गुमला में खेले गए इस मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए पश्चिमी सिंहभूम की टीम महज 43 रन पर ढेर हो गई. टीम के लिए बासुदेव ने सर्वाधिक 10 रन बनाए. रांची के तनवीर ने शानदार गेंदबाजी की. उन्होंने 13 रन देकर 6 विकेट चटकाए. शौर्य ने 2 विकेट लिए. जवाबी पारी में रांची ने 11.4 ओवर में तीन विकेट खोकर लक्ष्य को हासिल कर लिया. टीम के लिए रुद्र प्रताप ने सर्वाधिक 16 रन बनाए. पश्चिमी सिंहभूम के बासुदेव, इरफान व त्रिनाथ ने एक-एक विकेट लिए. रांची के तनवीर को शानदार गेंदबाजी लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया.

वीमेंस क्रिकेट : रांची की टीम नॉकआउट में

रांची। जमशेदपुर में चल रहे जेएससीए सीनियर वीमेंस इंटर डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट प्रतियोगिता में हजारीबाग को सात विकेट से हराकर रांची ने नॉकआउट के लिए क्वालीफाई किया. शुक्रवार को खेले गए इस मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए हजारीबाग की टीम 49 ओवर में 109 रन ही बना सकी. टीम के लिए वर्षा ने सर्वाधिक 18 रन बनाए. रांची की पल्लवी व आरती ने दो-दो विकेट चटकाए. जवाबी पारी में रांची ने 27.3 ओवर में तीन विकेट खोकर लक्ष्य को हासिल कर लिया. टीम के लिए मानसी ने 28 व ईशा ने 26 रन बनाए. हजारीबाग की ओर से रितिका ने दो विकेट लिए.

बोधनवाला ट्रॉफी : रांची की टीम फाइनल में

रांची। जेएससीए द्वारा आयोजित एचपी बोधनवाला ट्रॉफी में पूर्वी सिंहभूम को सात विकेट से हराकर रांची ने फाइनल का टिकट कटाया. मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए पूर्वी सिंहभूम की टीम महज 97 रन पर सिमट गयी. रांची के हर्ष व विकास ने टीम के लिए तीन-तीन विकेट चटकाए, जबकि शीट ने दो विकेट लिए. लक्ष्य का पीछा करने उतरी रांची की टीम ने 15.4 ओवर में तीन विकेट खोकर जीत हासिल की. नाजिम ने टीम के लिए ताबड़तोड़ 30 रन बनाए. विशाल ने 28 व पंकज ने 26 रन योगदान दिया. पूर्वी सिंहभूम के फैजनुल रहमान ने दो विकेट लिए. मैच में शानदार गेंदबाजी के लिए हर्ष राज को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया. रांची और बोकारो के बीच फाइनल मुकाबला शनिवार को खेला जाएगा.

ब्रीफ खबरें

लगातार चौथी बार मुल्तान फाइनल में

कराची। मुल्तान सुल्तांस ने एकतरफा क्वालीफायर में पेशावर जाल्मी को सात विकेट से हराकर लगातार चौथे पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) फाइनल में प्रवेश किया. मुल्तान सुल्तांस ने 2021 में पीएसएल खिताब जीता था लेकिन पिछले दो चरण में उसे फाइनल में लाहौर कलंदर्स से हार मिली थी. बाबर आजम की अगुआई वाली पेशावर जाल्मी को सोमवार को होने वाले फाइनल में जगह बनाने का एक और मौका मिलेगा जब वह इस्लामाबाद यूनाईटेड और क्वेटा ग्लैडिएटर्स के बीच शनिवार को होने वाले एलिमिनेटर की विजेता से भिड़ेगी.

यूटीटी की आठवीं टीम एसजीएसई

मुंबई। भारत के महान टेनिस खिलाड़ी महेश भूपति की एसजी स्पोर्ट्स एंड इंटरटेनमेंट (एसजीएसई) प्राइवेट लिमिटेड अल्टीमेट टेबल टेनिस (यूटीटी) में हिस्सा लेने वाली आठवीं फ्रेंचाइजी बन गयी. आगामी चरण में एसजीएसई अहमदाबाद का प्रतिनिधित्व करेगी. टीम को अहमदाबाद एसजी पाइपर्स के नाम से पुकारा जायेगा. टीम जयपुर पैट्रियट्स के साथ पदार्पण करेगी. जयपुर की टीम पिछले साल अगस्त में यूटीटी में शामिल हुई थी.

आईपीएल : सीएसके में वापसी से उत्साहित हैं भारतीय ऑल राउंडर

माही भाई से सीखने को बेकरार हूं: शार्दुल

भाषा। मुंबई

भारत के ऑल राउंडर शार्दुल ठाकुर आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के लिए महेंद्र सिंह धौनी की अगुआई में बेहतरीन प्रदर्शन की उम्मीद लगाये हैं. शार्दुल का पिछला चरण इतना अच्छा नहीं रहा था. शार्दुल 2018 से 2021 तक सीएसके टीम का हिस्सा रहे थे, जिसके बाद 2022 में वह दिल्ली कैपिटल्स और 2023 में कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए खेले थे. इस सत्र में वह फिर सीएसके में वापसी करेंगे, जिसके लिए उन्हें चार करोड़ रुपये में खरीदा गया. शार्दुल ने कहा कि ईमानदारी से कहूं तो पिछला आईपीएल मेरे लिए अच्छा नहीं रहा. उन्होंने कहा कि मैं माही भाई के नेतृत्व में खेलने को लेकर काफी उत्साहित हूं. जब आप उनके साथ खेलते हो तो आप मैच से कुछ न कुछ जरूर सीखते हो. वह स्टंप के पीछे खड़े होकर आपका मार्गदर्शन करते रहते हैं, जिससे आपके प्रदर्शन में निखार आता है. ठाकुर ने कहा कि धौनी की सबसे अच्छी खासियत है कि वह एक खिलाड़ी के प्रदर्शन को निखरने देते हैं. इस ऑल राउंडर ने कहा कि मुझे लगता है कि यह बहुत शानदार चीज है, वह खिलाड़ियों को काफी आजादी देते हैं और खिलाड़ियों को अपने प्रदर्शन की जिम्मेदारी खुद उठाने देते हैं. इसलिये मैं सीएसके में फिर से वापसी को लेकर काफी उत्साहित हूं. मैं कहूंगा कि मैं ऐसी टीम के लिए खेल रहा हूं जो परिवार और पारिवारिक संस्कृति को महत्व देती है.

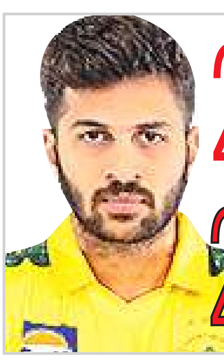

2018 से 2021 तक सीएके टीम का हिस्सा थे शार्दुल

2022 में दिल्ली व 2023 में कोलकाता के लिए खेले थे शार्दुल

चोट के कारण आईपीएल से बाहर हुए गेंदबाज एनगिडी

नयी दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी चोट के कारण शुक्रवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 से बाहर हो गये. दिल्ली कैपिटल्स ने उनकी जगह ऑस्ट्रेलियाई ऑल राउंडर जेक फ्रेसर मैकगुर्क को टीम में शामिल किया. मेलबर्न के 21 साल के सलामी बल्लेबाज और लेग स्पिनर मैकगुर्क ने पिछले महीने सिडनी में वेस्टइंडीज के खिलाफ अपना वनडे पदार्पण किया था. दिल्ली कैपिटल्स ने मैकगुर्क को 50 लाख रुपये की 'रिजर्व' राशि में टीम में शामिल किया. एनगिडी पिछले एक साल से टखने की चोट से जूझ रहे हैं. उन्होंने आईपीएल में 14 मैच खेलकर 25 विकेट झटके हैं.

खास बातें

- पिछले एक साल से टखने की चोट से जूझ रहे थे एनगिडी
- एनगिडी की जगह मैकगुर्क दिल्ली की टीम में शामिल

आईपीएल में नहीं खेलने से निराश नहीं हूं : मुशीर

मुंबई। मुंबई के रणजी ट्रॉफी के युवा नायक मुशीर खान ने कहा कि मेरा नाम आईपीएल में नहीं था, लेकिन मैं निराश नहीं हूं. मेरे पिता ने मुझे कहा कि टेस्ट क्रिकेट और टीम इंडिया के लिए खेलो. आईपीएल बाद में खेल लोगे. उन्होंने कहा कि अच्छा है कि मुझे आईपीएल की तैयारी के लिए एक और साल मिल गया. मैं अब टी-20 क्रिकेट को और समझूंगा कि मुझे इस प्रारूप के लिए कैसे तैयारी करनी चाहिए. मुशीर ने हाल में रणजी ट्रॉफी फाइनल में मुंबई की दूसरी पारी में 136 रन बनाकर विदर्भ को 538 रन का लक्ष्य देने में मदद की. इससे मुंबई की टीम 42वां रणजी ट्राफी खिताब जीतने में सफल रही. यह दीगर ही है कि मुशीर इस प्रदर्शन के लिए अपने बड़े भाई सरफराज से प्रेरणा लेते हैं.

ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप

सात्विक-चिराग की जोड़ी हारी

बैडमिंटन टूर्नामेंट

- शोहिबुल व बागास की जोड़ी से हारे सात्विक-चिराग
- तनीषा व अश्विनी की जोड़ी भी राउंड-16 से बाहर

भाषा। बर्मिंघम

भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की दुनिया की नंबर एक जोड़ी आल इंग्लैंड बैडमिंटन चैंपियनशिप से बाहर हो गयी. पुरुष युगल के प्री क्वार्टर फाइनल में भारतीय जोड़ी को इंडोनेशिया के मोहम्मद शोहिबुल फिकरी और बागास मौलाना की जोड़ी ने 16-21, 15-21 से हराया. इंडोनेशियाई जोड़ी यहां 2022 में चैंपियन रही थी. शीर्ष वरीय भारतीय जोड़ी ने पिछले हफ्ते फ्रेंच ओपन खिताब जीता था, लेकिन यहां तीसरी वरीयता प्राप्त प्रतिद्वंद्वियों के दबाव से नहीं निपट सकी और एक घंटे से ज्यादा समय तक चले मुकाबले में हारकर बाहर हो गयी. तनीषा क्रास्टो और अश्विनी पोनप्पा की जोड़ी भी महिला युगल के राउंड 16 से बाहर हो गयी. उन्हें चीन की झांग शु जियान और जेंग यु से 21-11 11-21 11-21 से पराजय झेलनी पड़ी.

महेंद्र सिंह धौनी सिर्फ एक ही हैं : ध्रुव जुरेल

भाषा। नयी दिल्ली

ध्रुव जुरेल की तुलना भले ही महेंद्र सिंह धौनी से की जा रही हो, लेकिन उन्होंने शुक्रवार को कहा कि कोई भी धौनी की बराबरी नहीं कर सकता है. वह अपना ध्यान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी जगह बनाने पर लगायेंगे. हाल में इंग्लैंड के खिलाफ समाप्त हुई ही श्रृंखला में टेस्ट पदार्पण करने वाले जुरेल ने विकेट के पीछे चतुराई दिखायी, बल्ले से भी दमदार प्रदर्शन किया साथ ही कप्तान रोहित शर्मा को डीआरएस संबंधित फैसले लेने में मदद की. जुरेल के इस प्रदर्शन को देखकर महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने उनकी तुलना धौनी से कर दी, लेकिन जुरेल को ऐसा नहीं लगता है.

जुरेल ने कहा कि मेरी तुलना धौनी सर से करने के लिए शुक्रिया गावस्कर सर. मैं व्यक्तिगत रूप से कहना चाहूंगा कि धौनी सर ने जो किया है, वैसा कोई भी नहीं कर सकता. धौनी सिर्फ एक ही है. मैं सिर्फ ध्रुव जुरेल ही रहना चाहता हूं. जुरेल ने कहा कि मुझे अभी तक विश्वास नहीं हो रहा कि मुझे टेस्ट कैप मिली और फिर मैं मैन ऑफ द मैच रहा. टेस्ट खेलना सुखद रहा जो क्रिकेट का सबसे शुद्ध प्रारूप है. इतना पता था कि किसी दिन टेस्ट क्रिकेट खेलूंगा इसलिये यह मेरे सपने के साकार होने वाला पल था.

खास बातें

- सुनील गावस्कर ने की थी जुरेल की धौनी से तुलना
- इंग्लैंड के खिलाफ शृंखला में जुरेल ने किया था टेस्ट डेब्यू

पुरुष हॉकी | टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक के मुकाबले के नायक पीआर श्रीजेश ने कहा-

ओलंपिक में प्रदर्शन में निरंतरता होगी सफलता की कुंजी

भाषा। नयी दिल्ली

बरसों बाद भारतीय पुरुष हॉकी टीम ओलंपिक में पदक विजेता के रूप में उतरेगी. अपेक्षाओं के दबाव को ऊर्जा का स्रोत मानने वाले भारत के अनुभवी गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने कहा कि टीम का फोकस प्रदर्शन में निरंतरता पर है, जो ओलंपिक में कामयाबी की कुंजी साबित होता है. श्रीजेश ने कहा कि पिछली बार तक सभी बोलते थे कि हमारा हॉकी में गौरवशाली इतिहास है और हमें ओलंपिक में पदक जीतना है. इस बार हमारे पास पदक है और अपेक्षायें बढ गई है और हमने उसके बाद से अच्छा प्रदर्शन भी किया है. यह सकारात्मक दबाव है और याद दिलाता है कि हम पदक जीतने में सक्षम हैं. श्रीजेश ने कहा कि हमारी टीम का मंत्र है कि आउटसोर्स दबाव को बाहर ही रखो, उसे भीतर लेकर मत आओ. दबाव हम खुद बनाते हैं, परिवार का, महासंघ का, दर्शकों का, मीडिया का, सोशल मीडिया का दबाव. लेकिन हम उसे टीम में नहीं लाते और अपने खेल पर फोकस रखते हैं. अपनी ताकत और कमजोरियों के बारे में सोचना ही हमारा लक्ष्य होता है.

भारत ने 41 साल बाद तोक्यो ओलंपिक में जीता था कांस्य : भारतीय पुरूष हॉकी टीम ने 41 साल का इंतजार खत्म करते हुए तोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था. जर्मनी के खिलाफ कांस्य पदक के मुकाबले में 3-1 से पिछड़ने के बाद भारत ने अविश्वसनीय वापसी करके 5-4 से मैच जीता था. उस जीत के नायक गोलकीपर श्रीजेश ही थे.

- पेरिस ओलंपिक में पदक विजेता के रूप में उतरेगा भारत
- टोक्यो ओलंपिक में भारत ने जीता था कांस्य पदक

पेरिस ओलंपिक में भारत के लिए पदक जीतना हमारा लक्ष्य

अपने करियर में 16 अंतरराष्ट्रीय पदक जीत चुके पद्मश्री श्रीजेश ने कहा कि दबाव ओलंपिक का हिस्सा है लेकिन हम उसे सकारात्मक लेकर ऊर्जा के स्रोत के रूप में इस्तेमाल करते हैं. उन्होंने कहा कि पिछले चार साल में टीम में और कोचिंग स्टाफ में बदलाव हुआ और माहौल भी बदला है. लेकिन लक्ष्य एक ही है कि हमें ओलंपिक पदक जीतना है और वही सभी के दिमाग है. कई बार निचली रैंकिंग की टीम से हमें कड़ी चुनौती मिली है लिहाजा हम निरंतरता पर फोकस कर रहे हैं. ओलंपिक में पहले दिन से आखिरी दिन तक हॉकी के मैच होते हैं. पिछले मैच को भुलाकर तुरंत अगले मैच पर फोकस करना जरूरी होगा और यही निरंतरता काम आयेगी.

सचिन तेंदुलकर, धौनी व विराट कोहली से प्रेरणा लेते हैं श्रीजेश

श्रीजेश ने कहा कि मैं महेंद्र सिंह धौनी, सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली से प्रेरणा लेता हूं. जिस तरह से दबाव का वे सामना करते हैं, खराब दौर के बाद वापसी करते हैं. मसलन कैसे विराट ने विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करके वापसी की. इससे उम्मीद जगती है कि अगर फॉर्म और फिटनेस है तो आप शीर्ष स्तर पर खेल सकते हैं. भारत में उम्र को लेकर काफी हौव्वा बनाया जाता है लेकिन इन खिलाड़ियों ने स्टीरियोटाइप तोड़ा है. भारतीय टीम को युवाओं और अनुभवी खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण बताते हुए उन्होंने कहा कि तोक्यो ओलंपिक टीम का हिस्सा रहे कई खिलाड़ी इस कोर ग्रुप का हिस्सा है जिससे अतिरिक्त फायदा होगा.

वनडे-टी20 में 'स्टॉप क्लॉक' नियम स्थायी करेगा आईसीसी

भाषा। दुबई

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) अभी प्रयोग पर चल रहे 'स्टॉप क्लॉक' नियम को आगामी टी-20 विश्व कप 2024 से सभी पूर्णकालिक सदस्यों के वनडे और टी-20 अंतरराष्ट्रीय में हमेशा इस्तेमाल करेगा. आईसीसी ने 'स्टॉप क्लॉक' नियम दिसंबर 2023 में शुरू किया था और अभी इसे इस्तेमाल किया जा रहा है, जिसे एक जून 2024 से स्थायी कर दिया जायेगा. आईसीसी ने अपनी सालाना बोर्ड बैठक के बाद एक बयान में कहा कि स्टॉप क्लॉक' नियम जून 2024 से वेस्टइंडीज और अमेरिका में आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2024 के साथ सभी वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय में स्थायी हो जायेगा. बयान के अनुसार, ट्रायल अप्रैल 2024 तक किया जाना था लेकिन इस ट्रायल के नतीजे साफ दिखायी दे रहे हैं जैसे मैच समय पर खत्म हो रहे हैं जिससे प्रत्येक वनडे मैच में करीबन 20 मिनट बच रहे हैं. नियम के अनुसार क्षेत्ररक्षण करने वाली टीम को पिछला ओवर खत्म होने के 60 सेकेंड के अंदर नया ओवर शुरू करना होगा. इसके लिए मैदान पर लगी एक 'इलेक्ट्रोनिक' घड़ी 60 से लेकर शून्य तक उलटी गिनती करेगी. ऐसा नहीं करने पर उसे दो चेतावनी दी जायेंगी और इसके बाद के प्रत्येक उल्लघंन टना के लिए पांच रन का जुर्माना लगाया जायेगा.

नयी घोषणा

- टी-20 विश्व कप से स्थायी हो जाएगा स्टॉफ क्लॉक नियम
- 60 सेकेंड के अंदर शुरू करना होगा नया ओवर

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने बीजेपी पर जमकर बोला हमला, कहा-

बीजेपी पहले देती है धंधा, फिर वसूलती है चंदा

संवाददाता। रांची

शुक्रवार को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने बीजेपी पर जमकर हमला बोला. उन्होंने इलेक्टोरल बॉण्ड मामले पर बीजेपी और केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा. कहा कि बीजेपी पहले धंधा देती है और फिर उद्योगपतियों से चंदा वसूलती है. उन्होंने कहा कि चुनावी बॉण्ड मामले की गहन जांच की जरूरत है. चुनावी बॉण्ड विवरण के खुलासे को लेकर उन्होंने कहा कि बीजेपी को इस माध्यम से बड़ा लाभ हुआ है. उन्होंने कहा कि भाजपा ने इन विवरणों को छुपाने की कोशिश की, जो कि संदेह पैदा करता है.

भाजपा के भ्रष्टाचार के कई मामले सामने आएंगे

राजेश ठाकुर ने कहा, पीएम का इलेक्टोरल बॉन्ड के रुप में एक घोटाला सामने आया, भाजपा इसे वसूली का जरिया बना लिया था. इस कार्य में वह केंद्रीय एजेंसियों का भी उपयोग कर रही है. ईडी, सीबीआई की कार्रवाई इसलिए कंपनियों पर की जा रही थी, ताकि उन्हें ज्यादा चंदा मिल सके. ठाकुर ने कहा कि 15 फरवरी 2024 को इलेक्टोरल बॉण्ड को असंवैधानिक घोषित करने वाले सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद से मोदी सरकार एसबीआई के माध्यम से जुड़ी जानकारी को रोकने का प्रयास करने लगी. उन्होंने कहा जैसे-जैसे इलेक्टोरल बांड डेटा का विश्लेषण आगे बढ़ेगा, भाजपा के भ्रष्टाचार के कई मामले स्पष्ट सामने आएंगे.

भाजपा ने किया संवैधानिक संस्थाओं का इस्तेमाल

भाजपा संवैधानिक संस्थाओं को इस्तेमाल डरा-धमका कर हफ्ता वसूली के लिए कर रही है. सेबी ने जिन चार स्मॉल कंपनियों को फर्जी बताया है, उनसे भाजपा ने 4.9 करोड़ का चंदा क्यों लिया? कोरोना जैसी बड़ी महामारी में मोदी सरकार ने टीके बनाने वाली कंपनी सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया से भी 50 करोड़ का चंदा लिया.

भाजपा का रिश्वत लेने का नया तरीका

ठाकुर ने कहा कि केंद्र सरकार से जिस कंपनी को मदद मिलती है, उसके तुरंत बाद कंपनियां से चुनावी बॉण्ड के माध्यम वसूली की जाती है. जैसा कि वेदांता को 3 मार्च 2021 को राधिकापुर पश्चिम प्राइवेट कोयला खदान मिला, और फिर अप्रैल 2021 में उन्होंने चुनावी बॉण्ड में 25 करोड़ का दान दिया.

इलेक्टोरल बॉण्ड की घोषणा आनन-फानन में की गई है

चुनाव आयोग आनन फानन में आचार-संहिता लागू करने की घोषणा इसलिए कर रही है क्योंकि भाजपा के इलेक्टोरल बॉण्ड पर भ्रष्टाचार को लेकर जन आंदोलन न हो, न ही मीडिया में इस पर कोई बहस हो. उन्होंने कहा देश में पहली बार चुनाव आयुक्त के मनोनयन का सिस्टम बदल गया.

आमने सामने

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर पर भाजपा का पलटवार

सिस्टम बंद होने से लग रही है मिर्ची : प्रतुल

विशेष संवाददाता। रांची

इलेक्टोरल बॉण्ड पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर पर भाजपा ने पलटवार किया है. प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने कहा कि कांग्रेस इस देश में भ्रष्टाचार की जननी रही है. पहले कांग्रेस के यहां प्रचलित कहावत था - ना खाता ना बही, जो कांग्रेस के अध्यक्ष कहे वही सही. पहले कांग्रेस जैसे राजनीतिक दल चुनाव संबंधी लेनदेन कच्चे पैसे में करते थे. यह भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने का बड़ा कदम था. अटल बिहारी वाजपेयी जी के समय में इनकम टैक्स कानून में संशोधन करके चुनाव में चंदा देने वाले कॉरपोरेट्स को टैक्स में रियायत देने की सार्थक पहल हुई.

मोदी सरकार ने व्हाइट मनी के जरिए चुनाव लड़ने के लिए प्रेरित किया

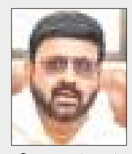

प्रतुल ने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार में इलेक्टोरल बॉण्ड लाकर चुनाव में राजनीतिक पार्टियों को व्हाइट मनी के जरिए चुनाव लड़ने के लिए प्रेरित करने का सार्थक प्रयास किया गया. प्रतुल ने कहा कि इलेक्ट्रॉल बॉण्ड एक पारदर्शी सिस्टम का बेहतरीन नमूना था. जहां स्टेट बैंक से किसी व्यक्ति या कॉर्पोरेट इलेक्टोरल बॉण्ड खरीद सकता था और उसकी पूरी जानकारी उसे स्टेट बैंक को उपलब्ध करानी पड़ती थी. 15 दिनों के भीतर इसे इलेक्टोरल बॉण्ड को अपने पसंद के राजनीतिक दल को देना पड़ता था. भ्रष्टाचार की आदत लग चुकी कांग्रेस को यह पारदर्शी सिस्टम पसंद नहीं आया. इसलिए वह आज अनर्गल आरोप लगा रहे.

18 राज्यों में सरकार, मगर भाजपा के खाते में आए मात्र 6000 करोड़

प्रतुल ने भाजपा और भाजपा के सहयोगी दलों की सरकार 18 प्रदेशों में है. भाजपा के 303 सांसद हैं,जबकि कांग्रेस महज दो तीन प्रदेशों में है. फिर भी मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार भाजपा को 6000 करोड़ के आसपास इलेक्टोरल बॉन्ड से प्राप्त हुआ है. जबकि कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस के आंकड़ों को मिला दें तो यह 3000 करोड़ हो जाता है. इससे स्पष्ट दिख रहा है कि वजूद नहीं होने के बावजूद भी आज भी कांग्रेस शेल कंपनियों के जरिए अपनी फंडिंग करवा रही है. प्रतुल ने कहा कि आज इलेक्टोरल बॉन्ड के खिलाफ खड़ी कांग्रेस को यह बताना चाहिए कि जिस समय यह सदन से पारित हो रहा था तो उसने विरोध क्यों नहीं किया था, यह कानून सर्वसम्मति से पारित किया गया था.

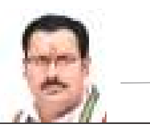

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष समय बहुत ही अच्छा है. किये गए कार्य का लाभ होगा. अप्रत्याशित लाभ हो सकता है. किसी बड़ी बाधा के दूर होने से प्रसन्नता रहेगी. भाग्य का साथ मिलेगा. पुराना रोग उभर सकता है. विवाद से क्लेश संभव है.

वृषभ खर्च पर नियंत्रण आवश्यक है. दूसरों से अपेक्षा पूर्ण नहीं होने से खिन्नता रहेगी. कार्य पूर्ण होगा. पारिवारिक चिंता दूर रहेगी. कीमती वस्तुएं का लाभ होगा. इत्र का दान करें. किया गया कार्य लाभ देगा.

मिथुन आय उत्तम होगी. डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. भाग्य का साथ रहेगा. व्यापार में वृद्धि के योग हैं. किया गया छोटा निवेश शुभ रहेगा. कोई बड़ा कार्य होने से आय होगी. गणेश जी का ध्यान पूजन करें.

कर्क समय अच्छा है कोई नई योजना बनेगी. कारोबार में वृद्धि होगी. जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे. नए व्यापारिक अनुबंध होंगे. धनार्जन होगा. लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी. सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी.

सिंह आपकी मेहनत और लगन के प्रभाव से परिवार के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा. आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे. आपके कार्य और प्रभाव से कारोबार अच्छा चलेगा. नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे. सूर्य को जल दें.

कन्या भाग्य का साथ मिलेगा. वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें. किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है. लेन-देन में जल्दबाजी न करें. धनलाभ के अवसर प्राप्त होंगे. आय में निश्चितता होगी. ऐश्वर्य पर व्यय होगा.

तुला भागदौड़ रहेगी. विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा. किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा. कोई पुराना कर्ज परेशानी का कारण बन सकता है. कर्ज लेने से बचना चाहिए. मंगलस्तोत्र का पाठ करें.

वृश्चिक समय अनुकूल है. व्यापार में लाभ होगा. कोई नया कार्य बनेगा. किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है. व्यर्थ भागदौड़ होगी. कार्य में विलंब होगा. किसी नये कार्य के लिए चिंता तथा तनाव में रहेंगे. गणेश का मंत्र का जप करें.

धनु संतान सुख में वृद्धि होगी. प्रेम में धोखा मिल सकता है. मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा. व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा. नौकरी में चैन रहेगा. आय में वृद्धि होगी. मित्रों के साथ समय मनोरंजक व्यतीत होगा. माता की सेवा करें.

मकर संतान से लाभ मिल सकता है. कोई बड़ा लाभ हो सकता है. रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे. भाग्य बेहद अनुकूल है, लाभ लें. चोट व रोग से बचें. प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी. शनि चालीसा का पाठ करें. साथ ही छाया दान भी करें.

कुंभ कार्य में वृद्धि होगी. बस आलस त्यागे. आय में वृद्धि होगी. पराक्रम बढ़ेगा. किसी बड़े काम को करने में रुझान रहेगा. कारोबार में वृद्धि होगी. नौकरी में प्रशंसा प्राप्त होगी. शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से लाभ होगा.

मीन भाई का सहयोग मिलेगा. पराक्रम से कार्य बन सकता है. सुख के साधन जुटेंगे. कारोबार में वृद्धि होगी. निवेशादि शुभ रहेंगे. नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे. स्त्री पक्ष से लाभ होगा. अज्ञात भय रहेगा. लाभ के अवसर हाथ आएंगे.

डॉ संदीप ने सीएसआईआर एनएमएल के नए निदेशक का कार्यभार संभाला

जमशेदपुर। जमशेदपुर के बर्मामाइंस स्थित सीएसआईआर राष्ट्रीय धातुकर्म प्रयोगशाला (एनएमएल) के नए निदेशक डॉ संदीप घोष चौधुरी ने शुक्रवार को कार्य ग्रहण किया. डॉ संदीप घोष चौधुरी मेटलर्जिकल इंजीनियरिंग में बीई हैं. उन्होंने 1989 में बंगाल इंजीनियरिंग कॉलेज से बीई और एमटेक (मेटलर्जिकल इंजीनियरिंग) 1991 में आईआईटी बॉम्बे से किया. उन्होंने अपनी पीएचडी डिग्री सामग्री और धातुकर्म इंजीनियरिंग के क्षेत्र में 1996 में आईआईटी कानपुर से पूरी की थी.

लोहरदगा लोस सीट : कांग्रेस व बीजेपी के बीच रही है कांटे की टक्कर

15 चुनावों में सात बार कांग्रेस और छह बार बीजेपी ने मनवाया है लोहा

प्रवीण कुमार। रांची

एक समय लोहरदगा लोकसभा सीट कांग्रेस का गढ़ माना जाता था. वर्ष 1957 से 2019 तक हुए 15 चुनावों में कांग्रेस ने यहां सात बार जीत दर्ज की है. वहीं बी ने छह बार जीत हासिल की है. उरांव जनजाति बहुल इस लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कांग्रेस के कार्तिक उरांव, बीजेपी के ललित उरांव जैसे दिग्गज नेता कर चुके हैं. इस संसदीय निर्वाचन क्षेत्र का इलाका लोहरदगा, रांची और गुमला जिला तक फैला है. विधानसभाओं की बात करें तो पांच विधानसभा सीटें लोहरदगा, गुमला, बिशुनपुर, सिसई और मांडर है, जिसमें सभी पांचों सीट पर इंडिया गठबंधन का कब्जा है. हालांकि लोकसभा सीट पर मुख्य

लड़ाई बीजेपी और कांग्रेस के बीच ही देखने को मिलती रही है. वर्ष 1957 से 2019 तक हुए 15 चुनाव में कांग्रेस ने यहां सात बार जीत दर्ज की है. हालांकि, इन चुनावों में बीजेपी ने कांग्रेस को कांटे की टक्कर दी है. लोहरदगा में पिछले तीन लोकसभा चुनावों 2009, 2014 और 2019 में बीजेपी ने जीत हासिल की है. इस बार इस सीट से बीजेपी ने सुदर्शन भगत के जगह समीर उरांव को चुनावी मैदान में उतारा है.

चुनावी जंग

- लोहरदगा लोकसभा सीट के लिए 1957 से 2019 तक 15 चुनाव हुए
- कार्तिक उरांव व ललित उरांव जैसे दिग्गज कर चुके हैं क्षेत्र का प्रतिनिधित्व

अब तक कैसा रहा किसका प्रदर्शन

1957 में अस्तित्व में आया लोहरदगा लोकसभा

लोहरदगा संसदीय क्षेत्र 1957 में अस्तित्व में आया. पहले चुनाव में यहां से झारखंड पार्टी के इग्नी बेक ने जीत दर्ज की थी. झारखंड पार्टी को कुल 43.5 प्रतिशत वोट मिले थे. कांग्रेस को 30.30 % मत मिले थे. कांग्रेस ने जतम खरवार को उम्मीदवार बनाया था.

1962 के चुनाव में स्वतंत्र पार्टी के डेविड मुंजनी ने दर्ज की थी जीत

वर्ष 1962 के चुनाव में यहां से स्वतंत्र पार्टी के उम्मीदवार डेविड मुंजनी ने जीत दर्ज की थी. इन्हें कुल 41.6 % वोट मिले थे. वहीं कार्तिक उरांव को 29.9 % वोट मिले थे, जबकि झारखंड पार्टी को 22.7 % वोट मिले थे.

दूसरी बार में 1967 में कांग्रेस प्रत्याशी कार्तिक उरांव जीते थे

वर्ष 1967 में हुए लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने 1962 के अपने उम्मीदवार कार्तिक उरांव को फिर से टिकट दिया था. इस बार कार्तिक उरांव ने जीत दर्ज की. कांग्रेस को कुल 51.5 % वोट मिले, जबकि भारतीय जनसंघ की रूपना उरांव को 18 प्रतिशत वोट मिले थे.

1971 में फिर जीते कार्तिक उरांव

वर्ष 1971 के चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने कार्तिक उरांव पर फिर भरोसा जताया. कार्तिक उरांव ने भी कांग्रेस को निराश नहीं किया और भारी अंतर से जीत दर्ज की. कांग्रेस को कुल 53.5 % वोट मिले. जबकि भारतीय जनसंघ की रूपना उरांव को 18.85 प्रतिशत वोट मिले.

1977 में कार्तिक उरांव को लालू उरांव ने दी पटखनी

वर्ष 1977 के लोकसभा चुनाव में भारतीय लोकदल ने लोहरदगा सीट पर कब्जा जमाया. भारतीय लोक दल के लालू उरांव ने कार्तिक उरांव को पटखनी दी. लालू को 54.9 % वोट मिले, जबकि कांग्रेस के कार्तिक उरांव को सिर्फ 49.5 प्रतिशत वोट मिले थे.

1980 में कांग्रेस पार्टी ने की दमदार वापसी

वर्ष 1980 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने एक बार फिर लोहरदगा सीट पर दमदार वापसी की. कांग्रेस के कार्तिक उरांव ने इस बार 49.5 प्रतिशत वोट लाकर जीत दर्ज की. जनता पार्टी के करमा उरांव को 22.99 % वोट मिले. वहीं 1977 में यहां से जीत दर्ज करने वाले भारतीय लोक दल के लालू उरांव ने इस बार निराश किया. उन्हें सिर्फ 9.6 % ही वोट मिले.

फिर से जीती कांग्रेस

वर्ष 1984 के लोकसभा चुनाव में लोहरदगा सीट पर फिर से कांग्रेस ने कब्जा किया. हालांकि, कांग्रेस ने एक बार फिर अपना उम्मीदवार बदला और सुमति उरांव को उम्मीदवार बनाया. इन्हें कुल 57.5 % वोट मिले थे. बीजेपी के चुनाव लड़ने वाले ललित उरांव को 20.02 % और जनता पार्टी को 7.5 % वोट मिले थे.

1989 में सुमति ने फिर लहराया कांग्रेस का परचम

वर्ष 1989 में लोहरदगा सीट फिर से कांग्रेस के पास रही. यहां से सुमति उरांव ने जीत दर्ज की. सुमति को कुल 38.6 % मत मिले थे. जबकि बीजेपी के ललित उरांव को कुल 28.4 % और जनता दल को 18 % वोट मिले थे.

बीजेपी का 1991 हुआ आगाज

वर्ष 1991 में हुए लोकसभा चुनाव में बीजेपी का आगाज हुआ. बीजेपी के ललित उरांव कुल 36.4 % वोट लाकर जीत दर्ज की. जबकि कांग्रेस को इस बार 22.2 % वोट मिले. वहीं जनता दल को 16.4 % वोट को मिले थे.

ललित उरांव ने फिर बीजेपी का लहराया परचम

वर्ष 1996 में हुए लोकसभा चुनाव में यह सीट बीजेपी के कब्जे में रही. यहां से ललित उरांव ने जीत हासिल की. इस बार बीजेपी को कुल 33 % वोट मिले. कांग्रेस ने यहां पर अपने उम्मीदवार को बदल दिया था. कांग्रेस ने इस बार बंदी उरांव को अपना उम्मीदवार बनाया था. इस बार कांग्रेस को कुल 24.6 % वोट मिले, जबकि जनता दल को 17.7 % और झामुमो को 14.8 % वोट मिले थे.

1998 में कांग्रेस ने की वापसी

वर्ष 1998 में हुए लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने फिर अपना उम्मीदवार बदला. इंद्रनाथ भगत ने कुल 44.5 % वोट के साथ जीत दर्ज की. जबकि बीजेपी के ललित उरांव को 40.8 % वोट मिले थे.

बीजेपी ने 1999 में जीत दर्ज की

वर्ष 1999 की हुए लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने अपना उम्मीदवार बदल दिया और जीत हासिल की. इस बार बीजेपी ने प्रो. दुखा भगत को अपना उम्मीदवार बनाया. बीजेपी को कुल 44.2 % वोट यहां मिले. कांग्रेस के इंद्रनाथ भगत भी कांटे की टक्कर देकर मैदान में थे. उन्हें 43.2 % वोट मिले थे.

झारखंड में 2004 में हुए पहला लोकसभा चुनाव

बिहार-झारखंड बंटवारे के बाद झारखंड में 2004 हुए पहले लोकसभा चुनाव में लोहरदगा सीट कांग्रेस के खाते में गई. कांग्रेस ने रामेश्वर उरांव को अपना उम्मीदवार बनाया था. कांग्रेस को इस बार 47.2 % मत प्राप्त हुए थे, जबकि बीजेपी ने अपने उम्मीदवार दुखा भगत पर ही भरोसा जताया था. मगर उन्हें निराशा हाथ लगी. दुखा मात्र 28.6 % वोट ही ला सके थे.

बीजेपी ने 2009 में जीती सीट

बिहार-झारखंड बंटवारे के बाद झारखंड में 2009 में दूसरी बार लोकसभा चुनाव हुआ. इसमें बीजेपी ने अपने उम्मीदवार को बदला. इस बार बीजेपी ने सुदर्शन भगत को अपना उम्मीदवार बनाया. सुदर्शन भगत ने इस सीट पर कुल 27.7 % वोट हासिल करते हुए जीत हासिल की. यहां निर्दलीय उम्मीदवार चमरा लिंडा ने 26.11 % वोट प्राप्त किए. कांग्रेस के रामेश्वर उरांव को 24.8 % वोट मिले थे.

मोदी लहर का 2014 में दिखा असर

मोदी लहर में 2014 में हुए लोकसभा चुनाव में लोहरदगा में फिर बीजेपी ने जीत दर्ज की. बीजेपी के सुदर्शन भगत को कुल 34.830 % मत प्राप्त हुए, जबकि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के रामेश्वर उरांव को 33.8 % वोट मिले थे. हालांकि, चमरा लिंडा इस बार ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस पार्टी से चुनाव लड़े थे और उन्हें कुल 18.3 प्रतिशत वोट मिले थे.

बीजेपी को फिर मिली जीत

वर्ष 2019 में इस सीट पर बीजेपी के सुदर्शन भगत ने फिर जीत दर्ज की. लेकिन जीत का अंतर काफी कम था. बीजेपी को 45.5 % वोट मिले थे. कांग्रेस ने उम्मीदवार का बदलाव करते हुए सुखदेव भगत को टिकट दिया था, जिन्हें 44.20 वोट मिले थे.

झारखंड के आठ आईपीएस को मिला अतिरिक्त प्रभार

संवाददाता। रांची

झारखंड के आठ आईपीएस को अपने कार्य के अलावा अतिरिक्त पद का प्रभार दिया गया है. इससे संबंधित अधिसूचना झारखंड पुलिस मुख्यालय ने जारी कर दी गई है.

जानें किसे मिला अतिरिक्त प्रभार

- एसआईएसएफ बोकारो कमांडेंट मुकेश कुमार को जैप- चार का अतिरिक्त प्रभार.
- देवघर एसपी अजीत पीटर डुंगडुंग को जैप-पांच का अतिरिक्त प्रभार.
- जैप- टू कमांडेंट सरोजनी लकड़ा को जैप- दस का अतिरिक्त प्रभार.
- एसपी सीटीसी मुसाबनी विजय आशीष कुजुर को आईआरबी- टू चाईबासा का अतिरिक्त प्रभार.
- चतरा एसपी विकास पांडेय को आईआरबी- तीन का अतिरिक्त प्रभार.
- गुमला एसपी शंभू सिंह को आईआरबी- पांच का अतिरिक्त प्रभार.
- गिरिडीह एसपी दीपक शर्मा को आईआरबी- नौ का अतिरिक्त प्रभार.
- दुमका एसपी पीतांबर खेरवार को आईआरबी- एक का अतिरिक्त प्रभार.

नियमित ट्रेनों की सीटें अप्रैल तक वेटिंग

धनबाद-गोमो होकर अप्रैल तक चलेगी 11 जोड़ी होली स्पेशल ट्रेनें

संवाददाता। धनबाद

नियमित ट्रेनों में काफी भीड़ और लंबी वेटिंग को देखते हुए रेलवे की ओर से धनबाद समेत देशभर के विभिन्न राज्यों में सैकड़ों होली स्पेशल ट्रेनें चलायी जा रही है. रेलवे अधिकारी के अनुसार धनबाद-गोमो होकर 15 मार्च से 20 अप्रैल तक 11 जोड़ी होली स्पेशल ट्रेनें चलेंगी. हालांकि अभी भी धनबादवासियों को धनबाद-रक्सौल होली स्पेशल का इंतजार है. नियमित ट्रेनों की सीटें 30 अप्रैल तक लंबी वेटिंग है. यात्रियों का कहना है कि होली भले ही 25 मार्च को हैं, लेकिन महानगरों से गांव व शहरों से देस जानवालों ने जनवरी में ही अधिकतर ट्रेनों की बुकिंग कर ली है. बाद में प्लानिंग करनेवालों की वेटिंग मिल रही है, जो कंफर्म सीट वालों के कैंसिल करने व हेडक्वार्टर कोटा पर निर्भर कर रहे हैं. इसके अलावा कई लोग ऐसे भी हैं, जो टिकट दलालों पर निर्भर है. टिकट दलाल को किराया से 500 व 1000 रुपये अधिक टिकट बुक कराते रहे हैं. रेलवे अधिकारी का कहना है कि दरभंगा-सीतामढ़ी होकर धनबाद से रक्सौल के लिए होली स्पेशल ट्रेन चलेगी, इस प्रस्ताव भेजा गया है. हरी झंडी मिलते ही तिथि निर्धारित कर दी जाएगी.

कौन ट्रेन किस तिथि को धनबाद-गोमो होकर चलेगी

धनबाद, गोमो होकर 15, 22 व 29 मार्च को ट्रेन नंबर 09335 इंदौर-हावड़ा होली स्पेशल व 09336 हावड़ा-इंदौर 17, 24 व 31 मार्च, धनबाद-कोडरमा होकर 04813 बाड़मेर-हावड़ा 19 व 26 मार्च व 04814 हावड़ा-बाड़मेर 21 व 28 मार्च, धनबाद-चंद्रपुरा होकर 05762 कटिहार-रांची 21 व 28 मार्च व 05761 रांची-कटिहार 22 व 29 मार्च, गोमो-कोडरमा होकर 08793 दुर्ग-पटना 22 मार्च व 08794 पटना-दुर्ग 23 मार्च, धनबाद होकर 08821 रांची-गोरखपुर 22 मार्च, 08822 गोरखपुर-रांची 24 मार्च, 08838 रांची-जयनगर 23 मार्च, 08839 जयनगर-रांची 24 मार्च, 08849 रांची-पूर्णिया 23 मार्च, 08850 पूर्णिया-रांची 23 मार्च, 08853 टाटा-सहरसा 18 मार्च से 5 अप्रैल (सोम, बुध, शुक्र), 08854 सहरसा-टाटा 19 मार्च से 6 अप्रैल (मंगल, गुरु व शनि), 08855 टाटा-बरौनी 19 व 26 मार्च और 2 अप्रैल, 08856 बरौनी-टाटा 20 व 27 मार्च और 3 अप्रैल, 08857 टाटा-बरौनी 29 मार्च और 5, 12 व 19 अप्रैल, 08858 बरौनी-टाटा 30 मार्च और 6, 13 व 20 अप्रैल, 07221 सिकंदराबाद-दरभंगा 21 व 26 मार्च, 07222 दरभंगा-सिकंदराबाद 23 व 28 मार्च को चलेगी.

ब्रह्माकुमारी बहनों को ट्रक ने रौंदा, मां-बेटी की मौत

चतरा। जिले के टंडवा में एक बेकाबू ट्रक ने ब्रह्माकुमारी संस्था की दो बहनों को अपनी चपेट में ले लिया. मौके पर ही उनकी मौत हो गयी. दोनों आपस में मां-बेटी हैं. दोनों हजारीबाग जिले के केरेडारी थाना क्षेत्र के कराली गांव की रहने वाली थीं. जानकारी के अनुसार अनियंत्रित होकर एक कार सड़क के किनारे पलट गयी थी. कार में सवार लोगों को बचाने प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विवि संस्था की बहनें सड़क में उतरी थीं. इसी दौरान एक बेकाबू ट्रक ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया और कार को जोरदार टक्कर मारी दी. इसमें अन्य चार घायल भी हो गये. इनमें एक की हालत गंभीर है. घायल ब्रह्मकुमारी बहनों को स्थानीय पुलिस ने आनन-फानन में टंडवा स्वास्थ्य उपकेंद्र में भर्ती कराया है. इनमें एक को प्राथमिक उपचार के बाद रिम्स रेफर कर दिया.

असमंजस चतरा संसदीय सीट पर अभी तक भाजपा ने कोई फैसला नहीं लिया

चतरा से भाजपा प्रत्याशी सुनील सिंह या कोई और...

आशीष टैगोर। लातेहार

भाजपा ने लोकसभा चुनाव के लिए प्रत्याशियों की दूसरी सूची भी जारी कर दी है. इस सूची में कुल 72 नाम हैं. भाजपा द्वारा जारी पहली सूची में 195 प्रत्याशियों के नामों की घोषणा की गयी थी. इनमें झारखंड के 11 सीटों के प्रत्याशी भी शामिल थे. लेकिन चतरा संसदीय सीट पर अभी तक कोई फैसला नहीं लिया गया है. अंदरखाने से छन कर आ रही खबरों के अनुसार जिस तरह हजारीबाग व लोहरदगा में सीटिंग एमपी को टिकट नहीं दिया गया है, ऐसा ही कुछ चतरा लोकसभा क्षेत्र में भी देखने को मिल सकता है. सूत्र बताते हैं कि इस बार चतरा से दो बार के सांसद रहे सुनील सिंह का पत्ता कट सकता है.

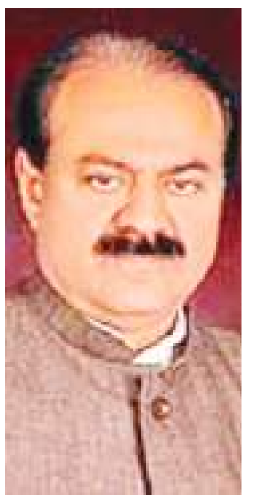

कई और नेता भी हैं चतरा से टिकट पाने की दौड़ में

चतरा सीट से टिकट की दौड़ में कई नेता हैं, जो अपनी-अपनी दावेदारी मजबूत कर रहे हैं. ऐसा नहीं है कि सांसद सुनील सिंह प्रत्याशी की दौड़ में नहीं हैं. लेकिन भाजपा के शीर्ष नेता या संगठन सब कुछ ठोक बजाकर ही प्रत्याशी की घोषणा करना चाहते हैं. यही कारण है कि अभी तक चतरा लोकसभा सीट को लेकर कोई फैसला नहीं आया है. इस बार के चुनाव में भाजपा ने अबकी बार 400 पार का नारा दिया है. ऐसे में भाजपा नेतृत्व कोई रिस्क नहीं लेना चाहती है. वैसे प्रत्याशियों को मैदान में उतारना चाहती है, जिसके जीतने की गारंटी हो.

कई स्तर पर तैयार की गई है ग्रांउड रिपोर्ट

बताया जाता है कि लोकसभा चुनाव का टिकट देने से पहले भाजपा ने संगठन में ही कई स्तर पर रिपोर्ट कार्ड तैयार कराया है. इसमें आरएसएस का भी फीडबैक शामिल है. इसके अलावा जनता से नाम पर फीडबैक लिया गया है. जनता से सांसद को लेकर सवाल भी पूछे गये हैं. सांसद के दो टर्म के कार्यकाल का रिपोर्ट कार्ड खंगाला गया है. सब कुछ ठीक रहने के बाद ही सांसद को फिर से टिकट दिया जा रहा है. सांसद सुनील सिंह इसमें कहां तक खरे उतर पाये हैं, यह तो संगठन ही बता सकता है.

केंद्रीय मंत्री के कार्यक्रम में भी हुआ विरोध

चतरा संसदीय क्षेत्र के ईटखोरी में शुक्रवार को केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भाजपा के बूथ स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन में भाग लिया. सम्मेलन के दौरान सांसद सुनील सिंह के विरोध में आवाज उठी. समर्थकों ने कहा कि दूसरे नेताओं ने ऐसा जानबूझ कर उनकी छवि धूमिल करने के लिए करवाया है. सूत्र बताते हैं कि केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह का यह कार्यक्रम इसीलिए तय किया गया था कि लोगों को यह लगे कि चतरा में सुनील सिंह के लिए सबकुछ ठीक-ठाक चल रहा है.

जेल आईजी ने हजारीबाग केंद्रीय कारा में की जांच

हजारीबाग। झारखंड के जेल आईजी सुदर्शन मंडल शुक्रवार को 11:00 बजे जांच के लिए लोकनायक जयप्रकाश नारायण केंद्रीय कारा पहुंचे. 11 बजे से समाचार लिखे जाने तक जांच जारी रही. इस संबंध में अभी जेल आईजी कुछ भी बताने से परहेज करते रहे. सूत्र बताते हैं कि कारा अधीक्षक जितेंद्र सिंह के विरुद्ध उन तक पहुंची कई शिकायतों पर यह जांच चल रही है. जिसमें ऑफिस कार्यालय में बहुत कम समय देना, सरकारी आवास से ही कारा को नियंत्रित करना, टाइम टू टाइम कारा का निरीक्षण करने से परहेज करना, जेल मैनुअल के हिसाब से बंदियों को भोजन उपलब्ध नहीं करना और जेल को मुहैया कराए गए फंड का सही से उपयोग नहीं होना जैसी शिकायतें शामिल हैं.

रेलवे की हड़ताल स्थगित, 20 को रेलकर्मी करेंगे प्रदर्शन

संवाददाता। धनबाद

एक मई से रेलवे में होनेवाली हड़ताल स्थगित कर दी गई. रेलवे सूत्रों के अनुसार सरकार के आश्वासन के बाद रेलवे की हड़ताल टल गई. पुराने पेंशन की मांग को लेकर एक मई से हड़ताल होनेवाली थी. धनबाद में अपनी मांगों को लेकर रेलकर्मी आगामी 20 मार्च को धरना प्रदर्शन करेंगे.

राष्ट्रीय काउंसिल संयुक्त स्टाफ तंत्र की भारत सरकार के वित्त सचिव के साथ बैठक हुई, जिसमें ऑल इंडिया रेलवे मेंस फेडरेशन सहित 42 यूनियनों के प्रतिनिधि शामिल मौजूद थे. पुराने पेंशन लागू करने के बारे में जानकारी देते हुए बताया गया कि सरकार सकारात्मक रवैए से आगे बढ़ रही है. उन्होंने कर्मचारी पक्ष को अपील की कि पुराने पेंशन को लागू करने की मांग को लेकर एक मई को प्रस्तावित रेल हड़ताल के लिए 19 मार्च को महाप्रबंधकों को नोटिस दिए जाने के कार्यक्रम को फिलहाल टाल दिया गया है.

खास बातें

- सरकार के आश्वासन पर रेलवे की हड़ताल टली
- पुराने पेंशन की मांग को लेकर होनी थी हड़ताल

कांग्रेस व वामपंथी दल ठग हैं, केरल को धोखा दिया

केरल में अब 'कमल' खिलने वाला है : पीएम नरेंद्र मोदी

पथानामथिट्टा (केरल)। पीएम नरेंद्र मोदी ने केरल के सत्ताधारी वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) और विपक्षी संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) को 'ठग' करार देते हुए शुक्रवार को कहा कि राज्य में दोनों एक-दूसरे का विरोधी होने का दिखावा करते हैं, जबकि दिल्ली में गले मिलते हैं. पीएम ने यह भी कहा कि केरल के लोग इनकी सच्चाई समझ गए हैं और भाजपा पिछले चुनाव के दो अंकों के वोट प्रतिशत के मुकाबले आने वाले चुनावों में दो अंकों की सीटों तक पहुंचने से दूर नहीं है. उन्होंने कहा, कांग्रेस और लेफ्ट दोनों ठग हैं. उन्होंने केरल के लोगों को धोखा दिया है. लेकिन अब केरल के लोग, खासकर युवा और महिलाएं, हकीकत समझ रहे हैं. जनसभा में मौजूद लोगों की भीड़ की ओर इशारा करते हुए मोदी ने कहा कि पथानामथिट्टा का उत्साह बता रहा है कि इस बार केरल में कमल खिलने वाला है.

जीएसटी के माध्यम से गरीबों को लूटा गया है

छह प्रतिशत लोग देश को नियंत्रित कर रहे हैं : राहुल

पालघर। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को दावा किया कि भारत की 88 प्रतिशत आबादी अन्य पिछड़ा वर्ग, दलित, आदिवासी और पिछड़े समुदायों से है, लेकिन प्रशासन, न्यायपालिका और मीडिया सहित विभिन्न क्षेत्रों में उनकी भागीदारी बहुत कम है. उन्होंने अपनी 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के दौरान एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि देश की सत्ता और संपत्ति को वह लोग नियंत्रित कर रहे हैं जिनकी कुल आबादी छह प्रतिशत है. कांग्रेस सांसद ने आरोप लगाया कि जीएसटी (माल एवं सेवा कर) के माध्यम से गरीबों को लूटा गया है. राहुल गांधी ने कहा कि विभिन्न परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण करते समय उद्योगपति नहीं, बल्कि समाज के गरीब वर्ग प्रभावित होते हैं. पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने पालघर जिले में मुख्य रूप से आदिवासी इलाकों का दौरा किया, जहां स्थानीय निवासियों ने उनका स्वागत किया.

भाजपा के खातों से लेन-देन पर रोक लगे

चुनावी बॉण्ड योजना मामले की विशेष जांच होनी चाहिए : खड़गे

बेंगलुरु। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शुक्रवार को कहा कि चुनावी बॉण्ड योजना से जुड़े मामले की विशेष जांच होनी चाहिए और सच सामने आने तक भाजपा के बैंक खातों से लेन-देन पर रोक लगाई जाए. खड़गे ने कहा कि प्रधानमंत्री कहते हैं 'न खाऊंगा, न खाने दूंगा', लेकिन आज उच्चतम न्यायालय ने यह उजागर कर दिया है कि कैसे भाजपा ने चुनावी बॉण्ड से पैसा बनाया है. खड़गे ने कांग्रेस के खिलाफ आयकर विभाग की कार्रवाई का हवाला देते हुए कहा कि आयकर विभाग को ऐसा करने का निर्देश दिया गया था और लगभग 300 करोड़ रुपये 'फ्रीज' कर दिए गए हैं... हम चुनाव में कैसे जा सकते हैं? आप चुनावी बॉण्ड के माध्यम से करोड़ों रुपये एकत्र कर रहे हैं, जबकि कांग्रेस को कार्यकर्ताओं, सांसदों और अन्य लोगों से चंदा मिला. उन्होंने कहा कि हमारा खाता बंद है, उनका खाता खुला है. उन्हें 6,000 करोड़ रुपये मिले, जबकि दूसरों को बहुत कम मिला.

नया कानून आएगा या नहीं, कह नहीं सकते

इलेक्टोरल बॉण्ड परफेक्ट नहीं मगर सिस्टम बेहतर : सीतारमण

नई दिल्ली। इलेक्टोरल बॉण्ड्स पर जारी राजनीतिक घमासान के बीच फाइनेंस मिनिस्टर निर्मला सीतारमण ने पहली बार अपनी प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने कहा कि इलेक्टोरल बॉण्ड को लेकर पूरी चर्चा अनुमानों पर आधारित है. उन्होंने सवाल उठाया कि क्या इससे पहले का सिस्टम फूलप्रूफ था. सीतारमण ने स्वीकार किया कि यह परफेक्ट सिस्टम नहीं है, लेकिन पिछले सिस्टम से बेहतर है. उन्होंने कहा कि हमें इससे सीखने की जरूरत है. इसे लेकर नया कानून आएगा या नहीं, इसे लेकर अभी कुछ नहीं कहा जा सकता है. लेकिन इतना जरूर है कि हम इस सिस्टम को और पारदर्शी बनाने के लिए प्रयास करते रहेंगे. इलेक्टोरल बॉण्ड व्यवस्था पुराने सिस्टम से अलग था. इसमें इलेक्टोरल बॉण्ड के जरिए बैंक अकाउंट्स में पैसा आता था. पहले का सिस्टम परफेक्ट नहीं था लेकिन अब हम ऐसे सिस्टम में पहुंचे हैं जो 100 परसेंट परफेक्ट नहीं है.

ब्रीफ खबरें

रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया राजस्व अधिकारी

ठाणे। नवी मुंबई में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने एक शिकायतकर्ता को भू-अभिलेख से संबंधित जानकारी देने के लिए उससे रिश्वत मांगने और लेने के आरोप में एक राजस्व अधिकारी को गिरफ्तार किया है. एसीबी की नवी मुंबई इकाई के पुलिस उपाधीक्षक शिवराज म्हेत्रे ने शुक्रवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि 48 वर्षीय आरोपी किरण अर्जुन गोरे पनवेल तहसील कार्यालय में राजस्व सहायक के रूप में काम करता है.

येदियुरप्पा के खिलाफ पॉक्सो का मामला दर्ज

बेंगलुरु। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा पर 17 वर्षीय एक लड़की की मां की शिकायत पर यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) कानून के तहत एक मामला दर्ज किया गया है. पीड़िता की मां ने आरोप लगाया है कि येदियुरप्पा ने दो फरवरी को एक बैठक के दौरान उसकी बेटी का यौन शोषण किया था. येदियुरप्पा ने आरोप लगाया कि पुलिस आयुक्त से मुलाकात करने के बाद महिला ने इस मामले को अलग रंग दे दिया.

पूर्व नौसेना प्रमुख एडमिरल एल. रामदास का निधन

हैदराबाद। भारतीय नौसेना के पूर्व प्रमुख एडमिरल (सेवानिवृत्त) एल.रामदास का शुक्रवार को यहां एक सैन्य अस्पताल में निधन हो गया. वह 90 वर्ष के थे. रक्षा सूत्रों ने रामदास के निधन की जानकारी दी. रामदास ने दिसंबर 1990 से सितंबर 1993 तक नौसेना प्रमुख के पद पर अपनी सेवाएं दी थीं. सूत्रों ने बताया कि रामदास का बढ़ती उम्र संबंधी समस्याओं के कारण निधन हो गया.

विधायक का भाई अवैध खनन मामले में गिरफ्तार

हैदराबाद। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के एक विधायक के भाई को कथित अवैध खनन के मामले में गिरफ्तार किया गया है. संगारेड्डी जिला पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी. पुलिस ने कहा कि पाटनचेरु विधानसभा सीट से विधायक जी. महिपाल रेड्डी के भाई जी. मधुसूदन रेड्डी को गिरफ्तार किया गया है. उनके स्वामित्व वाली कंपनियों द्वारा जिले में कथित अवैध और अत्यधिक खनन किए जाने के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया था.

बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व में हुआ मंत्रिमंडल का विस्तार

जदयू के नौ और भाजपा के 12 विधायक बने मंत्री, ली शपथ

संवाददाता। पटना

नीतीश कुमार के नेतृत्व वाले वाली एनडीए सरकार के मंत्रिमंडल का शुक्रवार को विस्तार हो गया है. इस मंत्रिमंडल विस्तार में जनता दल-यूनाइटेड (जेडीयू) के नौ विधायकों के अलावा और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 12 विधायकों को भी शामिल किया गया है. इस मंत्रिमंडल विस्तार में जातीय समीकरणों का पूरा ध्यान रखा गया है. जिसमें छह सवर्ण, छह दलित, चार अति पिछड़ा, चार पिछड़ा, एक मुस्लिम शामिल हैं. ज्ञात हो कि 28 जनवरी को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने महागठबंधन से नाता तोड़कर इस्तीफा दे दिया था और उसी दिन राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ले ली थी. इस दौरान उनके भाजपा नेता सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा ने डिप्टी सीएम पद की शपथ ली थी. इसके अलावा, भाजपा कोटे से एक और जनता दल यूनाईटेड के तीन और जीतनराम मांझी की पार्टी हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) के एक मंत्री और इकलौते निर्दलीय विधायक ने मंत्री पद ने शपथ ली थी. मंत्रिमंडल विस्तार के बारे में काफी समय से अटकले लगाई जा रही थीं

राज्यपाल ने इन 21 मंत्रियों को दिलाई शपथ

1. **रेणु देवी:** सबसे पहले रेणु देवी (नोनिया) ने शपथ ली जो अति पिछड़ा वर्ग से आती हैं. वह पिछली बार गठबंधन सरकार में डिप्टी सीएम रही थीं. इसके अलावा वह राज्य में कैबिनेट मंत्री रह चुकी हैं. वह राज्य में भाजपा का बड़ा चेहरा मानी जाती हैं. भाजपा की पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भी रही हैं. बेतिया निर्वाचन क्षेत्र से चार बार की विधायक हैं.
2. **मंगल पांडे:** मंगल पांडे भाजपा का बड़ा सवर्ण चेहरा माने जाते हैं. वह 3 बार एमएलसी रह चुके हैं. बिहार सरकार में स्वास्थ्य मंत्री रह चुके मंगल पांडे बिहार विधान परिषद के सदस्य हैं. वह भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रहने के अलावा 2017 में हिमाचल प्रदेश के पूर्व चुनाव प्रभारी भी रह चुके हैं. इसके अलावा वह बंगाल भाजपा के प्रभारी भी रह चुके हैं. बिहार में उनकी गिनती भाजपा के बड़े और तेज-तर्रार नेताओं में होती हैं.
3. **नीरज कुमार सिंह:** नीरज कुमार सिंह बिहार के छातापुर से भाजपा के विधायक हैं. 2021 में वह पर्यावरण और वन मंत्री रह चुके हैं और बिहार के बड़े राजपूत नेता माने जाते हैं. नीरज कुमार सिंह 5 बार के विधायक हैं. 2015 तक वह जेडीयू में थे.
4. **अशोक चौधरी:** जेडीयू नेता अशोक चौधरी महादलित समुदाय से आते हैं. पहले कांग्रेस में थे और अभी जेडीयू में हैं. अशोक चौधरी चार साल से भी ज्यादा समय तक बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष भी रहे हैं और 2018 में उन्होंने पार्टी छोड़ दी थी.. वह जेडीयू का चुनावी मैनेजमेंट संभालते हैं. वह पूर्व मंत्री महावीर चौधरी के बेटे हैं.
5. **लेसी सिंह:** लेसी सिंह की गिनती जेडीयू के बड़े नेताओं में होती है. वह धमदाहा से विधायक हैं और पिछली बार नीतीश सरकार में खाद्य और उपभोक्ता मामले विभाग की मंत्री रही हैं. उनके पति बूटन सिंह की सन 2000 में हत्या हो गई थी. पति की हत्या के बाद वह राजनीति में आईं.
6. **मदन सहनी:** लेसी सिंह के बाद जेडीयू नेता मदन सहनी ने मंत्री पद की शपथ ली. वह बिहार सरकार में समाज कल्याण विभाग के मंत्री रह चुके हैं. वह बहादुरपुर से जेडीयू के विधायक हैं.पिछली बार उन्हें खाद्य एवं उपभोक्ता मंत्री बनाया गया.
7. **नीतीश मिश्रा:** भाजपा नेता नीतीश मिश्रा मधुबनी जिले के झंझारपुर विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं. उनकी गिनती भाजपा के अहम सवर्ण चेहरों में होती हैं और वह भाजपा-बिहार के उपाध्यक्ष भी हैं. 2015 में वह कैबिनेट मंत्री रहे थे.
8. **नितीन नबीन:** नितीन नबीन भाजपा का सवर्ण चेहरा हैं. वह दिग्गज भाजपा नेता नवीन किशोर सिन्हा के बेटे हैं. वह बांकीपुर से 4 बार विधायक हैं रहे हैं. वह छत्तीसगढ़ भाजपा के सह प्रभारी भी हैं.
9. **डॉ. दिलीप जायसवाल:** भाजपा का पिछड़ा (वैश्य) चेहरा दिलीप जायसवाल ने मंत्री पद की शपथ ली है. वह बिहार विधान परिषद में भाजपा के उप मुख्य सचेतक रहे हैं.उन्होंने 2014 का लोकसभा चुनाव किशनगंज से लड़ा था.
10. **महेश्वर हजारी:** जेडीयू नेता महेश्वर हजारी विधानसभा के डिप्टी स्पीकर रह चुके हैं. इसके अलावा वह राज्य सरकार में मंत्री भी रह चुके हैं.
11. **शीला कुमारी:** जेडीयू नेता शीला कुमारी मंडल बिहार राज्य के मधुबनी जिले के फुलपरास विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं.वह राज्य सरकार में परिवहन और संचार मंत्री रह चुकी हैं.
12. **सुनील कुमार:** भोरे से विधायक चुने गए सुनील कुमार पहली बार एनडीए के सरकार में बने थे मद्य निषेध मंत्री बने थे.सुनील कुमार एक वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी भी रहे हैं.
13. **जनक राम:** बिहार के गोपालगंज के पूर्व सांसद और बिहार के पूर्व भूतत्व व खनन मंत्री जनक राम भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता भी हैं. वर्तमान में बिहार विधान परिषद के सदस्य हैं.
14. **हरि सहनी:** भाजपा नेता हरि सहनी बिहार विधान परिषद के सदस्य हैं. वह पूर्व में नेता प्रतिपक्ष रह चुके हैं.
15. **कृष्णनंदन पासवान:** भाजपा का दलित चेहरा (पासवान) माने जाने वाले कृष्णनंदन पासवान हरसिद्धि विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं. वह पूर्व में भी राज्य सरकार में मंत्री रह चुके हैं.
16. **जयंत राज:** जेडीयू नेता जयंत राज (कुशवाहा) पिछड़ा समाज से आते हैं. राज्य के अमरपुर से विधायक रहे जयंत राज्य बिहार सरकार में ग्रामीण कार्य मंत्री रहे हैं.
17. **मोहम्मद जमा खान:** जेडीयू नेता मोहम्मद जमा खान (पठान) नीतीश सरकार में अल्पसंख्यक कार्य मंत्री रह चुके हैं. वह चैनपुर सीट से विधायक हैं और जेडीयू का प्रमुख मुस्लिम चेहरा माने जाते हैं.
18. **रत्नेश सदा:** जेडीयू नेता रत्नेश पार्टी के अहम दलित (मुसहर) चेहरा हैं. सहरसा के सोनबरसा सीट से तीन बार चुनाव जीतकर विधानसभा पहुंचने वाले रत्नेश सदा पहले भी मंत्री रह चुके हैं.
19. **केदार प्रसाद गुप्ता:** भाजपा का पिछड़ा चेहरा (वैश्य) केदार प्रसाद गुप्ता कुढ़नी विधानसभा से विधायक हैं. 2022 उप चुनाव में उन्होंने शानदार जीत हासिल की थी.
20. **सुरेन्द्र मेहता:** सुरेंद्र मेहता बछवाड़ा विधानसभा से भाजपा के विधायक हैं. वह पहली बार मंत्री बने हैं.
21. **संतोष सिंह:** रोहतास-कैमूर विधान परिषद सदस्य संतोष सिंह भाजपा के नेता हैं.

बिहार में राज्यकर्मियों का डीए चार फीसदी बढ़ा

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में शुक्रवार शाम कैबिनेट की बैठक में कुल 108 एजेंडों पर मुहर लगी. नीतीश सरकार ने बड़ा फैसला लेते हुए राज्यकर्मियों का डीए चार फीसदी बढ़ा दिया है. लोकसभा चुनाव की घोषणा से पहले नीतीश कुमार की अध्यक्षता में कैबिनेट की अहम बैठक हुई. मीटिंग में 108 एजेंडों पर मुहर लगी है. कैबिनेट की बैठक में बिहार सरकार के कर्मचारियों और सरकारी पेंशन भोगियों को बढ़ती महंगाई से राहत देते हुए 4 प्रतिशत डीए में इजाफा किए जाने का फैसला लिया गया. बिहार में साढ़े तीन लाख सरकारी सेवक और इतने ही पेंशनधारी है. इस बढ़ोतरी के साथ ही डीए 46 से बढ़कर 50 फीसदी हो गया है.

अमिताभ बच्चन मुंबई के कोकिलाबेन अस्पताल में भर्ती

भाषा। मुंबई

बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन को शुक्रवार की सुबह मुंबई के कोकिलाबेन अस्पताल में भर्ती कराया गया है. बताया जा रहा है कि अमिताभ बच्चन की एंजियोप्लास्टी की गई है. हालांकि, उनकी ये एंजियोप्लास्टी किसी दिल की बीमारी के कारण नहीं बल्कि पैर में थक्के की वजह से हुई है. बीती शाम उन्हें एक कार्यक्रम में जाने के बाद परेशानी हुई, जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाने का फैसला किया किया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें भर्ती कर लिया और एंजियोप्लास्टी की गई. फिलहाल अमिताभ अभी अस्पताल में हीं है, उन्हें डिस्चार्ज नहीं किया गया है.

'बिग बी' ने फैंस के प्रति जताया आभार

इस बीच 'बिग बी' ने शुक्रवार को अपने 'एक्स' अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर किया जिसमें उन्होंने 'आपका हमेशा आभारा' लिखा है. इससे माना जा रहा है कि उन्होंने सर्जरी होने के बाद इस पोस्ट के जरिए अपने फैंस प्रति आभार जताया है.

निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्तियों पर रोक लगाने से किया इनकार

भाषा। नयी दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने 2023 के उस कानून के तहत नए निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्तियों पर रोक लगाने से शुक्रवार को इनकार कर दिया जिसमें प्रधान न्यायाधीश को चयन समिति से बाहर रखा गया है. याचिकाकर्ताओं ने कहा कि निर्वाचन आयुक्तों के चयन के लिए बैठक पहले से प्रस्तावित थी. इस पर न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति ऑगस्टिन जॉर्ज मसीह की पीठ ने याचिकाकर्ताओं से इस तथ्य का उल्लेख करते हुए अलग से एक याचिका दायर करने को कहा. पीठ ने 2023 के कानून के अनुसार की गयी नियुक्तियों पर रोक लगाने से इनकार करते हुए कहा, सामान्यतः और आम तौर पर, हम अंतरिम आदेश के जरिए किसी कानून पर रोक नहीं लगाते हैं. उसने 2023 के कानून के तहत दो निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई स्थगित कर दी.

चीन में कोयला खदान में दुर्घटना घटी, सभी सात श्रमिकों की मौत

बीजिंग। उत्तरी चीन के शांक्सी प्रांत में एक कोयला खदान के भूमिगत गोदाम में सोमवार से फंसे सभी सात श्रमिकों की मौत हो गई है. स्थानीय अधिकारियों ने शुक्रवार को इस बात की पुष्टि की. कोयला खदान के मालिक गाओ नाइचुन ने बताया कि सोमवार आधी रात को जब श्रमिक एक कोयला फीडर की मरम्मत कर रहे थे तभी गोदाम में कोयले का ढेर ढह गया, जिसमें सात लोग दब गए. काउंटी प्रशासन के अनुसार, झोंगयांग काउंटी में स्थित ताओयुआन शिनलोंग कोयला औद्योगिक निगम की कोयला खदान में बचाव अभियान के दौरान आखिरी शव शुक्रवार को बरामद किया गया.

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी हालत स्थिर, लगे टांके

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की स्वास्थ्य संबंधी स्थिति स्थिर है. राज्य प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी. बता दें कि ममता बनर्जी (69) गुरुवार शाम को कालीघाट स्थित अपने आवास में गिर गई थी जिसके कारण उनके माथे और नाक पर गंभीर चोट लगी थी. इसके बाद उन्हें एक सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें कुछ टांके लगाए गए और उनकी चिकित्सकीय जांच की गई. बाद में चिकित्सकों ने उन्हें छुट्टी दे दी. अधिकारी ने बताया कि बनर्जी को रात में अच्छी नींद आई. उन्होंने शुक्रवार सुबह पीटीआई से कहा, मुख्यमंत्री का स्वास्थ्य स्थिर है. उन्हें रात में अच्छी नींद आई और वरिष्ठ चिकित्सकों ने इस दौरान उनकी स्थिति पर नजर रखी.

भारत भूटान के साथ साझेदारी को बहुत महत्व देता है: राष्ट्रपति

भाषा। नयी दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को कहा कि भारत, भूटान के साथ अपनी बहुआयामी साझेदारी को बहुत महत्व देता है और बौद्ध धर्म की आध्यात्मिक विरासत दोनों देशों को जोड़ती है. राष्ट्रपति ने कहा कि भूटान एक विश्वसनीय मित्र और भागीदार के रूप में भारत पर भरोसा कर सकता है. भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग टोबगे ने यहां राष्ट्रपति भवन में मुर्मू से मुलाकात की. मुर्मू ने टोबगे का स्वागत करते हुए कहा कि भारत और भूटान के बीच घनिष्ठ और अद्वितीय संबंध हैं, जो सभी स्तरों पर आपसी विश्वास, सद्भावना और समझ पर आधारित हैं. उन्होंने इस बात की सराहना की कि टोबगे ने भूटान के प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के बाद अपनी पहली विदेश यात्रा के लिए भारत को चुना. मुर्मू ने कहा कि बौद्ध धर्म की साझा आध्यात्मिक विरासत दोनों देशों को जोड़ती है. मुर्मू ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत, भूटान के साथ अपनी बहुआयामी साझेदारी को बहुत महत्व देता है, जो ऊर्जा सहयोग, विकास साझेदारी, लोगों के बीच आपसी संबंध और व्यापार एवं निवेश संबंधों जैसे क्षेत्रों में फैली है.

कॅरियर-काउंसिलिंग

भूगोल विषय से स्नातक करने के बाद बेहतर है कॅरियर का स्कोप

रजनीश प्रसाद। रांची

भूगोल में पूरे सौरमंडल के बारे में पढ़ाया जाता है. इसमें पृथ्वी और इसकी विभिन्न घटनाओं, विशेषताओं और निवासियों का भी अध्ययन होता है. इसमें ग्रह पर विभिन्न वनस्पतियों और वृक्षारोपण के साथ-साथ जलवायु और मिट्टी का गहन अध्ययन किया जाता है. मानचित्र प्रक्षेपण, आर्थिक भूगोल, मानव भूगोल, भौतिकी, भूगोल आदि विषयों के बारे में भी इस कोर्स में पढ़ाया जाता है. बीए भूगोल में आपको ग्रह की विभिन्न भौगोलिक विशेषताओं के बारे में जानने को मिलेगा. इसी के साथ आपके एनालिटिकल स्किल्स में भी विकास होगा. इस कोर्स को करने के बाद उम्मीदवार विभिन्न सरकारी और निजी क्षेत्रों में काम कर सकते हैं. इस कोर्स में ऐसे कई विषय शामिल हैं, जो आपको अन्य सरकारी परीक्षाओं में भी मदद करेंगे. बीए भूगोल के छात्र सिविल सेवा परीक्षाओं में भी शामिल हो सकते हैं.

भारत में टॉप बीए भूगोल कॉलेज

- मिरांडा हाउस, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली
- इंद्रप्रस्थ महिला कॉलेज, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली
- पटना महिला कॉलेज, पटना
- शिवाजी कॉलेज, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली
- वेंकटेश्वर ओपन यूनिवर्सिटी
- सीतलकुची कॉलेज, कूच बिहार
- बेल्दा कॉलेज, मिदनापुर

भारतीय विश्वविद्यालयों में आवेदन प्रक्रिया

- सबसे पहले अपनी चुनी हुई यूनिवर्सिटी की ऑफिशियल वेबसाइट में जाकर रजिस्ट्रेशन करें.
- यूनिवर्सिटी की वेबसाइट में रजिस्ट्रेशन के बाद आपको एक यूजर नेम और पासवर्ड प्राप्त होगा.
- फिर वेबसाइट में साइन इन के बाद अपने चुने हुए कोर्स का चयन करें, जिसे आप करना चाहते हैं.
- अब शैक्षिक योग्यता, वर्ग आदि के साथ आवेदन फॉर्म भरें.
- इसके बाद आवेदन फॉर्म जमा करें और आवश्यक आवेदन शुल्क का भुगतान करें.
- यदि एडमिशन, प्रवेश परीक्षा पर आधारित है तो पहले प्रवेश परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन करें और फिर रिजल्ट के बाद काउंसलिंग की प्रतीक्षा करें. प्रवेश परीक्षा के अंकों के आधार पर आपका चयन किया जाएगा और लिस्ट जारी की जाएगी

कॅरियर स्कोप

- अर्बन एंड रूरल प्लानिंग
- कार्टोग्राफी
- क्लाइमेट एनालिसिस
- पॉपुलेशन एनालिसिस
- एनवायर्नमेंटल साइंस
- नेचर कंजर्वेशन सैंक्चुअरी
- ट्रेवल एंड टूरिज्म
- एजुकेशन
- एनवायर्नमेंटल लॉ

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)